नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 14

अंक : 34

सोमवार, 23 से 29 सितम्बर 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

एमसीडी में हुए चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी आम आदमी पार्टी 03

हरियाणा : सत्ता विरोधी लहर के साथ भीतरी कलह से भी जूझती भाजपा 08

NCR समाचार

अस्पताल ने कहा कि मुशीर खान की हालत फिलहाल स्थिर 10

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in | BY C.R.O. TEAM | twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

सूटकेस जैसी जिंदगी हो गई है, कोई ठिकाना नहीं... 12

मंच पर बिगड़ी कांग्रेस अध्यक्ष की तबीयत

मोदी को हटाए बिना मरूंगा नहीं : खड़गे

कठुआ, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कठुआ के बरनोटी में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान तबीयत बिगड़ गई। हालांकि, थोड़ा ठीक होने पर उन्होंने फिर जनता को संबोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाए बिना मरने वाला नहीं हूं।

बरनोटी में रविवार को खरगे की तबीयत उस समय बिगड़ी जब वह एक दिन पहले ही कठुआ जिले में आतंकियों के खिलाफ अभियान में बलिदान हेड कांस्टेबल को श्रद्धांजलि दे रहे थे। अचानक ही उनको बेचैनी महसूस हुई और चक्कर आने लगा। सहयोगियों ने उन्हें तुरंत कुर्सी पर बिठाया।

वहां, मौजूद डॉक्टरों ने उनके स्वास्थ्य की जांच की। इसके बाद जीएमसी कठुआ में भी भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके स्वास्थ्य की जांच के बाद छुट्टी दे दी। जनसभा के दौरान कुछ मिनट के लिए अफरा-तफरी रही, लेकिन खुद को संभालते हुए खड़गे ने मंच से बैठकर ही फिर बोलना शुरू किया। उन्होंने बताया कि उन्हें चक्कर आ गया था। उन्होंने दो मिनट में अपने भाषण को समाप्त किया। कहा कि मैं 83 साल का हो गया हूं, लेकिन इतना जल्दी मरने वाला नहीं हूं। मैं तब तक जिंदा रहूंगा, जब तक प्रधानमंत्री मोदी सत्ता से बाहर नहीं हो जाते।

उधर, जीएमसी कठुआ के प्रधानाचार्य डॉ. सुरिंद्र अत्री ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष को सिंकोपल अटैक हुआ था, चक्कर आया था। उन्हें ज्यादा पसीना आ रहा था। उनके सभी बेसिक टेस्ट किए गए हैं। उन्हें करीब एक घंटे तक आईसीयू में रखा गया। सभी जांच सामान्य पाई गई हैं। स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें यात्रा करने के लिए क्लीयरेंस दे दी गई है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज डोगरा ने बताया कि कुछ समय के लिए खड़गे की तबियत बिगड़ी थी, लेकिन अब वह स्वस्थ हैं। उमस ज्यादा हो गई थी, जिसकी वजह से वह असहज हो गए थे।

पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए लड़ता रहूंगा

खरगे ने कहा, मैं आपकी बात सुनता रहूंगा और जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए बात लड़ता रहूंगा। कुछ भी हो, हम इसे छोड़ने वाले नहीं हैं। भाजपा सरकार पर जम्मू-कश्मीर को रिमोट कंट्रोल से चलाने का आरोप लगाते हुए खरगे ने कहा, ये लोग कभी चुनाव नहीं कराना चाहते थे। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही चुनाव की तैयारी शुरू की।

रामनगर की चुनावी रैली रद्द

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत खराब होने के बाद उधमपुर जिले के रामनगर निर्वाचन क्षेत्र के राजा राम सिंह स्टेडियम में होने वाली रैली रद्द कर दी गई।

पीएम मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से की फोन पर बात

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत आज (29 सितंबर) अचानक बिगड़ गई। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बातचीत की और स्वास्थ्य का हालचाल लिया।

राष्ट्रपति ने युवा कानूनी पेशेवरों से परिवर्तन का वाहक बनने का आग्रह किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि एक गरीब व्यक्ति को न्याय तक उतनी ही पहुंच नहीं मिलती जितनी एक अमीर व्यक्ति को मिलती है। इस अनुचित स्थिति को बदलना होगा। उन्होंने युवा कानूनी पेशेवरों से परिवर्तन का वाहक बनने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति शनिवार को हैदराबाद में नालसार विधि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि संविधान में हमारे स्वतंत्रता संग्राम के आदर्श जैसे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व समाहित हैं। प्रस्तावना और मौलिक अधिकारों में निहित समानता का आदर्श न्याय प्रदान करने से संबंधित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में भी अभिव्यक्त होता है। निर्देशक सिद्धांतों में समान न्याय और निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रयास किया गया है। यह राज्य को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार बनाता है कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय प्राप्त करने के अवसरों से वंचित न किया जाए। राष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि अधिवक्ताओं के रूप में उनका कर्तव्य होगा कि वे अपने मुवक्किलों के हितों का ख्याल रखने के अलावा न्याय देने में न्यायालय की सहायता करें। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशेवर के रूप में वे जो भी भूमिका चुनें, उन्हें हमेशा ईमानदारी और साहस के मूल्यों पर टिके रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता के सामने सच बोलना उन्हें और अधिक शक्तिशाली बनाता है।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि नालसर ने कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने दिव्यांगता, न्याय तक पहुंच, जेल और किशोर न्याय तथा कानूनी सहायता से संबंधित मुद्दों की देखभाल करने में नालसर के प्रयासों की सराहना की। उन्हें यह जानकर भी खुशी हुई कि नालसर ने एक पशु कानून केंद्र की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उम्मीद है कि पशु-पक्षी, पेड़ और जल-निकायों की रक्षा मानवता की भलाई के लिए आवश्यक है और नालसर का पशु कानून केंद्र उस दिशा में एक अच्छा कदम है।

राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देने में समाज का हर वर्ग हितधारक है। उन्होंने एनएएलएसएआर से, इसके पूर्व छात्रों सहित सभी हितधारकों का समर्थन प्राप्त करने और महिला अधिवक्ताओं और कानून की छात्राओं का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित करने में मदद करने का आग्रह किया।

हरियाणा को भाजपा ने बर्बाद कर दिया : राहुल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शनिवार को जमकर हमला करते हुए कहा कि उसने पिछले एक दशक के दौरान हरियाणा की समृद्धि को ध्वस्त करके उसे बर्बाद कर दिया है।

श्री गांधी ने 'एक्स' पर कहा, "भाजपा ने एक दशक में हरियाणा से उसकी समृद्धि, उसके सपने और शक्ति छीन ली। अग्निवीर से देशभक्त युवाओं की आकांक्षाएं छीन ली, बेरोजगारी से परिवारों की हंसी छीन ली और महंगाई से महिलाओं की आत्मनिर्भरता। काले कानून लाकर किसानों का हक तक छीन लेने का प्रयास किया तो नोटबंदी और गलत जीएसटी से लाखों छोटे व्यापारियों का मुनाफा छीन लिया।"

उन्होंने कहा, "अपने 'मित्रों' को फायदा पहुंचाने के लिए हरियाणा का आत्मसम्मान तक छीन लिया। कांग्रेस की आने वाली सरकार 'दर्द के दशक' का अंत करेगी-हर हरियाणा वासी की उम्मीदों, आकांक्षाओं और ख्वाबों को पूरा करना हमारा संकल्प है।"

श्री गांधी ने कांग्रेस सरकार आने पर जो गारंटी देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कहा, "दो लाख पक्की नौकरियां, नशा मुक्त हरियाणा, 25 लाख तक का मुफ्त इलाज, महिलाओं को 2,000 रुपए हर माह, गैस सिलेंडर 500 में,गरीबों को 100 गज का प्लॉट, 3.5 लाख की लागत से दो कमरों का मकान, बुजुर्ग, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन 6,000 रुपये, पुरानी पेंशन की बहाली, 300 यूनिट मुफ्त बिजली,किसानों को एमएसपी की गारंटी, तत्काल फसल मुआवजा, जाति जनगणना, क्रीमी लेयर की सीमा 10 लाख रुपये करने के साथ ही बचत से लेकर सेहत, अधिकारों की रक्षा से सामाजिक सुरक्षा, रोजगार की बहार, हंसता खेलता हर परिवार-ये है कांग्रेस की गारंटी।

डबल इंजन सरकार से पहले महाराष्ट्र के विकास के लिए जरूरी प्रोजेक्ट डिरेल हुए : पीएम मोदी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महाराष्ट्र में 11, 200 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने महाराष्ट्र में सोलापुर एयरपोर्ट का उद्घाटन भी किया। साथ ही डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से स्वारगेट के बीच 1, 810 करोड़ रुपये की लागत वाली पुणे मेट्रो के भूमिगत खंड का उद्घाटन भी किया।

इस दौरान पीएम मोदी ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, दुर्भाग्य से, पिछले दशकों में हमारे देश में शहरी विकास में योजना और दूरदर्शिता दोनों का अभाव था। अगर कोई चर्चा में आती थी तो उसकी फाइलें कई वर्षों तक अटकी रहती थी। अगर कोई योजना बन भी गई, तब भी परियोजनाएं सालों-साल अटकी रहती थी। उस पुराने वर्क कल्चर का बहुत बड़ा नुकसान हमारे देश, महाराष्ट्र और पुणे को हुआ। लापरवाही और उपेक्षा की इसी संस्कृति के कारण महाराष्ट्र और हमारे देश को नुकसान उठाना पड़ा।

पीएम मोदी ने कहा कि 2016 से अबतक इन 7-8 सालों में पुणे मेट्रो का ये विस्तार, इतने रुटों पर काम की प्रगति और नए शिलान्यास, अगर पुरानी सोच और कार्यपद्धति पर होती है तो इनमें से कोई भी काम पूरे नहीं हो पाते। पिछली सरकार तो 8 साल में मेट्रो का एक पिलर भी खड़ा नहीं कर पाई थी। जबकि, हमारी सरकार ने पुणे में मेट्रो का आधुनिक नेटवर्क तैयार कर दिया है। मेट्रो से जुड़े प्रोजेक्ट हो, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन हो या किसानों के लिए सिंचाई से जुड़े कई महत्वपूर्ण काम, डबल इंजन सरकार से पहले, महाराष्ट्र के विकास के लिए जरूरी ऐसे कितने ही प्रोजेक्ट डिरेल हो गए थे।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दो दिन पहले मुझे कई बड़ी परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के लिए पुणे आना था, लेकिन भारी बारिश के कारण मुझे कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

श्रोता ही हैं 'मन की बात' के असली सूत्रधार : प्रधानमंत्री

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रोताओं को 'मन की बात' कार्यक्रम का असली 'सूत्रधार' करार देते हुए रविवार को कहा कि इस रेडियो कार्यक्रम ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है और सकारात्मक बातें एवं प्रेरणादायी उदाहरण उन्हें बहुत पसंद आते हैं।

आकाशवाणी के इस मासिक रेडियो कार्यक्रम की 114वीं कड़ी को संबोधित करते हुए मोदी ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान के महत्व को भी रेखांकित किया और लोगों से इसमें भाग लेने का आह्वान किया। 'मन की बात' की इस कड़ी के साथ ही इसके 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इस कार्यक्रम की लंबी यात्रा में ऐसे कई पड़ाव आए जिन्हें वह कभी भूल नहीं सकते।

उन्होंने कहा, हमारी इस यात्रा के कई ऐसे साथी हैं जिनका हमें निरंतर सहयोग मिलता रहा है। देश के कोने-कोने से उन्होंने जानकारियां उपलब्ध कराईं। 'मन की बात' के श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आमतौर पर एक धारणा ऐसी गढ़ी गई है कि जब तक किसी कार्यक्रम में चटपटी और नकारात्मक बातें ना हों तब तक उसे ज्यादा तवज्जो नहीं मिल पाती।

उन्होंने कहा, लेकिन मन की बात ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है। सकारात्मक बातें एवं प्रेरणादायी उदाहरण लोगों को बहुत पसंद आते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह कार्यक्रम से जुड़ी चिट्ठियों को पढ़ते हैं और पाते हैं कि देश में कितने प्रतिभावान लोग हैं और उनमें देश एवं समाज की सेवा करने का कितना जज्बा है तो उन्हें गर्व होता है।

उन्होंने कहा, 'मन की बात' की यह पूरी प्रक्रिया मेरे लिए ऐसी है जैसे मंदिर जाकर ईश्वर के दर्शन करना।

उन्होंने इस कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों के अलावा इसके प्रचार प्रसार में योगदान देने वाले मीडिया समूहों का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के दौरान जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, 'एक पेड़ मां के नाम' और स्वच्छता अभियान के महत्व को भी रेखांकित किया।

मोदी ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के 10 साल पूरे हो रहे हैं और हर क्षेत्र में निर्यात बढ़ रहा है तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में बढ़ोतरी इसकी सफलता का प्रमाण है।

रोजगार की बदल रही है प्रकृतिः मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि बदलते हुए इस समय में रोजगार की भी प्रकृति बदल रही है और नए-नए सेक्टरों का उभार हो रहा है। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 114वीं कड़ी के संबोधन में कहा कि गेमिंग, एमिनेशन, रील मेकिंग, फिल्म मेकिंग और पोस्टर मेकिंग जैसे सेक्टरों से रोजगार की प्रकृति बदल रही है। उन्होंने कहा, अगर किसी स्किल में आप अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं तो आपके टैलेंट को बहुत बड़ा मंच मिल सकता है।यदि कोई किसी बैंड से जुड़े हैं या फिर कम्युनिटी रेडियो के लिए काम करे तो भी बहुत बड़ा अवसर है। टैलेंट और क्रिएटिविटी को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार का सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने क्रिएट इन इंडिया थीम के तहत 25 चैलेंज शुरू किए हैं। ये चैलेंज दिलचस्प लगेंगे। कुछ चैलेंज तो संगीत, शिक्षा और यहां तक कि एंटी पायरेसी पर भी केन्द्रित हैं। प्रधानमंत्री ने देश भर के क्रियटरों से इन चैलेंजों में भाग लेकर अपने क्रिएटिविटी को प्रदर्शित करने की अपील करते हुये कहा कि इसमें कई सारे पेशेवर संगठन भी शामिल हैं, जो, इनको, अपना पूरा समर्थन दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय निमार्ताओं को काफी मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने लोगों से त्योहारों के आगामी मौसम में स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया।

अमेरिका की अपनी हाल की यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में करीब 300 प्राचीन वस्तुओं को वापस भेजने की व्यापक चर्चा हो रही है।

मोदी ने कहा कि जब लोग अपनी विरासत पर गर्व करना शुरू करते हैं तो दुनिया भी उनकी भावनाओं का सम्मान करती है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में विभिन्न देशों ने भारत की कई प्राचीन कलाकृतियां उसे लौटाई हैं।

कार्यक्रम में, उन्होंने 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता पर प्रकाश डाला और इसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को एक उचित श्रद्धांजलि बताया। उन्होंने दोहराया कि गांधी जी ने अपने पूरे जीवन में स्वच्छता पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'दो अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत मिशन' के 10 साल पूरे हो रहे हैं। यह उन लोगों की सराहना करने का अवसर है जिन्होंने इसे जन आंदोलन में बदल दिया। यह महात्मा गांधी के लिए भी एक उचित श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन इस उद्देश्य के लिए समर्पित कर दिया।

चुनावी बॉंड पर सरकार लगातार कर रही है नियमों का उल्लंघनः कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने चुनावी बॉंड के जरिए जमकर काली कमाई की है और इससे पर्दा ना उठे इसको लेकर लगातार नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने चुनावी बॉंड मामले में रिजर्व, बैंक सुप्रीम कोर्ट आदि के निदेर्शों को भी नहीं माना। यहां तक कि इसको लेकर जो विधेयक लाया गया उसे धन विधेयक बनाकर राज्यसभा में आने से रोक दिया।

उन्होंने कहा,"ऐसे ही नहीं बढ़ी है भाजपा की अथाह कमाई।

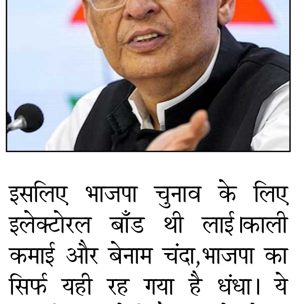

इसलिए भाजपा चुनाव के लिए इलेक्टोरल बॉंड थी लाई।काली कमाई और बेनाम चंदा,भाजपा का सिर्फ यही रह गया है धंधा। ये कहानी शुरू होती है कि इलेक्टोरल बॉंड के पीछे भाजपा की सोच क्या थी और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कैसे भाजपा को कटघरे में खड़ा कर कहा था कि उसने बॉंड को लेकर सारी नियमों धज्जियां उड़ाई है। कोर्ट के ये शब्द पूरी तरह से प्रमाणित हो चुके हैं। प्रवक्ता ने कहा,"इलेक्टोरल बॉंड मामले में चौथा पहलू एफआईआर दर्ज होने का है। किसी भी मामले में एफआईआर दर्ज होने का एक प्रावधान होता है जिसमें मामले की प्राथमिक जांच के आधार पर अदालत प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देती है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

जेपी नड्डा ने सदस्यता अभियान की समीक्षा की

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के पैरालंपिक खिलाड़ियों को किया सम्मानित

पटना। एक दिन के बिहार दौरे पर शनिवार को राजधानी पटना पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित पैरालंपिक खिलाड़ी सम्मान और सदस्यता अभियान समारोह के तहत पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर 20 चर्चित खिलाड़ियों ने भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि एक समय था जब ओलंपिक को प्राथमिकता नहीं दी जाती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए योजना बनाकर इसे आगे बढ़ाया। ओलंपिक ही नहीं पैरालंपिक को भी मुख्यधारा में लाने का काम किया गया।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में जाने से पहले और बाद में प्रधानमंत्री खुद खिलाड़ियों से मुलाकात करते हैं और उनके विचार जानते हैं तथा उन्हें प्रोत्साहित करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल को आगे बढ़ाने के लिए खेल के बजट में तीन गुना बढ़ोतरी की गई तथा खिलाड़ियों की हर तरीके से मदद करने और प्रशिक्षण देने का काम किया गया। किसी ने यह नहीं सोचा होगा कि गांव तक खेलों की व्यवस्था की जाएगी, लेकिन खेलो इंडिया के तहत कई खेलों को आगे बढ़ाने का काम किया गया।

पैरालंपिक खिलाड़ियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, आप आगे बढ़ो, रुकने की कोई जरूरत नहीं है। हम सभी आपके साथ खड़े हैं और मजबूती से खड़े हैं।

इस सम्मान समारोह में पेरिस पैरालंपिक मेडल प्राप्त खिलाड़ी शैलेश कुमार और शरद कुमार, तथा अंतर्राष्ट्रीय मेडल प्राप्त खिलाड़ी गजेंद्र कुमार, अमिसा प्रकाश, सिंटू कुमार, मोहम्मद शमीम, मानसी, ऑब्जर्वर शिवाजी कुमार सहित 108 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इससे पहले आज सुबह पटना हवाई अड्डे पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा सहित पार्टी के कई नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। भाजपा ने पूरे शहर को पार्टी के झंडों, होर्डिंग एवं बैनर से पाट दिया है।

जे.पी. नड्डा हवाई अड्डा से सीधे सचिवालय स्थित सप्तमूर्ति पहुंचे। वहां उन्होंने अमर शहीदों के स्मारक पर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वह सीधे भाजपा कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा द्वारा पूरे देश में जारी सदस्यता अभियान के तहत बिहार प्रदेश में हुई प्रगति की समीक्षा की।

बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसे लेकर सभी दल अपनी-अपनी रणनीतियां बनाने में जुटे हैं। भाजपा भी अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने में जुटी है।

एक नजर

मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी मंदिर में मत्था टेका

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को रियासी जिले के कटरा कस्बे की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और मत्था टेका।

श्री सिन्हा ने श्री माता वैष्णो देवी की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए शांति, समृद्धि, खुशहाली की कामना की और सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की। जम्मू-कश्मीर उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया, ह्उपराज्यपाल ने श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में मत्था टेका। सभी के लिए शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

सीतारमण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरू की एक विशेष अदालत ने पुलिस को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ जबरन वसूली के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिये हैं। नाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष आदर्श अय्यर की ओर से चुनावी बॉन्ड से जुड़ी शिकायत में जबरन वसूली के आरोप लगाये गये हैं। इस मामले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कटील और विजयेंद्र येदियुरप्पा समेत कई हाई-प्रोफाइल हस्तियां भी शामिल हैं। अप्रैल 2024 में दर्ज की गयी शिकायत में दावा किया गया है कि 2019 से 2022 के बीच चुनावी बॉन्ड के जरिए बड़ी रकम जुटायी गयी, जिसमें एक व्यवसायी की कंपनी से 230 करोड़ रुपये और एक फार्मा कंपनी से 49 करोड़ रुपये शामिल हैं। विशेष अदालत ने पुलिस को तुरंत जांच शुरू करने के भी निर्देश दिये हैं।

ओडिशा में बस पलटने से चार तीर्थयात्रियों की मौत, 45 घायल

बालासोर। ओडिशा के जलेश्वर में राष्ट्रीय राजमार्ग 60 पर शुक्रवार देर रात बस के पलट जाने से एक महिला सहित चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 45 अन्य घायल हो गये। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह दुर्घटना जलेश्वर पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत चलंती चक के पास देर रात करीब 12:45 बजे हुई। उत्तर प्रदेश से 57 यात्रियों को लेकर पुरी जा रही पर्यटक बस सड़क से फिसलकर लगभग 20 फीट नीचे एक खेत में गिर गई। घायलों को स्थानीय जीके भट्टर अस्पताल में भर्ती कराया गया, और उनमें से 14 को बाद में जिला मुख्यालय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उनका सर्जरी और आर्थोपेडिक वार्ड में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय अधिकतर यात्री सो रहे थे। संदेह है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह घटना हुई। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुधाकर नायक ने बताया कि घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। फायर ब्रिगेड और पुलिस कर्मियों द्वारा चालक का दरवाजा काटकर पलटी हुई बस से यात्रियों को बचाया गया। मामूली रूप से घायल तीर्थयात्रियों को उनके घर वापस भेजने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि चालक, सहायक कर्मी और ट्रैवल एजेंट को हिरासत में लिया गया है और जांच जारी है।

मालदीव की चीन से नहीं बैठी पटरी, वापस भारत की शरण में आ रहे मुइज्जू

माले। मालदीव ने सोचा था चीन से दोस्ती करके भारत पर दबाव बना लेगा ये उसकी गलत फहमी निकली। अततः मालदीव की सभी गलत फहमियां दूर हो गई और उसे वापस भारत की शरण में लौटना पड़ रहा है। ये इसलिए कहा जा रहा है कि खुद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के किसी भी एजेंडे से इनकार करते हुए कहा कि उनके देश में विदेशी सेना की उपस्थिति द्वीपीय देश के लिए एक गंभीर समस्या थी। अब मुइज्जू अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में भारत की यात्रा करने वाले हैं। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों में आई कड़वाहट को दूर करने की कोशिश के तौर देखा जा रहा है। वे 6-10 अक्टूबर के दौरान द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारत में रहेंगे। नाम नहीं बताने की शर्त पर दोनों देशों के लोगों ने बताया कि पीएम मोदी के साथ उनकी बैठकें 7 अक्टूबर को होने की संभावना है। बता दें कि मुइज्जू पिछली बार 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए छह अन्य क्षेत्रीय देशों के नेताओं के साथ नई दिल्ली आए थे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे मुइज्जू ने गुरुवार को प्रिंसटन विश्वविद्यालय के कार्यक्रम 'डीन्स लीडरशिप सीरीज' में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि हम किसी भी समय, किसी भी देश के खिलाफ कभी नहीं रहे। यह भारत को बाहर करना नहीं है। मालदीव के लोगों को अपने देश में विदेशी सेना की उपस्थिति से एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा था। मुइज्जू ने कहा कि मालदीव के लोग नहीं चाहते कि एक भी विदेशी सैनिक देश में रहे।

भद्रक जिले में इंटरनेट सेवाएं निलंबित

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर झड़प के बाद नौ लोग हिरासत में

भुवनेश्वर/भद्रक। ओडिशा सरकार ने एक 'आपत्तिजनक' सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर प्रदर्शन के दौरान लोगों के एक समूह द्वारा पुलिस पर पथराव किए जाने के बाद भद्रक जिले में इंटरनेट सेवाएं शनिवार को दो दिन के लिए निलंबित कर दीं।

गृह विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, जिले में भारतीय टेलीग्राफ कानून, 1885 की धारा 5(2) के प्रावधानों के तहत देर रात दो बजे से 48 घंटे के लिए 30 सितंबर तक इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी।

सरकार के आदेश में यह भी कहा गया कि शांति एवं सौहार्द बहाल करने के लिए भड़काऊ संदेशों के प्रसार को रोकने के वास्ते व्हाट्सऐप, फेसबुक, एक्स जैसे सोशल मीडिया मंच और डेटा सेवाओं, मोबाइल इंटरनेट और ब्रॉडबैंड सेवाओं के अन्य माध्यमों के उपयोग पर पाबंदी रहेगी।

लोगों के एक समूह ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए कुछ आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। विशेष समुदाय के सदस्यों ने आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एक रैली निकाली थी।

पुलिस ने जब प्रशासन की अनुमति के बगैर निकाली जा रही रैली को रोका तो प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया जिसमें एक पुलिस उपाधीक्षक समेत दो पुलिसकर्मी घायल हो गए और भद्रक तहसीलदार के वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शुक्रवार दोपहर जिले के संथिया इलाके में दो समुदायों के बीच झड़प हो गई और बाद में हिंसा जिले के धामनगर इलाके तक फैल गई।

जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया, इलाके में किसी भी सभा, बैठक, प्रदर्शन की सख्त मनाही है और जिला प्रशासन इसके उल्लंघन को गंभीरता से लेगा।

जिला प्रशासन ने पुरुना बाजार और धामनगर पुलिस थाना क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए शुक्रवार को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की थी।

कोसी और गंडक नदी का जलस्तर बढ़ा

खतरे की आशंका को लेकर जल संसाधन विभाग अलर्ट

पटना। कोसी और गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि होने लगी है। नेपाल के तराई इलाकों में हो रही बारिश के बाद जल संसाधन विभाग ने गंडक और कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि को लेकर चेतावनी जारी की थी।

जानकारी के मुताबिक, कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि शुरू हो गई है। शनिवार सुबह 6 बजे के आंकड़ों के अनुसार, कोसी नदी का डिस्चार्ज वीरपुर के कोसी बराज के पास 3,36,010 क्यूसेक था, जो नौ बजे बढ़कर 4.49 लाख क्यूसेक हो गया। बताया जा रहा है कि बराज के सभी 56 फाटक खोल दिये गये हैं। वहीं वाल्मीकि नगर गंडक बराज से दिन के 11 बजे 4 लाख क्यूसेक से अधिक जलस्राव (जल प्रवाह) हुआ।

उल्लेखनीय है कि नेपाल में लगातार अत्यधिक एवं अप्रत्याशित बारिश हो रही है, जिसके चलते आगामी 48 घंटों के दौरान नेपाल से आने वाली गंडक, कोसी, महानंदा आदि नदियों में अप्रत्याशित जलस्राव प्रवाहित होने की संभावना है।

पूर्वानुमान के अनुसार, 27-28 सितंबर की मध्यरात्रि 12 बजे वाल्मीकि नगर स्थित गंडक बराज से 6.00 लाख क्यूसेक और 28 सितंबर को वीरपुर स्थित कोसी बराज से 6.81 लाख क्यूसेक जलस्राव प्रवाहित होने की संभावना है।

जल संसाधन विभाग ने सभी क्षेत्रीय अभियंताओं को तटबंधों, संरचनाओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से आगामी 48 घंटों तक संवेदनशील, अतिसंवेदनशील स्थलों पर कैंप करने का निर्देश दिया गया है। सभी स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में बाढ़ संघर्षात्मक सामग्रियों का स्टोरेज कराया गया है। साथ ही जरूरत के अनुसार संवेदनशील, अतिसंवेदनशील जगहों के बेहतर पर्यवेक्षण अतिरिक्त अभियंताओं की प्रतिनियुक्ति भी की गई है। विभाग के अंतर्गत सभी पदाधिकारियों का अवकाश अगले आदेश तक रद्द कर दिया गया है।

प्रो यूनुस ने वैश्विक समुदाय से नए बांग्लादेश के निर्माण में सहयोग मांगा

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने वैश्विक समुदाय से नए बांग्लादेश के निर्माण में सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा वह बांग्लादेश में स्वतंत्रता और लोकतंत्र सुनिश्चित करना चाहते हैं।

बांग्लादेश के अखबार द डेली मिरर के अनुसार, प्रो. यूनुस ने कल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस के संबोधन में बांग्लादेश के मौजूदा सूरत-ए-हाल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के आम लोगों, खासकर युवाओं की शक्ति ने देश को व्यवस्था में सुधार लाने और भेदभाव को समाप्त करने का अवसर प्रदान किया है।

उन्होंने कहा, इसलिए मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लोकतंत्र, कानून के शासन, समानता और समृद्धि के लिए बांग्लादेश के साथ जुड़ाव जारी रखने और उसे गहरा करने का आह्वान करता हूं, ताकि हम एक न्यायपूर्ण और समावेशी लोकतांत्रिक समाज के रूप में उभर सकें। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में 193 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों, सरकारों या उनके प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा, वह सामूहिक संकल्प (जिसके कारण शेख हसीना को हटाया गया) भविष्य के बांग्लादेश को परिभाषित करेगा और राष्ट्रों के समुदाय में एक उत्तरदायी और जिम्मेदार राज्य के रूप में स्थापित करेगा। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में हाल के आंदोलन के समय न्यायपूर्ण, समावेशी और कार्यशील लोकतंत्र का सपना देखा गया।

नेपाल भूस्खलन, बाढ़ में मरने वालों की संख्या 100 हुई, 67 लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार मानसून की बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ के कारण रविवार तक नेपाल में 100 लोगों की मौत हो गयी और 67 अन्य लापता हैं।

मीडिया रिपोर्टों से यह जानकारी मिली। मीडिया आउटलेट ह्हिमालयनह्न ने बताया कि देश भर में देर से मानसून के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन में अब तक 100 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 67 लापता बताए जा रहे हैं। इसके अलावा इस आपदा में 100 अन्य लोग घायल हुए हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार, ललितपुर में 20, धाडिंग में 15, काठमांडू में 12, काव्रे में 10, मकवानपुर में सात, सिंधुपालचोक में छह, सोलुखुम्बु में पांच, पंचथर में पांच और भक्तपुर में पांच लोगों की मौत हुई है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि दोलखा में तीन, सिंधुली में दो, धनकुटा में दो, महोत्तरी में दो और रामेछाप, झापा, उदयपुर, इलम, सप्तरी और नुवाकोट में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता दान बहादुर कार्की ने बताया कि शुक्रवार शाम से लगातार हो रही बारिश के कारण आई आपदाओं में 74 लोग घायल हुए हैं।

श्री कार्की ने बताया कि काठमांडू घाटी में 48 लोगों की मौत और 15 के घायल होने की पुष्टि हुई है और 21 लोग अभी भी लापता हैं।

प्रवक्ता ने कहा, ह्बचाव कार्य जारी है और हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है।ह्न

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी के अनुसार बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव के लिए कुल 9 हजार 983 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है और अब तक 3 हजार 39 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया गया है।

उन्होंने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण लगभग सभी प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, इसलिए, उन्हें सुचारू करने में कम से कम तीन से चार दिन लगेंगे।

जिला पुलिस के उप प्रवक्ता प्रह्लाद सिलवाल ने बताया कि शनिवार शाम को नेपाल की राजधानी काठमांडू को जोड़ने वाले त्रिभुवन राजमार्ग के साथ धाडिंग जिले के जियापल खोला में भूस्खलन में दबे दो वाहनों से 14 शव बरामद किए गए।

श्री सिलवाल ने बताया कि भूस्खलन में दबी एक और यात्री बस को निकाला जा रहा है। आपदा से निपटने के लिए नेपाल के शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सभी स्थानीय सरकारों से रविवार से तीन दिनों के लिए स्कूलों को बंद करने का आग्रह किया और विश्वविद्यालय स्तर पर सभी परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया।

लगातार बारिश के चलते पूरे देश के एयरपोर्ट बंद

नेपाल में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश से देशभर का जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। बारिश के चलते पूरे देशे के एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। काठमांडू से शुक्रवार रात से ही आंतरिक उड़ानों को रोक दिया गया है, जबकि इंटरनेशनल फ्लाइट्स को भारत के अलग-अलग एयरपोर्ट के लिए डाइवर्ट किया गया है।

नेपाल में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण सरकार ने काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से आंतरिक उड़ानों पर रोक लगा दी है। इस एयरपोर्ट पर एयर सुबह से एयर तीन अंतरराष्ट्रीय विमान की लैंडिंग हो सकी। बारिश के कारण यहां की विजिबिलिटी बहुत ही कम होने के कारण विमानों के उड़ान और अवतरण बाधित हो रही है।

नागरिक उड्डयन विभाग के महाप्रबंधक प्रदीप अधिकारी ने बताया कि काठमांडू सहित देशभर के सभी एयरपोर्ट को अगली सूचना तक के लिए बंद करने का आदेश दे दिया गया है। काठमांडू से आंतरिक उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को कई अंतरराष्ट्रीय विमानों को भारत के लखनऊ, कोलकाता और वाराणसी डाइवर्ट कर दिया गया था। शनिवार को भी सुबह से ही हो रही मूसलाधार बारिश के कारण अधिकांश एयरलाइंस को भारत डाइवर्ट किया गया है। बीच बीच में बारिश कम होने और विजिबिलिटी ठीक होने पर अपराह्न 1 बजे तक सिर्फ तीन इंटरनेशनल एयरलाइंस को ही लैंडिंग की अनुमति मिल पाई है। महाप्रबंधक अधिकारी के मुताबिक दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु से आने वाले विमानों को वहीं रोका गया है।

एमसीडी में हुए चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी आम आदमी पार्टी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिश ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में शुक्रवार को हुए चुनाव को पूरी तरीके से गैर-कानूनी बताया है। उन्होंने एमसीडी की स्थायी समिति के 18वें सदस्य के चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। सीएम ने शनिवार को कहा, हम इस चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

उन्होंने कहा कि एमसीडी में शुक्रवार को भाजपा ने जो चुनाव कराया, वह गैरकानूनी है। एमसीडी का संचालन संसद द्वारा पारित ह्यदिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957' के तहत किया जाता है। इस कानून में साफ कहा गया है कि स्थायी समिति के सदस्यों का चुनाव कॉरपोरेशन की बैठक में होगा। उन्होंने आगे कहा, कॉरपोरेशन की बैठक की तारीख, स्थान और समय केवल और केवल मेयर तय कर सकती हैं।

इन बैठकों की अध्यक्षता मेयर या उनकी अनुपस्थिति में डिप्टी मेयर ही कर सकते हैं।

आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा, 'भाजपा को संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। उपराज्यपाल और भाजपा के आदेश पर एमसीडी कमिश्नर बैठक बुलाते हैं, जबकि उनके पास ऐसा कोई अधिकार ही नहीं है। इसके अलावा वह चुने हुए मेयर या डिप्टी मेयर की जगह चुनाव में एक अधिकारी को पीठासीन अधिकारी बना देते हैं। यह लोकतंत्र और संविधान की हत्या है।'

आतिशी ने कहा है कि शुक्रवार को भाजपा ने एमसीडी में जो चुनाव कराया है, वह 'सरासर गैरकानूनी है। हम इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और आज ही याचिका दाखिल करेंगे'। बता दें कि इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी बीते दो दिन से लगातार भाजपा पर हमलावर है। पार्टी के नेता भाजपा पर असंवैधानिक तरीके से चुनाव कराने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि भाजपा ने उपराज्यपाल और पुलिस के साथ मिलकर जबरन यह चुनाव करवाया है जबकि दिल्ली की मेयर ने चुनाव 5 सितंबर को करने की बात की थी।

बंदूक दिखाकर लड़के से चटवाए जूते

मारपीट करने के बाद किया यौन शोषण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने जहांगीरपुरी में एक किशोर के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है आरोपियों की पहचान हरीश भाटिया (38), पंकज उर्फ माया (37), अभिषेक कुमार उर्फ अमन (25) और आर्यन कुमार उर्फ मन्नू (22) के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने मंगलवार (24 सितंबर) को उत्तर प्रदेश के वृंदावन से गिरफ्तार किया गया।

डीसीपी (क्राइम) सतीश कुमार ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित किशोर का यौन उत्पीड़न करने से पहले उसकी पिटाई की और उसे जूते चाटने पर मजबूर किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि पीड़ित गिरफ्तार आरोपियों में से एक के दुश्मन का रिश्तेदार है। डीसीपी (क्राइम) सतीश कुमार ने बताया कि आरोपियों ने इस विकृत तर्क के साथ पीड़ित किशोर का यौन शोषण किया और उसकी पिटाई की। आरोपियों का तर्क है कि इससे उनके दुश्मन अपमानित महसूस करेंगे और इलाके में उनका वर्चस्व बढ़ेगा। डीसीपी के मुताबिक, पीड़ित किशोर के साथ यह वारदात 4 सितंबर की रात को हुई थी, लेकिन पीड़ित ने 17 सितंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसकी वजह यह है कि वह मामले की रिपोर्ट करने के लिए आगे आने से डर रहा था। जहांगीरपुरी निवासी किशोर ने अपनी शिकायत में कहा कि 4 सितंबर की रात को वह घर लौट रहा था, तभी उसे चारों आरोपियों ने रोक लिया। चारों ने कथित तौर पर किशोर की पिटाई की, उसे पैरों से मारा और फिर बंदूक की नोक पर उसे अपने जूते चाटने के लिए मजबूर किया। इसके बाद चारों आरोपियों ने किशोर को अपमानित करने के लिए उसका यौन उत्पीड़न किया। इतना ही नहीं, उन्होंने इस कृत्य का वीडियो अपने फोन से शूट कर लिया और फिर पीड़ित और उसके रिश्तेदारों को नीचा दिखाने के लिए सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

स्मैक की लत से मजबूर 8 साल की बच्ची को किया किडनैप

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। साउथ डिस्ट्रिक्ट के फतेहपुर बेरी थाना पुलिस ने फिरौती के लिए किडनैप की गई 8 साल की बच्ची को बिहार में चलती ट्रेन से बरामद कर लिया है। पुलिस ने चलती ट्रेन में ट्रैक करके बिहार रेलवे पुलिस की मदद से अपहरणकर्ता को भी गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान समस्तीपुर, बिहार के रहने वाले रोहित के रूप में हुई है। जल्द रुपये कमाने के लिए उसने इस वारदात को अंजाम दिया था।

डीसीपी साउथ अंकित चौहान ने बताया कि 23 सितंबर को फतेहपुर बेरी के जोनापुर निवासी शख्स जो मूल रूप से गांव खैराबाद, उन्नाव के रहने वाले हैं, ने थाना फतेहपुर बेरी में शिकायत दी थी। बताया कि वह 8 साल की बेटी के साथ रहते हैं, पत्नी की मौत पहले ही हो चुकी है। शाम करीब 7 बजे जब वह काम से घर लौटे तो उनकी बेटी गायब मिली। उन्होंने इलाके में तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इंस्पेक्टर ऋषिकेश, एसआई नसीब सिंह, राज कुमार शर्मा की टीम ने बच्ची की डिटेल जिपनेट पर अपलोड कर टीम को पार्क, सुनसान इलाकों, गोदामों आदि में तलाशी शुरू की। पड़ोसी पुलिस स्टेशनों से भी पूछताछ की गई। टीम ने शिकायतकर्ता के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक किया और उसकी जांच में टीम पता लगाने में कामयाब रही। सीसीटीवी में लाल और काले रंग की चेक शर्ट से आरोपी की पहचान हुई।

धार्मिक आयोजन से जन मानस में आनंद की अनुभूति

नई दिल्ली, एजेंसी। श्री श्यामा श्याम मस्ताना मंडल, नन्हें पार्क,उत्तम नगर की संस्था द्वारा इक्कीस दिवसीय ग्यारहवां भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। शुक्रवार छह सितंबर को भव्य श्री राम शोभा एवम मंगल कलश यात्रा में क्षेत्र के नर नारियों ने हिस्सा लिया तथा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया और यह कार्यक्रम सात सितंबर से 16 सितंबर तक श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन हुंआ।

जिसमे वृंदावन के कथा वाचक अनुरागकृष्ण शास्त्री एवम आचार्य प्रमोद दास महाराज ने लोगों को विस्तार पूर्वक राम कथा सुनाया। 18 सितंबर से 24 सितंबर तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन हुआ।

25 सितंबर को हवन समाप्ति के बाद विशाल भंडारे का लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। 26 सितंबर को देश के जाने माने कलाकारों द्वारा भजनों का कार्यक्रम संपन्न हुआ। ये सभी कार्यक्रम बी 96, नन्हें पार्क, मटियाला बिंदापुर रोड, उत्तम नगर में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डा वेद प्रकाश टंडन, पूर्व निगम पार्षद रमेश मटियाला,महिला प्रधान कांता तोमर एवम प्रधान संतोष गुप्ता सहित कई गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में योगदान दिया।

एबीवीपी ने डीयू छात्रसंघ चुनाव के परिणाम शीघ्र घोषित करने की मांग

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव (डूसू) चुनाव का परिणाम दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा रोके जाने के संदर्भ में दिल्ली में आयोजित एक प्रेस वार्ता को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के परिणाम शीघ्र घोषित किए जाने चाहिए, छात्रों का प्रतिनिधित्व होना आवश्यक है। छात्रसंघ, शिक्षा क्षेत्र तथा युवाओं के मुद्दों को उठाने का सशक्त माध्यम रहे हैं।

शुक्ल ने आगे कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव संबंधी उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान जो विभिन्न अन्य हितधारक थे, उनको पक्ष रखने के लिए न्यायालय द्वारा बुलाया नहीं गया। छात्रसंघ चुनाव संबंधी विषय में विभिन्न पक्षों में वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप बदलाव होने चाहिए, दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे विशाल छात्रसंघ चुनाव में जहां लगभग डेढ़ लाख वोटर हैं, वहां पांच हजार रुपए में चुनाव लड़ने का नियम बिल्कुल तर्कसंगत नहीं है। साथ ही चुनाव के विभिन्न अन्य नियमों में भी वर्तमान समय की अपेक्षाओं के अनुसार बदलाव होने चाहिए। आम आदमी पार्टी का छात्र संगठन डीयू में दो बार छात्र संघ चुनाव लड़कर बुरी तरह हार चुका है, उसी खीझ में डीयू छात्रसंघ चुनाव को मुखौटा धर बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि छात्रसंघ चुनाव में जो सुधार का पक्ष है, उसके लिए पूर्व कुलपतियों, शिक्षाविद, छात्रसंघ के पदाधिकारियों, छात्र संगठनों के प्रतिनिधि व अन्य विशेषज्ञों सम्मिलित उच्च स्तरीय समिति गठित की जानी चाहिए, जिससे सभी हितधारकों के पक्ष सम्मिलित हो सकें। व्यवस्थाओं में सुधार बिना हितधारकों के पक्ष को सम्मिलित किए नहीं हो सकता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, दिल्ली इकाई के प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि एक ओर पूरे देश में जहां विभिन्न निकायों तथा समूहों के चुनाव हो रहे हैं, वहां अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों में छात्रसंघ चुनाव बंद करवाने के लिए विभिन्न कुतर्क रचे जा रहे हैं। छात्रसंघ चुनाव में जो आवश्यक परिवर्तन होने हैं, उस दिशा में प्रयास होने चाहिए, न कि समस्याएं दिखाकर छात्र संघ ही बंद कर दिया जाए। छात्रों को उनका प्रतिनिधि चुनने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है, उसे किसी भी तरह छीना नहीं जा सकता।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर प्रत्याशी ऋषभ चौधरी ने कहा कि एबीवीपी नीत पिछले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ ने 'एक दिन,एक डूसू अध्यक्ष' जैसे विभिन्न प्रयास किए, जिससे छात्रों के बीच छात्रसंघों को लेकर समझ बन सके।

सरकार निवेशकों को देगी सिंगल विंडो की सुविधा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाने और लालफीताशाही खत्म करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम (एसडब्ल्यूएस) की शुरूआत की है। दिल्ली के उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज के अनुसार, 12 विभागों की 59 सेवाओं को शामिल करते हुए सिंगल विंडो सिस्टम का उद्देश्य नियमों को और अधिक प्रभावी बनाना और प्रोजेक्ट को समय सीमा में तेजी से पूरा करना और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना है।

सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को कहा कि व्यापारिक नियम प्रक्रिया को सरल बनाना और ई-सेवा प्रदान करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी को लागू करना पिछले दशक में व्यापार सुधारों का मुख्य आधार रहा है। ऑनलाइन माध्यमों के जरिए देश में अधिक खुला और पारदर्शी व्यापारिक वातावरण बनाया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी नए व्यवसाय को शुरू करने के लिए एक निवेशक को कई सरकारी एजेंसियों से विभिन्न स्तरों पर कई लाइसेंस और मंजूरी प्राप्त करनी होती है। इन सेवाओं की जानकारी विभिन्न अधिनियमों, नियमों और विनियमों में बंटी हुई होती है और कई जगहों पर फैली होती है। सिंगल विंडो सिस्टम की शुरूआत के साथ नियमों में काफी सुधार हुआ है और अनुमोदन प्रक्रिया अधिक सुगम हुई है।

उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम वास्तव में एक ऐसा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जहां निवेशक राज्य के सभी संबंधित विभागों से सीधे संवाद कर सकते हैं। यह निवेशकों के लिए सिंगल इंटरफेस के रूप में काम करता है, जिसके जरिए वह राज्य द्वारा समय-समय पर निर्धारित सभी कानूनी मंजूरियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। सिंगल विंडो सिस्टम के कार्यान्वयन से व्यवसाय लगाने के लिए जरूरी सूचनाएं और लेनदेन संबंधी सेवाएं प्राप्त करने में निवेशकों को आसान हो जाता है।

उद्योग मंत्री ने बताया कि अब तक सिंगल विंडो सिस्टम प्लेटफॉर्म पर 12 संबंधित विभागों से 59 सेवाएं जोड़ी जा चुकी हैं। इसमें विशेष रूप से दिल्ली सरकार के 7 संबंधित विभागों से 37 सेवाएं शामिल की गई हैं, जिनमें श्रम विभाग, नगर निगम विभाग, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, माप एवं तौल, दिल्ली जल बोर्ड, (पावर डिस्कॉम्स) टाटा पावर, बीएसईएस, बीआरपीएल और उद्योग विभाग शामिल हैं। ये सभी सेवाएं विकास योजना के पहले चरण में सिंगल विंडो सिस्टम पर शामिल की गई हैं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विकास के दूसरे चरण में 5 संबंधित विभागों से 22 सेवाएं शामिल की गई हैं, जिनमें ड्रग और नियंत्रण विभाग, व्यापार एवं कर विभाग, उत्पाद शुल्क, मनोरंजन और लग्जरी टैक्स विभाग, डीएस आईआईडीसी और जीएसडीएल शामिल हैं।

सिंगल विंडो सिस्टम के फायदे

- निवेशकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर विभिन्न विभागों से कई मंजूरी और अनुमोदन के लिए आवेदन करने की सुविधा देना, ताकि उन्हें अलग-अलग विभागीय पोर्टलों पर व्यक्तिगत रूप से आवेदन करने की आवश्यकता न पड़े। इस प्रणाली के माध्यम से उपयोगकर्ता को विभिन्न विभागों के पोर्टलों पर फिर से पंजीकरण नहीं करना होगा।
- सभी ऑनबोर्ड किए गए विभाग सार्वजनिक सेवा गारंटी अधिनियम में निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुरोधित मंजूरी/सेवाएं प्रदान करने के लिए बाध्य हैं।
- यह सिस्टम निवेशकों अपने आवेदन को ऑनलाइन डैशबोर्ड के जरिए उसकी स्थिति को ट्रैक करने की सुविधा देता है।
- दिल्ली सरकार के एसडब्ल्यू के पास अपने उपयोगकताओं के लिए पैन-आधारित सत्यापन का फिचर भी है, जिससे सिस्टम में प्रामाणिक और वैध पैन आईडी वाले उपयोगकताओं की पहचान की जा सकेगी।

एक नजर

नशे की खोली थी फैक्ट्री 4.20 करोड़ का माल रिकवर

नई दिल्ली, एजेंसी। हिसार में नशीली दवा की फैक्ट्री खोल दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करने वाले गिरोह का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इसे 18 किग्रा ह्यअल्प्राजोलमह्ल पाउडर रिकवर किया है, जिसकी कीमत इंटरनैशनल मार्केट 4 करोड़ 20 लाख आंकी गई है। इसके अलावा एक करोड़ 17 लाख 60 हजार 350 रुपये कैश और एक स्कूटर भी बरामद किया है। पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक और इंडियन अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित डॉ. नवीन अग्रवाल समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (क्राइम) अमित गोयल ने बताया कि क्राइम ब्रांच के हेड कॉन्स्टेबल दीपक पारेवा को नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में ड्रग की सप्लाई का पता चला। एसीपी अनिल शर्मा और अरविंद कुमार की देखरेख में बनी इंस्पेक्टर प्रवीन राठी की टीम ने 23 मार्च 2024 को बृजपुरी से सभापुर निवासी राजेंद्र प्रसाद मिश्रा उर्फ आरपी को अरेस्ट किया था। इससे 18 किग्रा अल्प्राजोलम पाउडर और स्कूटर बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी राजेंद्र प्रसाद मिश्रा ने बताया कि वह ड्रग कार्टेल के लिए करियर का काम करता है और अल्प्राजोलम की सप्लाई करता है। इस पाउडर को वह बृजपुरी के राम आशीष मौर्य से लेकर आया था, जिसे करावल नगर के आनंद कुमार उर्फ सोनू को डिलिवर करना था। पुलिस ने रेड की तो मौर्य और सोनू फरार हो गए। पुलिस ने इनके घरों से एक करोड़ 17 लाख से ज्यादा कैश बरामद किया। पुलिस ने लंबे ऑपरेशन के बाद मौर्य, सोनू और दीपक कुमार को अरेस्ट कर लिया। आरोपी बागपत निवासी दीपक कुमार ने खुलासा किया कि ड्रग हरियाणा के हिसार स्थित बायोकेस फूड्स एंड एक्सट्रैक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में बनाई जाती है। इसके मालिक डॉ. नवीन अग्रवाल है, जिसे बाद में अरेस्ट कर लिया। फरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की जांच के दौरान फैक्ट्री में अल्प्राजोलम के कण मिले।

दिल्ली में बड़े देह व्यापार का भंडाफोड़ मौके से पांच सेक्सवर्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जगतपुरी थाना पुलिस ने न्यू गोविंदपुरा के एक फ्लैट में छापा मारा। पुलिस के छापे के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मौके से दो संचालकों व पांच सेक्सवर्कर को पकड़ा गया। संचालक अपने ग्राहकों को वाट्सऐप पर महिलाओं के फोटो भेजते थे, पसंद करने के बाद उन्हें बुलाते थे। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिलने पर एसएचओ जगतपुरी और एसआई अशोक नंबर सहित एक छापा मारने वाली पार्टी बनाई गई। जिसके बाद एचसी वीरेंद्र को एक नकली ग्राहक के रूप में भेजा गया और उसके संकेत पर, उपरोक्त पते पर छापा मारा गया। दो आरोपी व्यक्ति अर्थात श्रीमती कुलवंत कौर (60 वर्ष) पत्नी श्री देवेन्द्र दूसरी मंजिल, न्यू गोविंदपुरा, दिल्ली और हर्ष दुआ उर्फ लकी (उम्र 43 वर्ष) के साथ 5 महिलाएं वहां मिलीं। आरोपी हर्ष दुआ और कुलवंत कौर उक्त सेक्स रैकेट का संचालन कर रहे हैं। पीएस जगतपुरी में आईटीपी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

आखिरी बार मिठाई लेकर जाता दिखा 4 बेटियों को जहर देकर मारने वाला पिता

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में एक ही परिवार के पांच सदस्य अपने घर में मृत पाए गए। बताया जा रहा है कि आरोपी पिता ने पहले अपनी चारों बेटियों को जहर देकर मार डाला, फिर खुद भी सल्फास की गोली खाकर खुदकुशी कर ली। वहीं पुलिस ने एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया है, जिसमें आरोपी पिता मिठाई लेकर घर जाते दिख रहा है। यह घटना वसंत कुंज के रंगपुरी गांव में घटी है। मामला शुक्रवार को तब सामने प्रकाश में आया, जब पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया कि एक फ्लैट से दुर्गंध आ रही थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ा तो उसके पैर के नीचे की जमीन खिसक गई। घर के अंदर पांच लोगों की लाश पड़ी हुई थी और उसमें से दुर्गंध आ रही थी। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में एक शख्स को मिठाई का पैकेट लेकर घर के अंदर जाते हुए देखा जा रहा है। इसके बाद के सीसीटीवी फुटेज में वह बाहर निकलते नहीं देखा गया। बताया जा रहा है कि शख्स को आखिरी बार 24 सितंबर को देखा गया था। माना जा रहा है कि पहले उसने बेटियों को जहर देकर मारा, फिर खुद सुसाइड कर लिया। घटना सामने आने के बाद फॉरेंसिक टीम ने घटना का मुआयना किया और साक्ष्य इकट्ठा किए। शवों पर कोई चोट के निशान नहीं पाए गए, हालांकि घर के अंदर सल्फास के तीन पैकेट, पांच गिलास और एक चम्मच में संदिग्ध तरल पदार्थ मिला। अधिकारियों ने कहा कि शवों का पोस्टमार्टम और सभी पहलुओं से आगे की जांच जारी है।

रेलवे टेंडर दिलाने के नाम पर पति संग ठगे थे करोड़ों रुपये, शातिर महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। क्राइम ब्रांच की टीम ने रेलवे टेंडर और अपनी योजनाओं में निवेश करने का लालच देकर अपने पति के साथ करोड़ों रुपये की ठगी करने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला की पहचान उत्तम नगर की मीनाक्षी अग्रवाल के रूप में हुई है। आरोपित दंपती को द्वारका कोर्ट ने इस वर्ष 31 जनवरी को भगोड़ा घोषित किया था। आरोपित महिला को पुलिस टीम ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने 25 हजार का ईनाम घोषित किया हुआ था। हालांकि उसका पति अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी के मुताबिक, डाबरी निवासी विजय राज ने आरोपित अभिषेक अग्रवाल और उसकी पत्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कहा था कि आरोपितों की फर्मों जगदबा ट्रेडिंग कंपनी और मेसर्स शनि ट्रेडिंग कंपनी में 50 लाख रुपये से अधिक का निवेश किया था। आरोपितों ने उन्हें भारी लाभ का आश्वासन दिया था। इसके अलावा उत्तम नगर के राहुल गुप्ता को 2015 से 2018 की अवधि में रेलवे के एक टेंडर के लिए 3.18 करोड़ रुपये का निवेश करने का लालच दिया गया था और ठगी कर मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गए। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार किया और बाद में दोनों को कोर्ट से जमानत मिल गई। लेकिन आरोपित अदालती कार्यवाही में शामिल नहीं हुए और बाद में उन्हें भगोड़ा घोषित किया गया।

सार्वजनिक सूचना

सभी जनमानस को सूचित किया जाता है।

सृष्टि प्रकाश मीना कक्षा : ९ए के जन्म प्रमाण पत्र में पिता का नाम कमला प्रसाद था जो अब कमला प्रसाद मीना है। जन्म प्रमाण पत्र में गलती से सरनेम मीना नहीं था जो अब सरनेम मीना लगा दिया गया है। कमला प्रसाद व कमला प्रसाद मीना एक ही नाम है।

अतः भविष्य में कमला प्रसाद मीना के नाम से ही जाना जाए।

निवेदकः
कमला प्रसाद मीना
H. No. I-1029/23
Hari Nagar Ext.Jaitpur
Badarpur New Delhi.
Mob-8700487101

सीएम योगी ने कहा, शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही पाई जा सकती है अराजकता से मुक्ति

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेवालाल गुप्त गुरुकुल विद्यालय में नवनिर्मित सभागार, पांच कक्षों और प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने गुरुकुल के पुनरुद्धार के लिए गोरखपुर गुरुकुल सोसाइटी के पदाधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने एक करोड़ पांच लाख रुपये के सीएसआर फंड से यह निर्माण कार्य समय पर पूरा किया गया है।

गुरुकुलों में आध्यात्मिक वातावरण जरूरी...मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुकुलों में यज्ञ और हवन की पुरानी आर्य समाज की पद्धति का अनुसरण होना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब तक गुरुकुलों में यह परंपरा जीवित रही, तब तक वहां का वातावरण आध्यात्मिक और अनुशासनपूर्ण था, जिससे पठन-पाठन के बेहतरीन परिणाम सामने आते थे। योगी आदित्यनाथ ने जोर दिया कि आज के समय में शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही अराजकता से मुक्ति पाई जा सकती है।

स्किल डेवलपमेंट और उद्यमिता पर जोर...मुख्यमंत्री ने गुरुकुल विद्यालय को शिक्षा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी वंचित बच्चा शिक्षा से वंचित न रह पाए। हर बच्चा भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बने। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इन प्रयासों से भारत को विकसित भारत बनाने में मदद मिलेगी।

गुरुकुल विद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि...गोरखपुर गुरुकुल विद्यालय की स्थापना 1935 में हुई थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस गुरुकुल में आध्यात्मिक और राजनीतिक गतिविधियों के कारण ब्रिटिश सरकार ने इसे 5 साल तक बंद कर दिया था। इसके बाद यह विद्यालय फिर से सक्रिय हुआ। आज यह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रूप में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि समय के साथ संसाधनों की कमी के कारण विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या घटने लगी, लेकिन अब नए निर्माण और संसाधनों से इसे फिर से प्रतिष्ठित किया जा रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार हर बच्चे को उत्तम शिक्षा और हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पीएम मोदी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति छात्रों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। इसे आधुनिक जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है। वहीं स्वास्थ्य के दृष्टि से आयुष्मान कार्ड योजना के तहत 10 करोड़ लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे पहले सीएम योगी ने गुरुकुल विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में जाकर पठन-पाठन की गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से मुलाकात भी की और गुरुकुल प्रांगण में पौधरोपण किया। कार्यक्रम की शुरूआत में छात्राओं ने आकर्षक प्रस्तुति के साथ गणेश वंदना की। इस दौरान सांसद रवि किशन शुक्ल, मेयर मंगलेश श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, गुरुकुल सोसाइटी के अध्यक्ष प्रमोद कुमार, कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास, यूपी राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़: UP के इन शहरों में करते थे चोरी

मऊ। गोरखपुर, दोहरीघाट सहित अन्य जगहों से बाइक चोरी करने वाले छह शातिर चोरों को दोहरीघाट पुलिस ने सड़ासो मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से 10 बाइक बरामद की, इसमें छह बाइक के वाहन स्वामियों की पहचान हो गई। चोरों को पुलिस ने उस समय पकड़ा जब वह एक बाइक को बेचने की नीयत से ग्राहक खोजने निकले थे, चोरों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए बाइक के हर कलपुर्जे को खोलकर एक बोरी में भरकर उसे झाड़ियों के पीछे छिपाया था।

सीओ घोसी दिनेशदत्त मिश्रा ने बताया कि दोहरीघाट पुलिस को मुखबिर से बाइक चोरों के एक गिरोह के मूवमेंट की सूचना मिली थी। जिसके बाद एसओ दोहरीघाट प्रमोद कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम द्वारा सड़ासो मोड़ के पास घेराबंदी कर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान छह बाइक पर सवार कुछ लोग आते हुए दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी से रुकने का इशारा किया।

इस पर हड़बड़ा कर सभी बाइक सवार वाहन मोड़कर भागने के लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। जांच में सभी बाइक चोरी की निकली। कड़ाई से पुछताछ करने पर बदमाशों ने बताया कि तीन और बाइक नहर पुलिया के नीचे रखे हैं तथा एक बाइक जिसके सभी पार्ट खोलकर एक बड़ी बोरी व दो मुंह बधी बोरी में पुलिया के सामने सरपत में छिपाकर कर रखे हैं। चोरों ने बताया कि इन छह बाइकों के बिकने के बाद छुपाई गई गाड़ी को भी ग्राहक खोजकर बेच देते। बाइक बेचने पर जो पैसा मिला है आपस में बराबर बांट लेते हैं। इसी से खर्च चलता है। पूछताछ के दौरान पता चला कि ये बाइकें थाना दोहरीघाट, थाना घोसी, जनपद गोरखपुर के अलग-अलग स्थानों

यूपी पुलिस का एक्शन: गाजीपुर में सपा सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ FIR

गाजीपुर। सपा सांसद अफजाल अंसारी पर शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने 27 सितंबर को पत्रकार भवन में पत्रकारों से बातचीत में एक विवादित बयान दिया था। कहा कि गांजा को कानून का दर्जा देकर वैध कर दो, लेकिन कानून का इतना बड़ा माखौल क्यूं उड़ाते हो? लाखों करोंड़ो लोग खुलेआम गांजा पीते हैं। पूरी महफिल लगाकर गांजा पीते हैं। बड़े-बड़े धार्मिक आयोजनो में लोग गांजा पीते हैं।

उसे भगवान का प्रसाद और बूटी कहकर पीते हैं। भगवान का प्रसाद और बूटी है तो अवैध क्यों है भाई? यह दोहरी नीति क्यों? अगर वह भगवान का प्रसाद है और भगवान की बूटी है तो उसे कानून में मान्यता दो। कानून में अवैध और पीने के लिए छूट, भकाभक। हम कह रहे हैं लुका के क्यों पी रहें है? गाजीपुर जिले में भी वही हो रहा है। कौनव मठ में चला न हमरा सथवा हम दिखा देई। हम कह रहे हैं कि अगर भगवान शंकर की बूटी व प्रसाद है तो भांग को समाज में जिस तरह तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत किया जाता है। भांग का लाइसेंस मिलेगा। गांजा का तो लाइसेंस नहीं है। यह ऐसी अवैध चीज है। अभी कुंभ लगने जा रहा है एकाद मालगाड़ी भी अगर चली जाएगी गांजे की तो वह भी खत्म हो जाएगी। बहुत सारे साधु, संत, महात्मा समाज के लोग गांजा को बड़ा शौक से पीते हैं और कहते हैं कि पीने से भूख भी लगती है। स्वास्थ्य के लिए भी पीते हैं। सांसद के इस बयान के वायरल वीडियो के कारण साधु समाज द्वारा सोशल मीडिया पर अपनी रोष प्रकट किया जा रहा है।

छत के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत

महोबा महोबा जिले में थाना श्रीनगर के सिजहरी गांव में छत पर रखी तिल की फसल को सुखाने के लिए पलटते समय लोहे का पाइप ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन में छूने से मां-बेटे की करंट की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई। बचाने के प्रयास में बेटी भी गंभीर रूप से झुलस गई। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिजहरी गांव निवासी ध्रुव यादव परिवार समेत खेती-किसानी करता था। तीन दिन पहले आठ बीघा भूमि में बोई गई तिल की फसल कटने के बाद उसे मकान की छत पर सुखाने के लिए रखा था।

बारिश होने के चलते फसल भीग गई थी। रविवार की दोपहर धूप निकलने पर ध्रुव यादव (36), उसकी मां रामबाई (58) और बहन ऊषा (26) छत पर रखी तिल की फसल को पलट रहीं थीं। ध्रुव लोहे के पाइप से फसल पलटा रहा था। तभी छत के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन में लोहे का पाइप छू गया। इससे वह करंट की चपेट में आ गया। बचाने दौड़ी मां और बहन भी पाइप में चिपक गईं। हादसे में मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ऊषा की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। मृतक ध्रुव के पिता धर्मजीत का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारियों से कई बार छत के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन हटवाने के लिए कहा गया लेकिन किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। जिससे हादसा हुआ। उधर, थानाध्यक्ष श्रीनगर शिवपाल सिंह कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है। शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। एक साथ मां-बेटे की मौत से ग्रामीणों में बिजली विभाग के अधिकारियों के प्रति आक्रोश दिखा।

खेत गए किसान को सांड ने हमला करके पटक-पटककर मार डाला, घर में मची चीख पुकार

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में वृद्ध किसान शनिवार की रात खेत पर शौच के लिए गया थे। वहां सांड ने हमला बोल दिया। वृद्ध को पटक-पटककर अधमरा कर दिया। मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में वृद्ध ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। मृतक के परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना बिछवां थाना क्षेत्र के गांव बुर्रा की है। गांव निवासी किसान खुशीराम (75) शनिवार की रात को घर से कुछ दूर ही खेत में शौच के लिए गए थे। खेत को जाने वाली पगडंडी पर उन्होने एक खेत में कुछ हलचल देखी। वृद्ध जब तक कुछ समय पाते, अचानक पीछे से आए सांड ने उन पर हमला बोल दिया। सांड के हमले से वृद्ध जमीन पर गिर गए और जान बचाने के लिए भाग भी नहीं सके। सांड ने वृद्ध खुशीराम को सींग से उठाकर पटका। उनके शरीर में सींग गड़ा दिए। चीख पुकार सुनकर आसपास खेत में मौजूद कुछ ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे।

वृद्ध को घायल अवस्था में देख तुरंत ही लाठी डंडा फावड़ा लेकर बचाने के लिए दौडे.। ग्रामीणों ने वृद्ध पर हमला करने वाले सांड को खदेड़ने के बाद घायल खुशीराम के परिजन को जानकारी दी। आनन फानन परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां चिकित्सक ने गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

परिजन एंबुलेंस से वृद्ध किसान को ले जा रहे थे। तभी रास्ते में ही खुशीराम ने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर गांव आ गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस गांव पहुंची। मृतक के परिजन से जानकारी ली। वृद्ध किसान के शव का रविवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। हादसे में वृद्ध की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में चीख

पिता ने बेटे को किया सम्पति और घर से बेदखल

विमल कुमार

उत्तर प्रदेश: बेदखली सूचना में जयकिशन पुत्र स्वर्गीय सहादीन निवासी मुरीदपुर माती किशुनपुर अकबरपुर जिला कानपुर देहात हल्फिया बयान करता हूं कि, मेरा पुत्र प्रदीप कुमार वा पुत्रवधू मधु पत्नी प्रदीप कुमार मेरे कहने सुनने से बाहर है और अपनी मनमानी करते है आए दिन गाली गलौज वा प्रदीप कुमार की पत्नी मधु फसाने की धमकी देती हैं की तुम लोगो को बलात्कार वा दहेज प्रथा, मारपीट के मुकदमे में फसा देंगे और अपने 5 माह के बेटे को रोड में फेक कर अपने मायके चली गए जिस बच्चे का पालन पोषण

बच्चे के दादी मां और बाबा कर रहे हैं अतः मैं अपने पुत्र प्रदीप कुमार वा उसकी पत्नी मधु को अपनी चल और अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं मेरा इन दोनों से कोई रिश्ता नहीं है भविष्य मे इनसे कोई लेन देन करेगा तो उसका वह स्वाम जिम्मेदार होगा।

घर में घुसकर युवक ने महिला से किया दुष्कर्म, परिजनों ने आरोपी को पकड़ कमरे में बंद कर बुलाई पुलिस

हमीरपुर हमीरपुर जिले में जलालपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में युवक ने घर में घुस एक महिला से दुष्कर्म किया। तभी लघुशंका के लिए जागे पति ने युवक को आपत्तिजनक हालत में देखकर परिजनों संग मिलकर पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित महिला ने थाने में दी तहरीर में बताया कि शनिवार रात वह अपने बच्चों के साथ घर के आंगन में टिनशेड में लेटी थी। तभी गांव का सूर्यांश छत के रास्ते घर में घुस आया और दुष्कर्म किया। इस बीच पति के

जागने पर उन्होंने शोर मचाया तो भागने लगा, लेकिन पति ने उसे कमरे में बंद कर दिया। पुलिस को बुलाकर उसे हवाले कर दिया। वहीं, आरोपी के पिता ने लेनदेन के विवाद में बेटे को फंसाने का आरोप लगाया। आरोपी बीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। जलालपुर इंस्पेक्टर ब्रजमोहन ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

सपा जिलाध्यक्ष ने परिजनों से की मुलाकात...जिला अस्पताल में डॉक्टरी परीक्षण को आई पीड़िता व उसके परिजनों से सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान व सपाइयों ने मुलाकात की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पीड़ित परिवार के साथ न्याय होना चाहिए। आरोपी का पारिवारिक भाई सत्ता पक्ष के पार्टी में पदाधिकारी है।

अमरोहा में हंगामा: प्रेमी के घर विवाहिता होने के शक में दो पक्षों में बवाल, लाठी-डंडे चले

रहरा /अमरोहा। रहरा थाना क्षेत्र के एक गांव में प्रेमी के घर विवाहिता(प्रेमिका) होने के संदेह ने बवाल का रूप ले लिया। मामला तब शुरू हुआ जब एक 24 वर्षीय विवाहिता चार दिन पहले अपने मायके से गायब हो गई। विवाहिता के परिजनों को संदेह हुआ कि वह पड़ोसी गांव के युवक के पास है। दोनों का चार साल पुराना प्रेम संबंध था। विवाहिता के परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। वह 30 से 40 लोगों और महिलाओं के साथ मिलकर प्रेमी के घर पहुंच गए। उन्होंने विवाहिता को वापस करने की मांग की। युवक के परिवार ने इनकार करते हुए बताया कि उनके घर में कोई विवाहिता नहीं है। इस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद विवाद ने बवाल का रूप ले लिया।

भाजपा सरकार सविधान आरक्षण विरोधी है : महबूब अली

बिजनौर। अगर 2027 में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हो तो हर तरह के डर को बाहर निकाल कर पीडीए को मजबूत बनाते हुए पीडीए की लड़ाई के लिये सड़क पर उतरना होगा तभी देश और प्रदेश से संविधान विरोधियों को भगाकर संविधान प्रेमियों की सरकार बन सकती । उक्त विचार अमरोहा विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री व सभापति लोकसेवा समिति अधिष्ठाता मंडल महबूब अली ने संविधान मान स्तम्भ स्थापित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहे।

रविवार को चांदपुर रोड स्थत एक बैंकट हाल में समाजवादी पार्टी का मानस्तभ सविधान स्थापित कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमे महबूब अली मुख्यअतिथि के रूप में पहुँचे।

इस दौरान उन्होंने सविधान मांनस्तभ अनावरण किया । इस मौके पर कार्यकर्त्ता ने उनका जोरदार स्वागत किया महबूब अली ने कार्यक्रम में कहा कि भाजपा सरकार सविधान आरक्षण विरोधी है पीडीए.समाजवादी पार्टी का रास्ता है संविधान सिद्धांत शब्द सपा में है प्रदेश में कानून नाम की कोई चीज नहीं है । उन्होंने कहा कि यहाँ जाति देखकर एंनकाउटर किए जा रहे है बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनाव में भाजपा का प्रदेश से सफाया तय है। जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने सभी कार्यकत्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज आप कि मेहनत से इतना बड़ा कार्यक्रम हुआ है में सभी का धन्यवाद करता कार्यकर्त्ता हीं पार्टी रीढ़ है । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने तथा संचालन वरिष्ठ सपा नेता डॉ रहमान अहसास व अखलाक पप्पू ने सयुक्त रूप से किया।

एक नजर

पूर्व सैनिक सीताराम सिंह राणा के अंतिम यात्रा पर उमड़ी भीड़

बिजनौर। सरल एवम मृदु स्वभाव के धनी, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवम क्षेत्रीय संयोजक (पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ), सामाजिक कार्यकर्ता शहर के प्रतिष्ठित वेंक्वेंट हाल काकरान वाटिका के स्वामी और जिले के 79 वर्षीय वरिष्ठ पूर्व सैनिक श्री सीताराम सिंह राणा जी का कल दिनांक 28 सितंबर 2024 की शाम आकस्मिक निधन होने से नगर में शहर में शोक की लहर दौड़ गई । ज्ञात हो कि श्री सीताराम सिंह राणा सेना की सिग्नल कोर्प्स में अपनी सितंबर 1964 से अगस्त 1971 तक छः वर्ष सेवा भी दे चुके हैं । जिल के पूर्व सैनिकों के लिए ये एक अपूरणीय क्षति है। आज उनके अंतिम यात्रा पर शहर और आस पास के लोगों की सैकड़ों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी । श्री सीताराम सिंह राणा जिले के पूर्व सैनिकों के संगठन एक्स सर्विसमेन वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक भी रहे । जिले के पूर्व सैनिकों के लिए यह यह दुखद समाचार मिलने पर जिले भर से सैकड़ों पूर्व सैनिक आ पहुंचे। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक (नगर) श्री संग्राम सिंह एवम अन्य पुलिस कर्मी भी उपस्थित रहे । जिलाध्यक्ष केशव सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन की तरफ से उनके पार्थिव शरीर पर एक चादर चढ़ाई गई । सैनिक सम्मान के लिए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भी उनके पार्थिव शरीर पर रखकर पुलिस उपाधीक्षक श्री संग्राम सिंह सहित उपस्थित सभी पूर्व सैनिकों ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सैनिक सैल्यूट से नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। उनका अंतिम संस्कार आज गंगा बैराज पर किया गया ।

गौ सेवा समिति के अध्यक्ष बने डा० प्रसून

किरतपुर। गुरु गोरखनाथ गौशाला सेवा समिति द्वारा आयोजित बैठक में गौशाला सेवा समिति की नवगठित कमेटी के लिये डा० प्रसून भारती को अध्यक्ष व अशोक आर्य को सर्वसम्मति से सचिव बनाया गया। नवगठित कमेटी ने समर्पण भाव से गौ सेवा का संकल्प लिया। शनिवार की शाम गुरु गोरखनाथ गौशाला सेवा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गौ सेवा समिति की कार्यकारिणी सर्व सम्मति से गठन किया गया।नवगठित कार्यकारिणी के लिए डाक्टर प्रसून शर्मा अध्यक्ष, अशोक आर्य सचिव, राजीव अग्रवाल उपाध्यक्ष एंव अनूप रस्तोगी कोषाध्यक्ष मनोनीत किए गए।अनुराग श्रीवास्तव, मनोज वर्मा, अंशुल राजपूत, प्रभात अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, संजय जैन, निश्चल जैन को सदस्य बनाया गया। नवगठित कार्यकारिणी ने समर्पण भाव से गौ सेवा का संकल्प लिया।

सर्वोदय कार्यकर्ता रामा शंकर चौबे सत्याग्रह के क्रम में उपवास पर बैठे

वाराणसी। न्याय के दीप जलाएं - 100 दिनी सत्याग्रह सर्व धर्म प्रार्थना के साथ सुबह 6 बजे अपने 19 वें दिन में प्रवेश कर गया। झारखंड के गढ़वा जिले के निवासी और सर्वोदय कार्यकर्ता रामा शंकर चौबे सत्याग्रह के क्रम में आज उपवास पर बैठे हैं। रामाशंकर की प्रारंभिक शिक्षा गांव में हुई। उन्होंने शिक्षा पूरी करने के बाद जनक विकास धारा आर्गेनाइजेशन की स्थापना किया और शिक्षा,स्वास्थ्य,नशाबंदी एवं पर्यावरण के विषयों पर चेतना जागरण का महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।2002 में लोक समिति से जुड़े और गांधी,विनोबा और जयप्रकाश नारायण के विचारों से प्रेरित हुए। सर्व सेवा संघ परिसर के ध्वस्तीकरण से मन को गहरा आघात लगा।इसी क्षोभ को आवाज देने के लिए वे आज उपवास पर बैठे हैं। आज के सत्याग्रह में उड़ीसा के जाने-माने समाजकमी और ग्रीन नोबेल पुरस्कार प्राप्त प्रफुल्ल सामंतरा शामिल हुए और एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सर्व सेवा संघ परिसर से राष्ट्र की एकता और सेवा का तालीम दिया जाता था। यहां पुस्तकालय और प्रकाशन का केंद्र था, इसे नष्ट किया गया, एक विचार को नष्ट करने का षड्यंत्र रचा गया। वह विचार है - सभी धर्म के लोग आपसी सामंजस्य और सद्भाव के साथ जीवन व्यतीत करें। जो धर्म को नहीं मानते हैं या फिर किसी भी धर्म के हो, सबके लिए यह राष्ट्र बराबर है, सभी को बराबरी का अवसर मिलेगा। यह प्रावधान हमारे संविधान के द्वारा सुनिश्चित किया गया है। आज की सरकार इस विचार को खत्म करना चाहती है और धार्मिक वर्चस्व कायम करना चाहती है। धर्मनिरपेक्षता और सर्वधर्म समभाव के मूल्य स्वतंत्रता आंदोलन से विकसित हुए हैं। हम इस विचार की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध हैं। यह सत्याग्रह किसी सिर्फ भवन की हिफाजत के लिए नहीं है बल्कि मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए है। यह सत्याग्रह जारी रहेगा। हम अपना परिसर भी वापस लेंगे और धार्मिक भेदभाव, हिंसा और नफरत को भी समाप्त करेंगे।

आज के सत्याग्रह में डा विश्वजीत,अरविंद कुशवाह,जागृति राही,अशोक भारत,सुख चंद्र झा,सुरेंद्र नारायण सिंह,वल्लभ पांडे,नमो नारायण, विद्याधर, नंदलाल मास्टर आदि शामिल हुए।

गोविंदपुरी भीमसेन रूट पर मिला अग्निशमन सिलेंडर, पुष्पक एक्सप्रेस के लोको पायलट ने देख कर रोकी ट्रेन

कानपुर। मुंबई से लखनऊ जा रही पुष्पक एक्सप्रेस के रूट पर रविवार तड़के फायर एक्सटिंग्विशर सिलेंडर मिला है। लोको पायलट ने रेलवे अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हो गई है। यह घटना गोविंदपुरीझभीमसेन रेलवे लाइन पर रविवार की सुबह करीब चार बजे हुई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और खुफिया सक्रिय हो गई है।

इससे पूर्व इसी रूट पर 16 अगस्त की रात को भीमसेन स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस बोल्डर से टकरा कर पटरी से उतर गई थी, जबकि आठ सितंबर को कानपुर कासगंज रूट पर कालिंदी एक्सप्रेस के आगे भरा हुआ एलपीजी सिलेंडर रखा गया था। यहां पर ट्रैक के किनारे पेट्रोल और बारूद भी मिला था। पिछले शनिवार को कानपुर फतेहपुर रेलवे लाइन पर प्रेमपुर स्टेशन की लूप लाइन पर 5 लीटर क्षमता का खाली एलपीजी सिलेंडर मिल चुका है। सभी में पुलिस, आरपीएफ और खुफिया एजेंसियां जांच कर रही है। मिशन शक्तिः बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सशक्त करेगी योगी सरकार, नवरात्रि में शुरू होगा अभियान लखनऊ महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार अक्तूबर 2024 से 'मिशन शक्ति' के पांचवें चरण की शुरूआत करने जा रही है। मई 2025 तक चलने वाले इस चरण में जागरूकता अभियान और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान 10 लाख बालिकाओं को आत्मरक्षा और जीवन कौशल का प्रशिक्षण मिलेगा। पीएम श्री योजना के तहत चयनित 167 विद्यालयों में करियर काउंसलिंग के सत्र भी चलेंगे। इतना ही नहीं, योगी सरकार के निर्देश पर होने वाले कार्यक्रमों और गतिविधियों के दौरान 36,772 बालिकाओं में सेनेटरी पैड वितरित कर उनके स्वास्थ्य और विद्यालय पहुंचकर नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण करने की राह आसान की जाएगी। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा, जीवन कौशल और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही, बालिका शिक्षा और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। मिशन शक्ति का यह चरण महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस पहल है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव

ग्रामीण क्षेत्र और राष्ट्र निर्माण के टिकाऊ विकास में एनईपी की भूमिका

मदन दयाराम रामटेके

महाराष्ट्रः भारत में शिक्षा को गुणवत्ता बनाने रखने के लिए समय के साथ शिक्षा नीति में भी अमुलाग्र बदलाव किया जा रहा है नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 यह समय की मांग और जरूरत के तहत देश की शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए लाई गई है।

शिक्षा केवल व्यक्ति के संपूर्ण विकास के लिए बहुत आवश्यक है इसीलिए भारत में 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को शिक्षा का यह अधिकार दिया गया है।एनईपी को प्राइमरी से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की स्कूली शिक्षा को शामिल किया गया है। नए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत वर्ष 2030 तक सकल नामांकन अनुपात (gross enrollment ratio) को 100% तक लाने का लक्ष्य रखा गया है । शिक्षा नीति का निर्माण

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 यह 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया। यह शिक्षा प्रणाली स्कूल को व्यापक रूप से बदलाव लाएगा यह विश्वास दशार्ता है। यह पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की जगह लेता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2023 इसमें मानव संसाधन एवं प्रबंधन मंत्रालय के द्वारा हाल ही में शिक्षा नीति में कुछ मुख्य बदलाव शामिल किए गए हैं। यह बदलाव इसरो के

विख्यात डॉक्टर कस्तूरी रंजन की अध्यक्षता में पटल पर रखे गए। इनकी अध्यक्षता में शिक्षा नीति का यह कार्यक्रम पूरे देश में लागू कर दिया है।

1) शिक्षा नीति की आवश्यकता क्यों शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और शोध कार्य को बढ़ावा देने हेतु और देश को ज्ञान का सुपर पावर बनाने के लिए नई शिक्षा नीति की आवश्यकता सुनिश्चित की गई है। इसके पहले देश में जो शिक्षा नीति चल रही थी वह 34 साल पहले 1986 में देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार के दौरान लागू की गई थी। समग्र विकास एनईपी छात्रों के बौद्धिक संज्ञानात्मक , रचनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने पर जोर देता है। पाठ्यक्रम की बहु- विषयक प्रकृति छात्रों को विभिन्न विषयों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। एक व्यापक आधारित शिक्षा प्रदान करेगी जो व्यक्ति के सभी पहलुओं को विकसित करने का प्रयास करेगी।

2) राष्ट्रीय शिक्षा नीति की मुख्य विशेषताएं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2023 में प्रमुख बदलाव किए गए वह इस प्रकार निम्नलिखित है

1) पाठ्येतर और पाठ्यचर्या विषयों और शैक्षणिक, व्यवसायिक या कलात्मक विषयों के बीच बहुत अंतर नहीं होगा।

2) मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान का महत्व बढ़ाया जाएगा। 3) छात्रों को राज्य की आधिकारिक भाषा में अध्ययन करने को कोई आवश्यकता नहीं होगी

4) छात्रों को दो बार कोई परीक्षा देने की अनुमति प्रदान की जाएगी

5) देश के सकल घरेलू उत्पादक के 1.7% के बजाय सरकार शिक्षा के लिए 6%आवंटित करेगी।

6) लिंग समावेशन कोष को पूर्ण रूप से स्थापना की जाएगी।

7) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करेगी की प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले।

8) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2023 के तहत पूर्वक के 10 +2 शिक्षा पैटर्न को 5 + 3 + 4 इस पैटर्न में बदल दिया जाएगा।

9) अंडर ग्रैजुएट कोर्स 4 साल तक चलेगा।

10) शिक्षक पद के लिए आवेदकों को चार साल का बी. एड. कोर्स पूरा करना होगा।

11) ल्त्रं२ में प्रवेश के लिए एक नया कॉमन एंट्रेंस टेस्ट लागू किया जाएगा।

12) मास्टर आफ फिलासफी के पाठ्यक्रम को अब शिक्षा नीति का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

13) शास्त्रीय भाषाओं एवं साहित्य से संबंधित पाठ्यक्रमों का सरकार द्वारा स्कूलों में संचालित किया जाएगा।

एनईपी शिक्षकों पर प्रभाव बच्चों को मार्गदर्शन सही दिशा में हो और स्कूलों में केवल योग्य शिक्षा की कार्य करें यह कार्यक्रम सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा शिक्षकों को भी इस शिक्षा नीति ने गाइडलाइंस जारी की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2023 के अनुसार एक स्कूल में शिक्षक पद के लिए आवेदक का 4 साल का बी. एड. का अभ्यासक्रम पूरा करना होगा तब जाकर उनकी नियुक्ति होगी।

राष्ट्र निर्माण के टिकाऊ विकास में एनईपी की भूमिक भारत को विश्व पटलपर ले जाने के लिए टिकाऊ विकास की जरूरत है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने में अहम प्रगति हुई है। लेकिन गरीबी, हिंसक घटनाओं और अन्य हालात के चलते कई देशों में अब अभी इस दिशा में चुनौतियां बनी हुई है । 2030 टिकाऊ विकास एजेंडे का चौथा लक्ष्य सर्व जन के लिए गुणवत्तापरक और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

टिकाऊ विकास के 2030 एजेंडे से जुड़े 17 लक्ष्यों में से किसी एक लक्ष्य पर हर महीने हम अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। विश्व के अनेक देशों ने सभी स्तरों पर शिक्षा की सुलभता बनाने और स्कूलों में भर्ती दरों में वृद्धि करने में बहुत प्रगति की है और बुनियादी साक्षरता कौशल में भी जबरदस्त सुधार हुआ है।

15-24 वर्ष की आयु के युवा वर्ग में दुनिया भर में 1990 और 2016 के बीच साक्षरता सुधरी है। प्राइमरी स्कूलों में शिक्षा पूरी करने वाले बच्चों की दर 83.6 फीसदी है हालांकि 2012 में वह 90.7 प्रतिशत थी।

कक्षा छठी की छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण

अरुण श्रीवास्तव

मध्य प्रदेशः गाडरवारा/ शासकीय पीएम श्री हाई स्कूल पिपरिया कला में 22 छात्र-छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिलों का वितरण किया गया। साइकिल वितरण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच रामपाल ठाकुर ग्राम पंचायत के सचिव संतोष विश्वकर्मा एवं पिपरिया कला निवासी वरिष्ठ पत्रकार अरुण श्रीवास्तव की उपस्थिति में किया गया।

इस मौके पर पीएम श्री हाई स्कूल पिपरिया कला की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती मीना अग्रवाल श्रीमती विजय नागा, शिक्षक द्वगपाल सिंह राजपूत, कमलेश कुमार तिवारी ,सुरेश श्रीवास, पुष्पा चौकसे?? , मुख्य रूप से उपस्थित रही साइकिल वितरण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच रामपाल ठाकुर ने कहा कि छात्र-छात्राओं को दूर से आने जाने मैं कोई परेशानी न हो इसलिए साइकिल प्रदान कि जाती है।

पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम जागरण का हुआ आयोजन

प्रदीप शर्मा

राजस्थानः कस्बे के नवीन बस स्टैंड पर शनिवार की रात्रि को श्री श्याम सेवा समिति राजगढ़ की ओर से पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम जागरण का आयोजन किया गया। श्री श्याम जागरण का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। संकीर्तन में फतियाबाद से नरेश नरसी ने मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे,सांवरिया बैठा है सहित एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। वहीं चण्डीगढ़ के भजन प्रवाहक मंयक अग्रवाल ने सांवरे की महफि ल को श्याम सजाता है,जब जब भी इसे पुकारा बाबा ने दिया सहारा,नीले चढ़कर आ जा,तु किरपा कर बाबा कीर्तन करूंगा,खाटू वाले श्याम तेरा सच्चा दरबार आदि भजन सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को नाचने पर

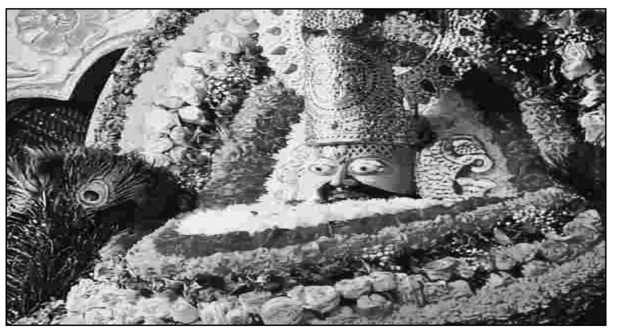

मजबूर कर दिया।वृंदावन से दीदी माधवी शर्मा ने राधा रानी के भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में भावविभोर कर दिया। वहीं इंदौर से विशि सौरभ शर्मा ने एक से बढ़कर एक सुंदर भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया।

भजनों पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने झूमकर अपनी हाजिरी लगवाई। सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया।इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु देर रात्रि तक उपस्थित रहे। इस मौके पर नगरपालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया,कोतवाल रामजीलाल मीणा भाजपा नेता निर्मल तिवारी, वीरेंद्र दाधीच,राजेश शर्मा ठेकेदार, लोकेश रावत डॉ रोहित गोयल श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष जगदीश सैनी गोपाल विजय सुरेश चौहान ऋतुराज मिश्रा दीनदयाल बंसल श्याम सिंह नरूका सामाजिक कार्यकर्ता नागपाल शर्मा महेश इंदौरिया रतन लाल सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

बाबा श्याम का सजा अलौकिक दरबार छप्पन भोग की लगाई झांकी

श्री श्याम सेवा समिति की ओर से आयोजित संकीर्तन में बाबा श्याम जी का अलौकिक दरबार सजाया गया। बाबा श्याम को आकर्षक फुलों की मालाओं से श्रृंगार किया गया। इस मौके पर छप्पन भोग की झांकी सजाई गई।

फुलों की वर्षा व लक्की ड्रा रहे आकर्षण का केंद्र श्री श्याम संकीर्तन में फुलों की वर्षा तथा लक्की ड्रा निकाले गए जो आकर्षक का केंद्र रहे। फुलों की वर्षा से माहौल भक्तिमय बन गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भजनों पर झूमकर अपनी हाजिरी लगाई। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्याम भक्त देर रात्रि तक भजनों का आनंद लेते रहे।

अलवर में युवा ब्राह्मण सभा परिवार ने दी CET अभियार्थियों को नि: शुल्क व्यवस्था'

प्रदीप शर्मा

राजस्थानः अलवर युवा ब्राह्मण सभा परिवार के अध्यक्ष आकाश मिश्रा ने मीडिया कर्मी प्रदीप शर्मा को वाट्सएप द्वारा बताया कि परीक्षा के पहले दिन अधिकतम परीक्षार्थी धौलपुर से आए जबकि दिन बयाना,भरतपुर जिले के परीक्षार्थी आए एवं निशुल्क सुविधा का लाभ उठाया उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों की सुविधानुसार अलवर शहर सहित मालाखेड़ा एवं किशनगढ़बास में अभ्यर्थियों को ठहरने एवं निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई।

पंडित राकेश शास्त्री एवं दीपक शास्त्री द्वारा परीक्षाथीयों को तिलक लगाया गया।

सभा के राहुल पटेल एवं विशाल शर्मा ने बताया प्रत्येक प्रतियोगिता परीक्षा की भांति विगत 08 वर्षो से अलवर जिले में आने वाले परीक्षार्थियों को निशुल्क सुविधा उपलब्ध करवा रहे है, दिनांक 27 और 28 सितंबर को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित सीईटी प्रतियोगिता परीक्षा में अलवर आए सर्व समाज के लोगों के लिए निशुल्क भोजन एवं आवास उपलब्धता के साथ सेंटर बताने एवं दिव्यागजनो को परीक्षा स्थल तक छोड़ने की व्यवस्था युवा कार्यकताओं द्वारा की गई।

इस अवसर पर अभियार्थियों एवं उनके परिजनों द्वारा निशुल्क व्यवस्था के लिए युवा ब्राह्मण सभा परिवार का आभार व्यक्त किया।

इस कार्य में सहयोग करने वालो में भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिओम कटारा, ब्राह्मण समाज के युवा अध्यक्ष आकाश मिश्रा, शिवचरण कमल, डॉ विनोद शर्मा, राहुल पटेल, रोहित व्यास,गिर्राज व्यास, राकेश शर्मा, प.प्रमेंदु मिश्रा, डॉक्टर नितिन भाल, मनीष शर्मा, विष्णु शर्मा, एडवोकेट आरडी शर्मा,पंकज शर्मा,रेवती दीक्षित, रामबाबू शर्मा,लखन जोशी,सचिन तिवाड़ी,विवेक दीक्षित,मुकेश शर्मा, विशाल शर्मा,दीपक शर्मा,नागराज शर्मा एवं आदित्य शर्मा आदि का सहयोग रहा।

पुलगाव आर के ज्ञान मंदिरम मे सरदार भगत सिंह की जयंती मनाई गयी

सचिन अशोकराव मून

महाराष्ट्रः आर के ज्ञान मंदिरम इंग्लिश मीडियम स्कूल, नाचणगांव, पुलगांव में शहीद ए आजम सरदार भगतसिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य श्री नितिन श्रीवास, पर्यवेक्षिका प्रीति बिडकर एवं पर्यवेक्षिका प्रणिता कोम्बे, सभी शिक्षक एवं कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत देश के युवाओं में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करनेवाले महान प्रबल क्रांतिकारी और सच्चे देशभक्त सरदार भगतसिंह की छवि का हारार्पण कर पूजन करके किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्राचार्य नितिन श्रीवास के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक विभाग, आयोजन समिति, सभी शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की।

पोरसा में श्री महावीर स्वामी जैन तीर्थ क्षेत्र सुकांड में निकाली गई शोभायात्रा

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः पोरसा में कुंवारी नदी के तट पर स्थित शांत रमणीय स्थल महावीर स्वामी दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र सुकांड में आज वार्षिक मेला महोत्सव एवं विधान का आयोजन किया गया। मेला में सुबह से शाम तक धार्मिक आयोजन चले श्रीजी की विशाल शोभायात्रा में देश भर से आए जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया फिरोजाबाद से पधारे दिनेश चंद जैन गयेलिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उसके उपरांत अंबिकापुर छत्तीसगढ़ से पधारे मानिकचंद जी जैन जमोरिया समस्त परिवार द्वारा विधान का आयोजन किया।

मंच उद्घघाटना ग्राम सुकांड के सरपंच मलखान सिंह गुर्जर एवं राकेश शुक्ला मंत्री मध्य प्रदेश शासन के पुत्र आलोक शुक्ला द्वारा किया गया चित्र अनावरण सुरेन्द्र जैन पप्पू नेताजी गोरमी एवं दीपप्रज्जवल दिल्ली से पधारे जैन समाज के गौरव विश्व जैन

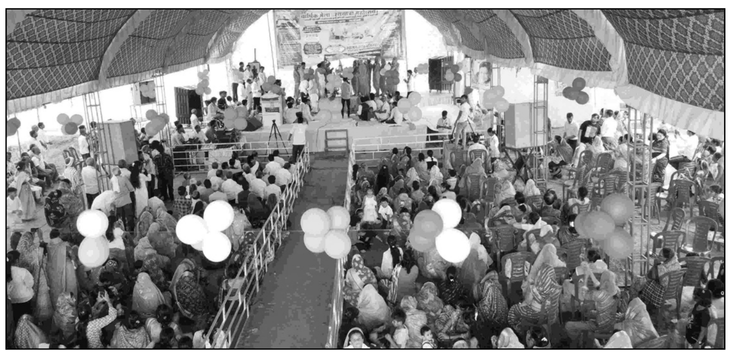

संगठन के अध्यक्ष संजय जैन एवं सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र जैन सोली फिरोजाबाद द्वारा किया गया प्रथम अभिषेक ग्वालियर से पधारे सुकुमाल जैन द्वारा एवं शांति धारा मानिकचंद, रमेश चंद्र, राजीव जैन द्वारा की गई। मेला में रंग मच पर क्षेत्रीय कलाकारों के साथ बाहर से आए कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी देश भर से बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालु मेला में पहुंचे दोपहर में सभी लोगों के लिए वात्सल भोज का आयोजन किया गया मेला में पधारे सभी अतिथियों का तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

1 किलोमीटर लंबी शोभा यात्रा निकाली

श्री जी को सुंदर रथ पर विराजमान करके जैन समाज के संत एवं श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर से शोभा यात्रा शुरू की यह यात्रा 1 किलोमीटर चलकर पांडु शिला तक पहुंची वहां पर शांति धारा एवं अभिषेक किया गया कार्यक्रम की समारोह गौरव ग्वालियर से पधारे सुनीता विनोद कुमार जैन गयेलिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश शुक्ला मंत्री मध्य प्रदेश शासन विशेष आमंत्रित अतिथि दिल्ली से पधारे विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन रहे विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के सचिव सत्येंद्र जैन सोली फिरोजाबाद एवं मलखान सिंह गुर्जर सरपंच ग्राम सुकांण्ड, राजकुमार जैन बड़े सुरेंद्र पप्पू नेताजी रहे।

कार्यक्रम में वत्सल भोज सहयोगी मानिकचंद जैन एवं सुल्पहार की व्यवस्था अशोक कुमार जैन पीपरी परिवार की तरफ से की गई प्रतिष्ठाचार्य पंडित संदीप शास्त्री सरल मेहगांव वालों ने सभी कार्यक्रम विधि विधान से संपन्न कराये। रथ सजावट एवं यातायात व्यवस्था के लिए प्रमोद जैन लालू व संजीव ठाकुर वीरेंद्र जैन गयेलिया का विशेष योगदान। मेला संयोजक सुरेंद्र जैन वीरेंद्र जैन विजय जैन बल्लू गोरमी रहे

आए हुए अतिथियों का तीर्थ क्षेत्री कमेटी ने सभी अतिथियों को सोल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने आए हुए अतिथि एवं सभी श्रद्धालुओं का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। मेला व्यवस्था मै पोरसा के राकेश जैन, संजीव जैन, धर्मेंद्र जैन रट्टी, राजीव जैन मोनू जैन, मुन्नालाल जैन तेजपुरा, जितेंद्र जैन रिंकू, प्रदीप जैन (टीटू) ठाकुर, दिलीप जैन ठाकुर, जयकुमार जैन जलजारीपुरा, विजय जैन सोनागिर, महावीर नेताजी, प्रदीप जैन शिक्षक राजीव जैन शिक्षक आदि एवं सभी युवा मंडल बालिका मंडल का विशेष सहयोग रहा।

एक नजर

नालंदा में अंतरराष्ट्रीय जनता दल यूनाइटेड की संगठनात्मक बैठक हुई

शोभित वसल/अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थल राजगीर स्थित कन्वेंशन सेंटर में नालंदा जिला जनता दल यूनाइटेड की एक दिवस के संगठनात्मक बैठक हुई। जिसमें नालंदा जिला के सभी सांसद विधायक एमएलसी जेडीयू कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने एवं आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं को मूल मंत्र दिया गया।

आगामी 2025 विधानसभा चुनाव से पहले ही जदयू ने बिहार में 225 सीट जीतने का दावा किया। वही इस संगठनात्मक बैठक के दौरान प्रशांत किशोर के बढ़ते कुनबे का डर बैठक के दौरान जदयू नेताओं के ऊपर भी दिखा। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जदयू कार्यकताओं को प्रशांत किशोर की पार्टी से सचेत रहने की नसीहत भी दी। बैठक के दौरान प्रशांत किशोर का मुद्दा भी हावी रहा।

जेडीयू सांसद कौशलेंद्र कुमार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रशांत किशोर का सच में ही शराबबंदी कानून खराब है। प्रशांत किशोर का थ्री एस के बारे में जो सच है वह गलत थ्री एस का जमाना अब खत्म हो गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नीतीश कुमार फिर से 2025 में बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे

स्कूल के छात्र-छात्राओं को गुड टच-बेड टच के बारे थाना प्रभारी ने किया जागरूक

अरबिन्द्र गुप्ता/मध्य प्रदेशः इंदरगढ़ पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया वीरेन्द्र कुमार मिश्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे व एसडीओपी सेवड़ा अखिलेश पुरी गोस्वामी के नेतृत्व में आज दिनाक 28/09/24 को थाना लांच क्षेत्र के हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल की छात्राओं को थाना प्रभारी लांच श्वेता सिकरवार द्वारा गुड टच और बेड टच के संबंध एवं स्कूल के छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम व ठगी के बारे में जानकारी दी एवं बताया कि अगर आपके साथ ऐसी कोई घटना घटती है तो अपने परिजन एवं पुलिस को तत्काल सूचना दें। विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड के बारे में भी समझाया,अपनी कोई भी गोपनीय सूचना मोबाइल पर किसी को नही बताए,अगर आपके साथ कोई भी सायवर फ्रॉड होता है तो तत्काल 1930 पर कॉल करे और पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम के दौरान शासकीय हाई स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधो में किया सफाई का कार्य

प्रदीप शर्मा/राजस्थानः राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में दिनांक 29 सितंबर को भारतीय जनता पार्टी मंडल बिचगाँवा के मंडल अध्यक्ष राम सिंह दिनकर के सानिध्य में शक्ति केंद्र खोहरा-टोडा नगर बूथ संख्या183 ,184 ,185 खोहरा में निजी प्रतिष्ठान पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 114वां एपिसोड सुना गया। जिसमें कार्यक्रम के सहसंयोजक हेमंत यादव मंडल महामंत्री जल सिंह जाट मंडल मंत्री बजरंग सिंह शक्ति केंद्र संयोजक विजेंद्र पाराशर बूथ अध्यक्ष हंसराज सैन धर्मेंद्र शर्मा,मुरारी लाल कुमावत नरेंद्र शर्मा नागराज शर्मा सहित अन्य कार्यकताओं ने मन की बात सुनने के बाद घर-घर जाकर भाजपा महा सदस्यता अभियान मे अपनी-अपनी सहभागिता निभाते हुए भाजपा समर्पित बूथ पर 100 से पार सदस्य बनाने का संकल्प लिया। तथा स्वच्छता पखवाड़े के तहत अपने अपने बूथो पर व मंदिरों में साफ सफाई का कार्य करने का संकल्प लिया गया।

भारत विकास परिषद ने आयोजित किया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

प्रदीप शर्मा/राजस्थानः अलवर जिले के राजगढ़ कस्बे में रविवार को भारत विकास परिषद की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कस्बे की खण्डेलवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। भारत विकास परिषद की सचिव रश्मि विजय एवं संयोजक जितेंद्र जैन ने बताया कि भारत विकास परिषद द्वारा प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। और बताया कि सेठ माखनलाल महावर अलवर की टीम ने ब्लड बैंक में जरूरत मंद लोगों के लिए 70 यूनिट रक्त एकत्रित किया। रक्तदान शिविर में रिपोर्टर राजकुमार गुप्ता ने भी रक्तदान कर आमजन को अधिक से अधिक रक्तदान करने की बात कही।

रक्तदान शिविर में लगभग 70 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदाताओं में भारी उत्साह देखा गया।रक्तदान शिविर में लगभग 20 से अधिक लोगों ने पहली बार रक्तदान किया। पहली बार रक्तदान करने आये श्याम प्रेमी मोहित सोनी ने कहा कि पहली बार रक्तदान करके अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील की। इस मौके पर भारत विकास परिषद के रामरतन तांबी दिनेश सेन विरेन्द्र दाधीच वार्ड पार्षद प्रीती शर्मा नागराज शर्मा लोकेश रावत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ख्वाजा मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने दुआ का प्रोग्राम किया

नवाज खान

राजस्थानः 350 से अधिक मुस्लिम कॉम के की तलीबे इल्म प्रतिभाएं हुई सम्मानित।

कल दिनांक 29 सितंबर अजमेर मुस्लिम एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी हर साल की तरह इस साल भी अजमेर ब्यावर केकड़ी 3 जिलों के विद्यार्थियों को जिन्होंने 10th,12th में 80% या उससे अधिक ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन में 70% या उससे अधिक कोई भी डिप्लोमा जिसमें 70% अंक प्राप्त किए हो खेलकूद में जिन्होंने जिला स्तर पर विजेता और उपविजेता रहे हो या राज्य राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया हो। यह अन्य कोई विशिष्ट उपलब्धि हासिल की हो ऐसे होनहार बच्चों की हौसला अफजाई की गई जलसा जवाहर रंगमंच अजमेर मैं सोसायटी की तरफ से मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

जलसे का आगाज मेहमानों ने इल्म की शमा जलाकर किया इसके बाद ख्वाजा मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने दुआ का प्रोग्राम किया,और मौलाना मोइनुद्दीन रिजवी ने तिलावते कुरान की।

मेहमानने खुसुसी के रूप में राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर खानु खान बुदवाली, मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष एम डी चोपेदार रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने की, मेहमान ए एजाजी के रूप मे मोहतरमा नसीम अख्तर इंसाफ पूर्ण शिक्षा राज्य मंत्री राजस्थान सरकार,महमूद खान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अजमेर, हाजी गौस मोहम्मद विकास ट्रांसपोर्ट समाजसेवी चांद मोहम्मद शेख वरिष्ठ पत्रकार जयपुर, डॉ इमरान खान शिक्षा विभाग से शहाबुद्दीन चिता आदि ने विद्यार्थियों को स्मृति चीन, प्रमाण पत्र और गोल्ड मेडल देकर हौसला अफजाई की।

जलसे में अपने संबोधन में वक़्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉक्टर खानु खान बुधवाली ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी एकाग्रचित होकर जो संसाधन उनके पास उपलब्ध हो उसे अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास करें। राजस्थान में जो वक़्फ़ बोर्ड द्वारा लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर का अलग-अलग स्थान पर विकास हुआ उसकी उन्होंने जानकारी दी।

राजस्थान मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष महबूब दीवान चोपदार ने अपने संबोधन में कहा कि जो विद्यार्थी अच्छे मार्क्स लाकर सम्मानित हुए उन सबको उनकी तरफ से शुभकामनाएं और अपने मदरसा बोर्ड और व्यक्तिगत स्तर पर जो भी वह प्रतिभाशाली विद्यार्थी हैं,उनकी मदद करेंगे।

पूर्व शिक्षा और राज्य मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग कड़ी मेहनत और क्वालिटी एजुकेशन का है। छात्राएं बहुत अच्छा काम कर रही हैं उनको आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेहमूद खान ने अपने जोशीले भाषण में विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की एकाग्रचित होकर सिर्फ एक दिशा में लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ने को कहा जब तक अपना लक्ष्य प्राप्त न हो जाये , उसके लिए मेहनत करते रहे। अपने विद्यार्थी जीवन के उन्होंने कई संस्मरण बताएं। राजस्थान पत्रिका के सीनियर एडिटर और अटढ के राजस्थान हेड चांद मोहम्मद ने अटढ संगठन की कार्यशैली के बारे में बताया और विद्यार्थी इसे किस प्रकार लाभान्वित हो सकते हैं उसके बारे में जानकारी दें। जलसे के आखिर मै राष्ट्र गान कर समापन किया।

एक नजर

बसपा से विधायक प्रत्याशी और रवि गौतम अपनी टीम के साथ पहुंचे गाजियाबाद

फूलचंद मालवीय/उत्तर प्रदेशः बिहार जहां बड़े भाई नरेश पार्षद जी राजकुमार जी ललित बौद्ध जी विमल जी द्वारा मीटिंग बुलाई गई जिसमें समस्त सेन विहार निवासियों ने हमें अपना आशीर्वाद देकर बसपा को विजय दिलाने का संकल्प लिया है और यह टीम पहुंची जाटवाडा जहां भाई राहुल जी विजय जी दीपक जी मुकेश जी द्वारा मीटिंग बुलाई गई जिसमें सभी भाइयों ने हमारा साथ देते हुए बसपा को विजय बनाने का वादा किया है और अंतिम में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी से मुलाकात कर सदर विधानसभा को जीतने के लिए मुख्य भूमिका बनाई गई है।

आज बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि दलालों, विश्वासघाती लोगो ने इकट्ठा होकर मेरा विधानसभा-56 से विधायक का टिकट कटवा दिया। आज संघर्ष, त्याग, बलिदान के आगे पैसा जीत गया, बहुजन समाज पार्टी को हमेशा मैने अपना घर माना जिसमें मेरी तीन-तीन पीढ़ियों ने अपना खून पसीना बहायामेरे जैसे नौजवान को समाज ने काम करना का हमेशा मौका दिया पर आज पार्टी के कुछ दलालों ने समाज का मनोबल तोड़ने का काम किया। मेरी आप सब से प्राथना हैं कि जो मेरे साथ हुआ आगे भविष्य में किसी नौजवान के साथ ने हो, इस पर हमे जरूर विचार करना चाहिए। जब तक इस शरीर में जान खून का एक-एक कतरा समाज के नाम होगा।

निर्दलीय प्रत्याशी कैलाश दास महाराज सारी धाम झुंझुनूं को पार्षद पति ने किया सम्मानित

लीलाधर कन्हैयालाल वर्मा

राजस्थानः झुंझुनूं डॉ. आंबेडकर पार्क झुंझुनूं में राजबीर सिंह दहिया सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में संदीप पाटिल वार्ड नंबर 28 पार्षद पति के द्वारा कैलाश दास महाराज सारी धाम का स्वागत किया गया।

इस दौरान संदीप पाटिल ने कहा समाज मेरी ताकत है मैं जब निर्दलीय चुनाव जीत सकता हूं तो कैलाश दास महाराज सारी क्यूँ नहीं। समान्य सीट पर चुनाव लड़ने के लिये उनका पूरा साथ दिया जाएगा। कैलाश दास महाराज सारी ने मान सम्मान करने पर पाटिल को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर आशीष भूरिया बिबासर, सुभाष रेवाडीया, जयसिंह नारनौलीया लिखवा, सतपाल दहिया, मोहित कुमार उपस्थित रहे।

महाकाल मंदिर की दीवाल गिरने से मौत पर मृतक के परिवार को मिली सहायता राशि

संजय सिंह चौहान/मध्य प्रदेशः महाकाल मंदिर की दीवाल गिरने से मृतक हुई अनुसूचित जनजाति वर्ग की है मृतक को 4 लाख की सहायता वी गंभीर घायल को 50000 की सहायता राशि दिए जाने का घोषणा शासन प्रशासन द्वारा की गई। अनुसूचित जनजाति आयोग से भी सहायता राशि दिलाए जाने को लेकर चक्का जाम किया गया जिसे मौके पर आकर तहसीलदार जी थाना प्रभारी महाकाल ने आकर परिजन व समाज जनों को भी चर्चा कर संपूर्ण सहायता राशि दिलाए जाने का आश्वासन दिया। साथ ही तहसीलदार महोदय ने फरदीन पति आजाद घायल हुई 3 वर्ष से पुत्री जिसका बॉम्बे हॉस्पिटल इंदौर में इलाज चल रहा है उपचार के लिए शासन प्रशासन की ओर से घोषित राशि का तहसीलदार महोदय ने 50000 का चेक दिया।

सक्सेना इंटरनेशनल स्कूल की टीचर ने ली ट्रेन के सामने आकर अपनी जान

राजस्थान : गंगानगर के एम ब्लाक निवासी संजय सक्सेना केएल इंटरनेशनल स्कूल में म्यूजिक टीचर थे। शाम के वक़्त संजय घर से बाइक पर निकले थे। उन्होंने अपना मोबाइल घर पर छोड़ दिया था।

उन्होंने बाइक कैंट स्टेशन की पार्किंग में खड़ी कर दी। पार्किंग की रसीद पर्स में रखी। पर्स में ही एक कागज पर अपना पूरा पता परिवार का नाम और मोबाइल नंबर लिखकर रखा हुआ था।

नौ बजे म्यूजिक टीचर संजय सक्सेना ने योगा एक्सप्रेस ट्रेन के आगे खड़े होकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार जांच में आत्महत्या की वजह पारिवारिक मैटर सामने आ रहा हैं।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक बैठक आयोजित

मनोज कुमार छोडरिया/राजस्थानः नागौर 27 सितम्बर/जिला जल एवं स्वच्छता समिति की मासिक बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इसमें बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविन्द्र कुमार ने की। इस दौरान जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य सचिव एवं अधीक्षण अभियन्ता श्योजीराम ने जिले में जल जीवन मिशन के तहत प्रगतिरत कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की उन्होने जल जीवन मिशन के तहत वर्तमान में स्वीकृत व प्रगतिरत कार्यों तथा बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुमार ने विभागीय कार्यों पर चर्चा करते हुए जिले में जल कनेक्शन से वंचित सरकारी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायत भवनों व स्वास्थ्य केन्द्रों में जल सम्बन्ध कार्य पूर्ण करते हुए आवश्यक प्रगति लाने के लिए निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत गाँवों में जितने भी कार्य हुए है जो सड़कें टुट गयी है उन्हे शीघ्र ठीक करवाकर समाधान करावें तथा आगामी 2 अक्टूबर से विशेष ग्राम सभा में हर घर जल प्रमाणिकरण का कार्य शीघ्र करवाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में प्रोजेक्ट के अधीक्षण अभियन्ता पी. एस. तंवर ने प्रोजेक्ट में संचालित कार्यों की प्रगति प्रस्तुत की। बैठक में अधिशाषी अभियन्ता दशरथ राम, महेन्द्र चौधरी, जसंवत भाम्भू,डिस्काम के अर्जुन सिंह राठौड़, डॉ. राजेश पाराशर, सहायक अभियन्ता जयनारायण मेहरा, खीया राम, प्रोजेक्ट के महावीर प्रसाद, राधा कृष्ण, सी.एल. दहिया, जिला आई ई सी सलाहकार मो. शरीफ छींपा, डॉ. तेजवीर चौधरी व अन्य उपस्थित रहे।

भगवान चित्रगुप्त जी की शोभायात्रा के कार्यक्रम की चर्चा

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेशः अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रजिस्टर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक महासभा के जिला अध्यक्ष एवं नगर निगम के उपझसभापति डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव एडवोकेट के गुलजारी बाल धर्मशाला स्थित आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव एडवोकेट ने तथा संचालन महासचिव एडवोकेट शेखर भटनागर ने किया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई, मुख्य रूप से भगवान चित्रगुप्त जी की शोभायात्रा के कार्यक्रम की चर्चा की गई। सभी वक्ताओं ने भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा को भव्य बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए, सभी पदाधिकारी ने इस शोभायात्रा को भव्य बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आखिर भारतीय कायस्थ महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री गिरिराज स्वरूप भटनागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री निर्वेश भटनागर, उपाध्यक्ष श्री पुनीत सहाय, श्री विशाल भटनागर, कोषाध्यक्ष श्री दीपक शरण , संगठन मंत्री श्री आलोक सिंहा,सचिव श्री अभय भटनागर श्री होरीलाल भटनागर, युवा महानगर अध्यक्ष श्री राहुल सक्सेना, श्री अनिल सक्सेना श्री सुबोध नारायण श्रीवास्तव श्री राहुल श्रीवास्तव श्री मनु माथुर श्री साहिल सक्सेना श्री सारथी सक्सेना श्री संदीप सक्सेना श्री शुभम सक्सेना श्री आकाश भटनागर सहित अनेकों चित्रांश कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांध मेन कैनाल समिति और भारतीय किसानों की संयुक्त बैठक

अनुप कुमार

उत्तरप्रदेशः अहरौरा बांध डाक बंगला पर गुलाब सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसका संचालन वीरेन्द्र सिंह जिला महासचिव ने की, जिसमें सिंचाई के सम्बंध मे बैठक में यह तय हुआ, कि संबंधित नहरो को खोलने से पूर्व टूटी फूटी नहरो का मरम्मत व सफाई करा दी जाए। नहरो के संचालन के संदर्भ में तय हुआ कि अगर वर्षा नहीं होती है, तो 5 अक्टूबर 2024 से बांध को सिंचाई के लिए खोल दिया जाएगा, अगर वर्षा हो जाती है।

तो समय में परिवर्तन किया जा सकता है, ममनिया लिफ्ट कैनाल से जब तक टेल तक सिंचाई नहीं हो जाती तब तक चलाया जाए व पटिहटा माइनर पर ममनिया से एकली तक लाइनिंग का कार्य कराया जाये।

भाईपुर फिडर को पूर्ण क्षमता के साथ चलाया जाए लखनिया दरी अहरौरा मे ठेकेदारी के नाम पर

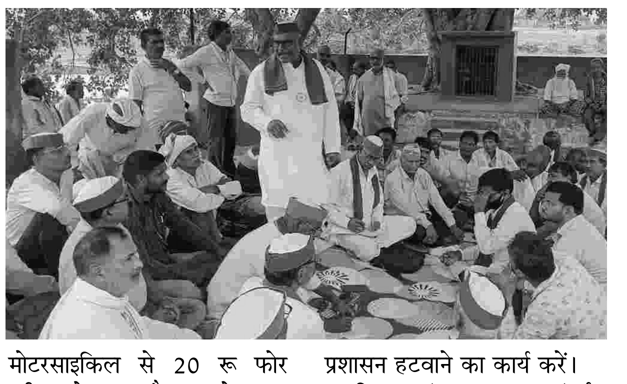

मोटरसाइकिल से 20 रू फोर व्हीलर से 50रूऔर बस से100रु वसूली सड़क पर बैरियर लगाकर की जा रही है ,जिसका भारतीय किसान यूनियन पुरजोर विरोध करती है। प्रशासन से मांग करती है, कि उसको तत्काल हटाया जाए।

वाराणसी शक्तिनगर मार्ग SH5 अपर वनस्थली महाविद्यालयके पास लगा टोल 20' के दायरे के किसानों के लिए सर दर्द बना हुआ है। जिस पर किसानों ने 77 दिन धरना चला चुके हैं उसको जिला प्रशासन हटवाने का कार्य करें।

विकासखंड जमालपुर अंतर्गत गुलौरी मौजा में सिंचाई के लिए डोरहा नाले में फाटक लगा दिया जाए जिससे गुलौरी मौजा की सिंचाई हो सके।

अहरौरा कृषि मंडी समिति मे धान क्रय केंद्र खोल दिया जाए।और 6 अक्टूबर को लखनऊ में होने वाले किसान मजदूर महापंचायत और किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की जन्म दिवस समारोह में अधिक से अधिक किसानों को चलने का आह्वान किया गया।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह, प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी ,जिला महासचिव वीरेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष शिव प्रसाद सिंह, अवधेश नारायण सिंह, रमेश सिंह अन्नदातामंच,जिला कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह, मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह, गोपाल दास गुप्ता, रतन लाल चौरसिया, रामसूरत सिंह, रामबृक्ष सिंह, संतोष कुमार सिंह, योगेश सिंह, परशुराम मौर्य, राजेश कुमार, सुरेंद्र सिंह , सुजींद्र मौर्य, चौहान बिंद , नन्दलाल भारती, रामवृक्ष मौर्य, किस्मत कुशवाहा, रामवृक्ष सिंह ,विश्वनाथ सिंह, गोरखनाथ पटेल ,अभय सिंह, ओम प्रकाश ,मनोज कुमार सिंह, लाल बहादुर, गुलाब यादव, राममूरत, दूधनाथ, व जेई ओपी राय, जेई अश्वनी, और सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

गुढ़ागौड़जी में पी डब्ल्यू डी चलाया गया पीला पंजा

मेहबूब चौहान

राजस्थानः गुढ़ा में स्टेट हाईवे पर झुंझुनू जयपुर स्टेट हाईवे पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा चलाया गया पीला पंजा। दुकानदारों के टिन शेड जो सड़क परिधि क्षेत्र में आ रहे थे।

उन सड़कों और सिढियो व सड़क से उचाई पर सिमेंट से दुकान तक बने ताबूको को टिन सैड को हटाया गया। अतिक्रमण पर बुलडोजर चालू पी डब्ल्यू डी की सड़क सीमा से हटाया जा रहा है। अतिक्रमण नायब तहसीलदार रामस्वरूप झाझड़िया को नियुक्त किया मौका मजिस्ट्रेट PWD एईएन अभिषेक बिजारनिया हैं। मौके पर मौजूद अधिकतर व्यापारी स्वयं ही हटा रहे है। एक दो स्थानों पर अतिक्रमण का विरोध हुआ है। पुलिस का अतिरिक्त जबर दस्त है। तैनात सड़क क्षेत्र में आऐ हरे पेड़ों को भी उखाड़ दिया गया, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी

गुढ़ा में स्टेट हाईवे पर झुंझुनू जयपुर स्टेट हाईवे पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा चलाया गया पीला पंजा। दुकानदारों के टिन शेड जो सड़क परिधि क्षेत्र में आ रहे थे।

उन सड़कों और सिढियो व सड़क से उचाई पर सिमेंट से दुकान तक बने ताबूको को टिन सैड को हटाया गया। अतिक्रमण पर बुलडोजर चालू पी डब्ल्यू डी की सड़क सीमा से हटाया जा रहा है। अतिक्रमण नायब तहसीलदार रामस्वरूप झाझड़िया को नियुक्त किया मौका मजिस्ट्रेट PWD एईएन अभिषेक बिजारनिया हैं। मौके पर मौजूद अधिकतर व्यापारी स्वयं ही हटा रहे है। एक दो स्थानों पर अतिक्रमण का विरोध हुआ है। पुलिस का अतिरिक्त जबर दस्त है। तैनात सड़क क्षेत्र में आऐ हरे पेड़ों को भी उखाड़ दिया गया,अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी।

मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील आयुक्त कार्यालय सभा कक्ष में मंडलीय उद्योग बंधु बैठक की गई सम्पन्न

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः उद्यमियों और बैंक प्रतिनिधियों के साथ नियमित करें संवाद - मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील आयुक्त कार्यालय सभा कक्ष में मंडलीय उद्योग बंधु बैठक की गई सम्पन्न

गोण्डा। शनिवार को आयुक्त कार्यालय सभा कक्ष में देवीपाटन मंडल के मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील जी ने गोण्डा में मंडलीय उद्योग बंधु बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उद्यमियों और बैंक प्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद करें और विभागीय योजनाओं की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि यह बैठकें/संवाद जिले में उद्योगों और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगी । कमिश्नर ने सविता भारती रंजन

संयुक्त आयुक्त उद्योग , उपायुक्त उद्योग गोण्डा बाबूराम यादव और अन्य जनपदों से आए हुए अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे उद्यमी प्रतिनिधियों के द्वारा उठाई गई समस्याओं का उनके द्वारा प्रभावी निस्तारण कराया जाए। मंडलायुक्त के द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना की समीक्षा की और निजी औद्योगिक पार्क PLEDGE के विकास की योजना से उद्यमी बुंधुओ को अवगत कराया निजी औद्योगिक पार्क विकसित करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने पर जोर प्रदान किया बैठक में भूपेंद्र प्रकाश आर्य, शिव कुमार सोनी, गोपाल मित्तल,दिलीप कुमार अग्रवाल, तथा अन्य जनपदों के उद्यमी उपस्थित रहे।

ननिहाल से लौटते हुए बाइक सवारों की हुई मौत

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जनपद मैनपुरी के थाना क्षेत्र के ग्राम भावत पुल के समीप तेज रफ्तार काहिर उस समय देखने को मिला जब अपनी ननिहाल से लौट रहे दो बाइक सवार को अज्ञात वाहन टक्कर मार दी जिससे एक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराया है वहीं परिजनों में कोहराम मचा हुआ है

आपको बता दे पूरा मामला भोगांव थाना क्षेत्र के ग्राम नगला हरी सिंह व जसवंतपुर से जुड़ा हुआ है।

दोनों मौसरे भाई लक्ष्मण और संजू अपने गांव से किशनी थाना क्षेत्र के ग्राम बलरामपुर अपनी ननिहाल गए हुए थे दोनों देर शाम अपनी बाइक से घर वापस आ रहे थे तभी भाबतपुल के समीप खड़े पीपल के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे लक्ष्मण की मौके पर ही मौत हो गई जबकि संजू गंभीर रूप से घायल हो गया देर शाम गस्त कर रही पुलिस मौके पर पहुंची जहां उन्होंने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई दोनों युवकों के शवो को पुलिस ने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा है वहीं घटना की जानकारी मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम बचा हुआ है।

जयपुर स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब इंटर स्कूल क्विज कंपटीशन का हुआ आयोजन

अब्दुल लतीफ

राजस्थानः जयपुर स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब में आज माइनॉरिटी एजुकेशन अवेयरनेस मीट 2024 की ओर से इंटर स्कूल क्विज कंपटीशन का आयोजन किया। गया जिसमें कई स्कूल के बच्चों ने पार्टिसिपेट की जिसके अंदर कई बड़ी-बड़ी हस्तियां तशरीफ लाई और बच्चों को बहुत ही अच्छे अंदाज में मोटिवेट किया।

जिसमें एडीसीपी मुस्तफा जैदी साहब रिटायर्ड एडीएम फतेह मोहम्मद साहब हज कमेटी के सी ओ महमूद खान साहब आकाशवाणी से रेशमा खान हरदेव जोशी यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉक्टर ताबीना अंजुम कुरेशी साहिबा और भी बहुत सारे बुद्धिजीवी हजरात तशरीफ लाए और बच्चों को अपने-अपने

तजुर्बात शेयर करें और बहुत अच्छे तरीके से काउंसलिंग के साथ कैरियर गाइडेंस भी दी मोटिवेट करते हुए जैदी साहब ने बच्चों से कहा की शिक्षा के क्षेत्र में अगर आपको मेरी कहीं भी जरूरत पड़े मैं आपके लिए हर वक्त तैयार हूं।

प्रोग्राम के आयोजक डॉक्टर इस्माइल और सारा इस्माइल ने बहुत ही शानदार और अच्छा प्रोग्राम किया ऐसे प्रोग्राम जयपुर शहर के अंदर पहली मर्तबा देखने को मिला और साथ ही साथ कई स्कूलों के जिम्मेदार हजरात भी तशरीफ लाए बच्चों ने बहुत ध्यान के साथ प्रोग्राम को सुना।

बहराइच है या जंगल, जहां दूध पिला रही मां से बच्चे को छीनता नजर आया भेड़िया

बहराइच। ये वो जिला है जहां भेड़िया, सियार, तेंदुआ, बाघ, लकड़बग्गा और न जाने कितने जानवर आए दिन देखे जा रहे हैं। इन जंगली जानवरों को देखकर कई बार लोग मजाक में कहते हैं कि ये बहराइच है जंगल। हद उस वक्त हो गई जब एक मां अपने बच्चे को दूध पिला रही थी। इसी बीच भेड़िया आया और मां से उसका बच्चा छीनने लगा। मां ने शोर मचाया तो भेड़ियां वहां से भाग निकला। बहराइच महसी इलाके में दो मासूम बच्चों पर भेड़िए ने हमला कर दिया। दोनों के गले पर भेड़िये ने रात को हमला कर दिया। भेड़िये ने जिस एक बच्चे पर हमला किया, वो अपनी नानी के घर आया हुआ था। बच्चे का नाम आरुष है, जो कि महज 6 महीने का है। वहीं दूसरी बच्ची का नाम ममता है। ममता पर भेड़िये ने उस वक्त हमला किया, जब उसकी मां उसे दूध पिला रही थी। मां ने शोर मचाया तो भेड़ियां वहां से भाग निकला। इसके बाद आनन-फानन में दोनों बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। अब दोनों बच्चों की हालत ठीक बताई जा रही है। बता दें कि भेड़ियों के हमले में अबतक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 50 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। करीब एक महीने से वन विभाग की टीम बहराइच में डेरा डाले हुए है। इसके अलावा बहराइच में ही 13 साल की बच्ची के गले पर तेंदुएं ने हमला कर दिया। उसकी हालत नाजुक है। उसे लखनऊ रेफर किया गया है। वहीं एक शख्स पर खेत में काम करने के दौरान तेंदुए के हमले में उसके दोनो हाथ जख्मी हो गए हैं। उसका भी उपाय मेडिकल कालेज में चल रहा है। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भेड़िये का हमला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच तेंदुए और बाघ के भी हमले की खबर सामने आई है। ऐसा लग रहा है कि बहराइच में मानो जंगलराज हो। जिले के महसी तहसील क्षेत्र के करीब 80 गांवों में ये भेड़िया आतंक का पर्याय बन चुका है और इस कदर आदमखोर हो गया है कि वन विभाग की पहरेदारी और गांव के लोगों की चौकीदारी के बीच घरों में घुसकर बच्चों पर हमला कर रहा है। वन विभाग ने भले ही पांच भेड़ियों को पकड़ लिया हो। लेकिन बचे हुए एक भेड़िये ने नाक में दम कर रखा है। गुरुवार की रात को भेड़िये ने एक बार फिर दो बच्चों पर हमला कर दिया।

गोवा में सस्ती और कर्नाटक में सबसे महंगी बिक रही शराब

नई दिल्ली। भारत में राज्यों में शराब के दाम अलग-अलग हैं। जिनमें काफी अंतर है। उदाहरण की बात करें तो गोवा में शराब सबसे सस्ती है क्योंकि यहां पर टैक्स काफी कम है। वहीं कर्नाटक और महाराष्ट्र में शराब की कीमतें इससे कहीं ज्यादा हैं। भारत में शराब पर वन नेशन वन टैक्स की नीति लागू नहीं है। यानी कि हर राज्य अपनी आवश्यकताओं और नीतियों के अनुसार शराब पर अलग-अलग टैक्स लगाता है। इस कारण, एक ही ब्रांड की शराब एक राज्य में सस्ती हो सकती है, जबकि दूसरे राज्य में वह महंगी बिक सकती है। कर्नाटक देश के सबसे महंगे राज्यों में से एक है। यहां एक शराब की बोतल की औसत कीमत 513 रुपए है, जिसमें 83 का टैक्स शामिल है। कर्नाटक सरकार ने शराब पर भारी टैक्स लगाया है, जिससे आम लोगों के लिए शराब खरीदना मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति न केवल स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि राज्य में पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों के लिए भी चुनौतीपूर्ण है। वहीं तेलंगाना में शराब की औसत कीमत 246 रुपए है और इस पर 68 का टैक्स लगता है। महाराष्ट्र भी शराब की महंगी कीमतों के लिए जाना जाता है, जिससे यहां शराब पीना महंगा हो जाता है। वहीं गोवा जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, में शराब की कीमतें सबसे सस्ती हैं। वहां शराब की बोतल की औसत कीमत केवल 100 है। गोवा की राज्य सरकार ने शराब पर टैक्स कम रखा है ताकि स्थानीय लोग और पर्यटक आसानी से शराब खरीद सकें। यह कदम गोवा के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, शराब की कीमतें विभिन्न राज्यों में उनकी टैक्स नीतियों, आर्थिक स्थिति और स्थानीय मांग पर निर्भर करती हैं।

स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव.... एसी बोगी का पूरा शीशा टूट

पटना। बिहार के समस्तीपुर में जयनगर से दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस (12561) पर एक शख्स के द्वारा पथराव करने का मामला आया है। इस दौरान एक एसी बोगी का पूरा शीशा टूट गया। वहीं, पैंट्री कार का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के बाद आरपीएफ की टीम जांच में जुट गई है। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय 08:55 में समस्तीपुर से जैसे खुली, प्लेटफार्म पर मौजूद एक शख्स ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इसके बाद ट्रेन रुक गई। घटना की जानकारी मिलने पर आरपीएफ की टीम ट्रेन में जांच करने के लिए मौके पर पहुंची। जांच के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। ट्रेन में हुए क्षतिग्रस्त शीशे को मुजफ्फरपुर में ठीक किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया, जांच में ये बात सामने आई हैं कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक पागल शख्स ने स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव किया था, जिसका सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पागल को स्टेशन से भगा दिया गया है। वैसे रेलवे एक-एक बिंदु पर जांच में जुटी है।

केरल में एमपॉक्स का एक और मामला सामने आया

तिरुवनंतपुरम। केरल में एमपॉक्स का एक और मामला सामने आया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि जिन लोगों में इसके लक्षण सामने आए हैं, उन्हें उपचार कराने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि स्थिति का आकलन करने के लिए शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि मरीज के संपर्क में आने वालों सूची तैयार करने समेत एहतियाती कदम उठाये गये हैं। मंत्री ने विदेश से राज्य में पहुंचे सभी लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी तरह के लक्षण दिखाई देने पर स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें और उपचार कराएं। मंत्री ने एक बयान में कहा, सभी जिलों में पृथकवास सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने 23 सितंबर को एमपॉक्स की रोकथाम और उपचार के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी करने की योजना की घोषणा की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 2022 में एमपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए जाने के बाद से भारत में इसके 30 मामले सामने आए हैं।

नगर पालिका द्वारा दुसरा टेंडर का समय नहीं

गजेन्द्र सिंह

राजस्थानः दशहरा मेला शुरू होने में कुछ ही दीन शेष बचे हुए हैं इसके चलते नगर पालिका द्वारा उपरोक्त कार्य के लिए दुसरा टेंडर करने का समय भी नहीं बचा है इसलिए टेंडर में किसी एक संवेदक से नगर पालिका द्वारा यह कार्य करवाया जाना लगभग तय लग रहा है लेकिन यह कार्य किसकी झोली में और कैसे जाएगा यह अभी कुछ कहां नहीं जा सकता है।

नगर पालिका द्वारा आयोजित राष्ट्रीय दशहरा मेला 2024 के लिए विडियोग्राफी, फोटोग्राफी, एलसीडी एलसीडी वॉल एलईडी, विडियो कवरेज क्रेन एवं सी.सी.टी.वी कैमरे किराये पर उपलब्ध करवाने व लगाने के कार्यों का टेंडर खोला गया टेंडर प्रक्रिया में कुल 9 संवेदकों ने फार्म अपलोड किये जिसमें दो संवेदको की तकनीकी बिड जमा नहीं होने से कुल 7 संवेदक प्रतिस्पर्धा में रहे जिसमें दो संवेदकों ने अपनी दरियादिली दिखाते हुए हर माल हर आइटम एक भाव की तर्ज पर 15 कार्यों की दर 1 रुपया दी है तथा एक कार्य की दरों में दोनों संवेदकों के बीच मात्र 5 रुपए का अंतर होने से दोनों प्रथम एवं दूसरे स्थान पर है। बाकी 5 संवेदकों की दरें इन दोनों की तुलना में काफी अधिक है।

टेंडर के तुलनात्मक विवरण अनुसार दरे लोएस्ट वन 165.00, लोएस्ट टू 170.00, लोएस्ट थ्री 3591.55, लोएस्ट फोर 5001.72, लोएस्ट फाइव 5111.60, लोएस्ट सिक्स 17572.05, लोएस्ट सेवन 24433.00 रुपए हैं।

दरियाली दिखाने वाले दोनों संवेदकों ने विभिन्न कार्य 1.रंगीन फोटो46 साईज प्रति फोटो 2. रंगीन फोटो 8'. 12 साईज प्रति फोटो, 3. रंगीन फोटो 12. 18 साईज प्रति फोटो, 4.फोटो एलबम 4. 6 साइज की 150 फोटो हेतु प्रति नग,5.फोटो एलबम 8. 12 साईज की 75 फोटो हेतु प्रति नग, 6.फोटो एलबम 12. 18 साईज की 50 फोटो हेतु प्रति नग, 7. फोटोबुक एलबम पेपर साईज 12. 18 (एनटीआर) प्रति पेपर 8. एचडी विडियोग्राफी प्रतिघंटा, 9. एचडी विडियोग्राफी (ड्रोन कैमरा द्वारा) प्रतिघंटा,10. वेलकम ऑफ गेस्ट के फ्लावर ड्रॉपिंग ड्रोन कैमरा इंक्लूडिंग फ्लावर लीफ प्रतिड्रोन प्रतिदिन,11. एलसीडी /एलईडी टीवी 42 इंच प्रतिदिन प्रतिनग, 12. एलसीडी /एलईडी टीवी 55 इंच प्रतिदिन प्रतिनग 13. विडियो कवरेज क्रेन मय विड़ियो कैमरा (क्रेन साईज आवष्यकतानुसार) प्रतिदिन प्रतिनग,14. सीसीटीवी कैमरा ओं हायर बेसिस विथ सप्लाई इंस्टॉलेशन एंड कनेक्शन कंप्लीट इन ऑल रेस्पेक्ट प्रतिदिन प्रतिनग, 16.नगरपालिका कार्यक्रमों का यूट्यूब/फेसबुक पर लाईव प्रसारण प्रतिदिन कि दरें 1 रुपया दी है वही कार्य नंबर 15. फिक्सिंग एंड ऑपरेशन ऑफ पी6 वॉल एलइडी ओं हायर बेसिस प्रतिस्क्वायर फीट प्रतिदिन कि दरें लोएस्ट वन ने 150 व लोएस्ट 2 ने 155 रुपए दी है।

अब देखना यह है कि नगर पालिका द्वारा काफी कम दरें प्रस्तुत करने वाले दोनों संवेदकों मे से किसी एक की अनुमानित लागत के आधार पर अंतर राशि जमा करवा कर उपरोक्त कार्य कराए जाएंगे या फिर दोनों फार्मो द्वारा कार्य करने में असमर्थ रहने के कारण इन्हें ब्लैकलिस्टेड किया जाएगा।

क्योंकि लोग उपापन नियमों के अनुसार निविदओं में यह प्रावधान है कि निर्धारित के अनुरूप 15 फीसदी से अधिक कम दरें प्रस्तुत करने वाले संवेदकों से अंतरराशि जमा करवाने के उपरांत कार्य आदेश दिए जाने होते हैं।

उपरोक्त कार्य के लिए फिलहाल यह नहीं लग पा रहा है कि जो दरें इन संवेदकों ने दी है उन दरों पर इनके द्वारा कार्य कर पाना संभव होगा।

इन दोनों संवेदकों द्वारा दी गई इतनी कम दरें सभी को चोंका रही है क्योंकि कोई भी व्यापारी नुकसान उठाकर व्यवसाय नहीं करता। दूसरी और यह भी हो सकता है कि नगरपालिका में टेंडर के लिए चल रही खींचतान एवं नूरा कुश्ती के चलते किसी रणनीति के तहत इन संवेदकों ने इतनी कम दरें दी।

कॉलोनी को पाकिस्तान कहने वाले जज श्रीशानंद पर हो सकती है कार्रवाई

नई दिल्ली। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणी के बाद उनकी मुशिकलें बढ़ सकती है। हाल ही में सुनवाई के दौरान जज श्रीशानंद ने बेंगलुरु की एक कॉलोनी को पाकिस्तान कहा था। इस टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने उनके ट्रांसफर पर विचार करने का संकेत दिया है। कॉलेजियम में शामिल प्रमुख न्यायाधीशों, जिसमें चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय ने इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा की।

कर्नाटक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने 23 सितंबर को जस्टिस श्रीशानंद की टिप्पणियों को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद कॉलेजियम ने ट्रांसफर करने पर विचार किया। जस्टिस श्रीशानंद के खिलाफ कॉलेजियम का सख्त रुख कई विवादित बयानों के कारण है। उन्होंने पहले भी कई बार विवादों को जन्म दिया है, जिसमें 6 जून को की गई लैंगिक भेदभाव वाली टिप्पणी। इसके अलावा, 28 अगस्त को उनकी पाकिस्तान वाली टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और सख्त नाराजगी जताई। 21 सितंबर को, जस्टिस श्रीशानंद ने खुली अदालत में बिना शर्त माफी मांगी और अपनी विवादास्पद टिप्पणी वापस ली। हालांकि, उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं, जिससे उनकी स्थिति और जटिल हो सकती है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने जस्टिस श्रीशानंद के ट्रांसफर पर आगे की कार्रवाई की योजना बनाई है, जिससे उनके विवादित बयानों को लेकर न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को बचाया जा सके।

लादेन का महिमामंडन कर बुरी फंसी जितेंद्र आव्हाड की पत्नी

-भाजपा का आरोप इंडी आंतकियों के साथ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ऋता आव्हाड ने कुछ ऐसा बयान दे दिया, जिस पर विवाद खड़ा हो गया है। कार्यक्रम के दौरान ऋता ने बच्चों से आंतकी ओसामा बिन लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया और अल-कायदा संस्थापक की तुलना पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से की। ऋता ने कहा कि लादेन मां के पेट से आतंकी पैदा नहीं हुआ था बल्कि समाज ने लादेन को आतंकी बनाया।

ठाणे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋता आव्हाड ने कहा, आपको लादेन की जीवनी पढ़नी चाहिए। कलाम जिस तरह राष्ट्रपति बने, उस तरह ओसामा बिन लादेन आतंकवादी बना था। लेकिन वह आतंकवादी क्यों बना? यह समाज ही था जिसने लादेन को ऐसा बनने के लिए मजबूर किया। वह पैदाइशी आतंकी नहीं था।

ऋता के बयान को मुद्दा बनाकर भाजपा ने राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड पर तीखा हमला बोला है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा, जितेंद्र अव्हाड की पत्नी ने खुले मंच से बच्चों से लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया, जैसे उन्होंने एपीजे अब्दुल कलाम के बारे में पढ़ा, ताकि वे समझ सकें कि वह आतंकवादी कैसा बना। आतंकवादियों का बचाव करना इंडिया ब्लॉक में शामिल पार्टियों के नेताओं की आदत बन गई है।

पूनावाला ने कहा, आव्हाड ने इशरत जहां (एलईटी आतंकवादी) का बचाव किया था। इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और सपा के नेताओं ने नियमित रूप से याकूब, अफजल, सिमी, कसाब और अन्य आतंकियों का भी बचाव किया है। भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पूछा कि क्या शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ऋता की इन टिप्पणियों का समर्थन करते हैं। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने कहा, अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए अब इंडी गठबंधन और एमवीए ने एक नई रणनीति शुरू की है। नेताओं की पत्नियों को इसतरह के बयान देने के लिए प्रोत्साहित करना जो टेरर को सॉफ्ट सपोर्ट का संकेत देते हैं!

भाजपा जम्मू में आतंकवाद के फिर उभार के लिए जनता से माफी मांगे : उमर अब्दुल्ला

उधमपुर/जम्मू (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अपेक्षाकृत शांत रहने वाले जम्मू संभाग में हाल में हुए आतंकवादी हमले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथित नाकामी दिखाते हैं और पार्टी को जम्मू-कश्मीर की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद के लिए नेकां, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जिम्मेदार ठहराकर पाकिस्तान को 'क्लीन चिट' दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद की क्या स्थिति है जहां हमारे बहादुर बल के जवानों को अक्सर निशाना बनाया जाता है? भाजपा को पहले जवाब देना चाहिए कि 2014 के बाद जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद क्यों फैला, खासकर पिछले तीन वर्षों में जब हमले बढ़े हैं।''

उन्होंने कहा, ''जम्मू का कोई ऐसा स्थान नहीं है जहां पर आतंकवादी हमले नहीं हुए हों, फिर चाहे चिनाब घाटी हो, पीर पंजाल क्षेत्र हो यारियासी, कठुआ,उधमपुर, जम्मू और सांबा हो... यह उनकी (भाजपा सरकार की) नाकामी को प्रतिबिंबित करता है और पार्टी को इसे स्वीकार कर जनता से माफी मांगनी चाहिए।'' उमर ने उधमपुर पूर्व विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार सुनील वर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा के इतर उमर ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान का संदर्भ दिया जिन्होंने नेकां, कांग्रेस और पीडीपी को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, '' जब भाजपा नेता जम्मू-कश्मीर में बोलते हैं तो हमें जिम्मेदार ठहराते हैं, लेकिन जब वे केंद्र शासित प्रदेश से बाहर बोलते हैं तो पाकिस्तान को जिम्मेदार करार देते हैं।''

नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, ''वे (भाजपा नेतृत्व) एक बात नहीं करते। अगर हम जिम्मेदार हैं तो फिर वे पाकिस्तान से बात क्यों नहीं करते? आप जम्मू-कश्मीर की धरती से(आतंकवाद के लिए) हमें जिम्मेदार ठहरा रहे हो, इस प्रकार पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहे हो। वे विरोधाभासी बयान दे रहे हैं और जनता को भ्रमित करने के लिए अलग-अलग रुख अपना रहे हैं।'' उन्होंने कहा लेकिन नेशनल कांफ्रेंस एक आवाज में बात करती है चाहे वह जम्मू-कश्मीर हो या कहीं और। भाजपा ने नेकां के घोषणा पत्र की आलोचना की है। इस बारे में पूछे जाने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा, '' उनसे आप क्या उम्मीद कर सकते हैं कि वे हमारे घोषणा पत्र की प्रशंसा करेंगे? वे हमारे खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं और यह स्वभाविक है कि वे हमारे घोषणापत्र का विरोध करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''मैं खुश हूं और उनकी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद देता हूं। हम छोटी क्षेत्रीय पार्टी है और जम्मू-कश्मीर से बाहर हमारा कुछ भी नहीं है फिर भी उन्होंने हमारे घोषणापत्र को पूरे देश में चर्चा का विषय बना दिया है। शायद ही कोई केंद्रीय मंत्री या (भाजपा का) मुख्यमंत्री होगा जिसने हमारे घोषणा पत्र पर बात नहीं की हो। मैं भाजपा का शुक्रगुजार हूं।'' उमर ने भाजपा नेतृत्व द्वारा उनका नाम लेकर निशाना बनाए जाने पर कहा, '' सत्ता से इतने लंबे समय से दूर रहने के बावजूद अगर प्रधानमंत्री या गृहमंत्री अपने भाषणों में मुझे याद कर रहे हैं तो इसका अभिप्राय है कि मैंने कुछ अच्छा किया है।'' नेकां नेता ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के शुरुआती दो चरणों में खराब प्रदर्शन की वजह से भाजपा घबराई हुई है। इससे पहले नेकां और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर ने कहा कि भाजपा कह रही है कि अगर '' हम सरकार बनाते हैं तो आतंकवाद का सफाया कर देंगे।''

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को झटका, सुनील जाखड़ ने दिया इस्तीफा

- रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से थे नाराज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार जोरों पर है इसी बीच बीजेपी को जोरदार झटका लगा है। पंजाब में पंचायत चुनाव से पहले बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें एक साल पहले ही इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पार्टी सूत्रों से पता चला है कि अभी उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया है।

इस्तीफे को लेकर सुनील जाखड़ से संपर्क करना चाहा लेकिन उनका फोन नहीं उठा। वहीं इस खुलासे से पंजाब बीजेपी में हलचल मची गई है। पंजाब बीजेपी के जनरल सेक्रेटरी अनिल सरीन ने कहा कि सुनील जाखड़ ने इस्तीफा नहीं दिया है। यह अफवाह है। जानकारी के मुताबिक वह रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से नाराज चल रहे थे। बिट्टू लोकसभा चुनाव हार गए थे। हालांकि, बाद में उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया। इसके अलावा वह पंजाब में बीजेपी नेताओं के कामकाज के तरीके से भी नाराज हैं।

इस बारे में जाखड़ पिछले हफ्ते पीएम मोदी के साथ एक बैठक में पद छोड़ने की इच्छा जता चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक जाखड़ ने जुलाई महीने से ही पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। हालांकि, बीजेपी के सदस्यता अभियान की शुरुआत के समय वह मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंचायत चुनाव पर चर्चा और तैयारियों को लेकर पार्टी कार्यालय में बैठक रखी हुई। इसमें भी वह नहीं आए। जब बीजेपी के किसी वरिष्ठ नेता ने उन्हें फोन किया तो उनका जवाब था कि वह बैठक में शामिल नहीं होंगे और आगे भी किसी भी बैठक में नहीं आएंगे। इससे पहले जालंधर विधानसभा के उपचुनाव के बाद उनकी तरफ से पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बताया था कि वह प्रधान पद पर नहीं रहना चाहते।

जानकारों के मुताबिक जाखड़ के इस्तीफे देने की कई वजह हैं, क्योंकि उनकी लाइन बीजेपी से अलग रही है। लोकसभा चुनाव में वह चाहते थे कि बीजेपी अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लड़े लेकिन बात नहीं बनी। दूसरा बीजेपी के पुराने नेता भी उनसे असहज महसूस कर रहे थे। वह हमेशा कहते हैं कि बाहर से आए लोगों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जाखड़ जिस हिसाब से पंजाब संगठन में बदलाव चाहते हैं, उससे प्रदेश के नेताओं के अलावा केंद्रीय नेतृत्व भी सहमत नहीं है। जाखड़ का मानना है कि वह अपने हिसाब से काम नहीं कर पा रहे हैं।

15 अक्टूबर को पंचायत चुनाव

पंजाब में पंचायती चुनाव का ऐलान हो चुका है। 15 अक्टूबर को मतदान होना है। इसी दिन परिणाम भी आ जाएंगे। 27 से 4 अक्टूबर तक पंच व सरपंच पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल कर सकते हैं। करीब 4 महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में पंजाब में बीजेपी एक भी सीट नहीं जीत पाई है लेकिन इस बार पार्टी का वोट बढ़ा है। बीजेपी, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बाद तीसरे नंबर पर रही थी। बीजेपी को करीब साढ़े 18 फीसदी वोट मिले थे।

फिलहाल विदा होने को तैयार नहीं है मानसून, एक दर्जन राज्यों में करेगा झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसूनी बारिश पूरी हो गई है इसके बाद भी मानसून फिलहाल विदा होने को तैयार नहीं है। अब लगभग एक दर्जन राज्यों में एक बार फिर झमाझम बारिश करेगा इसके बाद विदाई लेगा। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों को मॉनसून विदाई का तोहफा दे रहा है। इस सप्ताह भी उत्तर से लेकर दक्षिण भारत के 10 से ज्यादा राज्यों में बारिश के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि अब तक गुरुवार, 26 सितंबर तक पंजाब, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों से विदा हो चुका है। खास बात है कि मॉनसून की विदाई करीब 10 दिनों की देरी से शुरू हुई है।

पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों में 7 दिनों के दौरान बारिश के आसार हैं। वहीं, झारखंड में 27 सितंबर, बिहार में 28 सितंबर, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28 सितंबर, 2 अक्टूबर और 3 अक्टूबर को भारी बारिश हो सकती है। पश्चिम भारत में कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में 27 सितंबर को भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। वहीं, 28 सितंबर को भी मध्य महाराष्ट्र गुजरात क्षेत्र में भारी बारिश के आसार हैं। शनिवार को सौराष्ट्र और कच्छ में भारी बारिश की संभावनाएं हैं। अगले 7 दिनों के दौरान उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में बारिश के आसार हैं। उत्तर पश्चिम क्षेत्र में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में 27 सितंबर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27-28 सितंबर को भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। पश्चिम मध्य प्रदेश में 27 और 28 सितंबर को भारी बारिश की संभावनाएं हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों को लेकर मौसम विभाग ने बताया है कि तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में 28 और 29 सितंबर, केरल और माहे में 28 से 30 सितंबर, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 29 सितंबर, तटीय कर्नाटक में 30 सितंबर को भारी बारिश हो सकती है।

चीन से विवाद... 65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पूर्वी लद्दाख में पेट्रोलिंग प्वाइंट बढ़ा दिए हैं। सेना अब 65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी। एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विभिन्न स्थानों पर गश्त बढ़ा दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार कठिन मौसम की स्थिति और इलाके के बावजूद भारतीय सुरक्षा बल क्षेत्र पर अपना वर्चस्व सुनिश्चित कर रहे हैं।

पीपी-04 और पीपी-65 के बीच भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव कम होने के बाद नए पेट्रोलिंग क्षेत्र की पहचान हुई है। हालांकि दोनों देशों के बीच बफर की मौजूदगी के कारण इन नए गश्ती बिंदुओं तक पहुंचना मुश्किल है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि प्रभावी गश्त सुनिश्चित करने के लिए मार्ग बनाए गए हैं। 2013-14 से भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच झड़पें और गतिरोध बढ़े हैं। 2020 में लद्दाख में गतिरोध के कारण हिंसक झड़पें हुईं। इसमें एक कर्नल सहित 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तब से सुरक्षा बलों को नई तकनीक, ड्रोन, बुनियादी ढांचे, बलों के बीच बेहतर समन्वय और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) का उपयोग करके एलएसी के साथ सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए केंद्र की हालिया पहल से बेहतर तरीके से सुसज्जित किया गया है।

चीन के साथ 3488 किलोमीटर का बॉर्डर

भारत चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इसमें उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बीच का मध्य क्षेत्र भारत की तरफ और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र चीन की तरफ है। जबकि पूर्वी क्षेत्र अरुणाचल, सिक्किम और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र चीन की तरफ है। लद्दाख चीन के साथ 1,597 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, उसके बाद अरुणाचल (1,126 किलोमीटर) है।

संपादकीय

नकली-मिलावटी दवाएं

प्रख्यात शायर गालिब के एक शेर का सारांश यह है कि आखिर इस देश को हुआ क्या है? क्या यहां जीना भी आसान नहीं? आम आदमी बीमार भी नहीं पड़ सकता, क्योंकि असली दवा ही मुहाल नहीं है। यह सारांश उन रपटों के संदर्भ में सटीक है, जो केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने तैयार की हैं। यह भारत सरकार का संगठन है, जो फार्मा उद्योग के उत्पादन, दवाओं, इंजेक्शन आदि की गुणवत्ता को नियंत्रित करता है। उसने दो रपटें सार्वजनिक की हैं। एक में 48 दवाओं का ब्यौरा है, जो मिलावटी पाई गई हैं। दूसरी रपट में 5 नकली दवाओं का खुलासा किया गया है। चौंकना स्वाभाविक है, क्योंकि इन रपटों में 'पेरासिटामॉल 500 एमजी' जैसी दवा भी है, जो आम आदमी बुखार और शरीर दर्द आदि के लिए, डॉक्टर की पर्ची के बिना ही, खरीदता और खाता रहता है। दवाएं नकली हों या मिलावटी, सभी बड़ी, नामी कंपनियों की बनाई हुई हैं। रक्तचाप के लिए हम अक्सर 'टेल्मा' दवा लेते हैं। उसकी कई किस्में हैं, लेकिन 'टेल्मा-एच' का नमूना नकली पाया गया है। इसका उत्पादन प्रख्यात फार्मा कंपनी 'ग्लेनमार्क' करती है। इसी तरह गैस, एसिडिटी की प्रचलित दवाई 'पैन-डी' भी नकली पाई गई है। अस्थमा, लिवर, एलर्जी, मधुमेह, कैल्शियम और दांत इंफेक्शन की एंटीबॉयोटिक्स दवाएं भी मिलावटी और नकली मिली हैं। आम बीमार आदमी असमंजस में है कि वह लगातार दवा खा रहा है, लेकिन ठीक नहीं हो पा रहा है, तो इसका कारण क्या है? कारण मिलावटी और नकली दवाएं ही है, लेकिन आम आदमी को क्या पता? अधिकांश डॉक्टर भी इस काले धंधे से अनभिज्ञ हैं। गंभीर और नाजुक तथ्य यह है कि 'पेरासिटामॉल' और 'हिंदुस्तान एंटीबॉयोटिक्स लिमिटेड' तो भारत सरकार की कंपनियां हैं। भारत का फार्मा उद्योग 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है और हम 200 देशों को दवाइयां सप्लाई करते हैं। क्या ऐसी मिलावटी दवाएं ही निर्यात की जा रही हैं? यदि विदेश में भी इन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, तो भारत के निर्यात-कारोबार की छवि और मात्रा का क्या होगा? यहां एक आलेख में ही सभी मिलावटी और नकली दवाओं के नाम देना संभव नहीं है। वे मीडिया में प्रकाशित किए गए हैं, लेकिन अधिकांश दागदार कंपनियां नामी हैं। ऐसा कई बार होता रहा है कि नकली बाजार में छापे के दौरान नकली दवाएं पकड़ी जाती रही हैं। उनमें कैंसर की बेशकीमती दवाएं और इंजेक्शन भी पकड़े गए हैं, लेकिन सरकार और राजनीतिक दल अक्सर खामोश रहे हैं। क्योंकि नामी फार्मा कंपनियों से भाजपा को 61 करोड़, कांग्रेस को 5 करोड़, सपा को 3 करोड़ और आम आदमी पार्टी को 1 करोड़ रुपए के चंदे 'चुनावी बॉन्ड' के जरिए मिले हैं। 'पैन-डी' ने भाजपा को 15 करोड़ रुपए का चंदा दिया है, जबकि तेलंगाना की पार्टी 'बीआरएस' को भी 20 करोड़ रुपए चंदा दिया गया है।

हरियाणा : सत्ता विरोधी लहर के साथ भीतरी कलह से भी जूझती भाजपा

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के अतिरिक्त भाजपा के और भी कई स्टार प्रचारक जहाँ अपनी पूरी ताकत झोंके हुये हैं वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व पार्टी के अन्य कई केंद्रीय नेता भी कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभायें व रैलियां कर रहे हैं। दस वर्षों बाद सत्ता में वापसी की पूरी आस लगाये बैठी कांग्रेस को पिछले दिनों पार्टी की भीतरी कलह के बीच उस समय एक संजीवनी मिली जबकि राहुल गाँधी हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और वीरेंद्र सिंह को एक साथ एक मंच पर लाने व पार्टी में एकजुटता का सन्देश देने में सफल रहे।

-तनवीर जाफरी-

5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिये विभिन्न राजनैतिक दलों का प्रचार अभियान अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के अतिरिक्त भाजपा के और भी कई स्टार प्रचारक जहाँ अपनी पूरी ताकत झोंके हुये हैं वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व पार्टी के अन्य कई केंद्रीय नेता भी कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभायें व रैलियां कर रहे हैं। दस वर्षों बाद सत्ता में वापसी की पूरी आस लगाये बैठी कांग्रेस को पिछले दिनों पार्टी की भीतरी कलह के बीच उस समय एक संजीवनी मिली जबकि राहुल गाँधी हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और वीरेंद्र सिंह को एक साथ एक मंच पर लाने व पार्टी में एकजुटता का सन्देश देने में सफल रहे। ऐसे में कांग्रेस को जहाँ भाजपा के दस वर्षों के शासनकाल में उपजी सत्ता विरोधी लहर का फायदा मिलने की संभावना है वहीं उम्मीद है कि पार्टी में गुटबाजी के बावजूद नेताओं की एकजुटता का सन्देश भी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करेगा।

दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की ओर से पिछले दिनों चुनाव प्रचार के दौरान ही कई ऐसे संकेत मिले जो पार्टी नेताओं के मतभेदों को स्पष्ट रूप से उजागर करने वाले हैं। उदाहरण के तौर पर गत 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र की एक जनसभा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जमकर तारीफ की। मोदी ने कहा कि 'हमारे मुख्यमंत्री 24 घंटे हरियाणा के विकास के लिए समर्पित हैं। हरियाणा का जो भी व्यक्ति मिलेगा वह कहता है कि हमारे

मुख्यमंत्री विनम्रता के संबंध में हमारे हरियाणा का गौरव बढ़ाते हैं। उनका व्यक्तित्व सहज है व उनमें बहुत सहजता है। भाजपा के कार्यकर्ता के नाते मुझे हरियाणा में बहुत वर्षों तक काम करने का अवसर मिला है। जब मुख्यमंत्री की तारीफ करता हूं तो मन गर्व से भर जाता है। इनका विजन और इनकी लगन बड़े बड़ों से भी बेहतर है।

इसी रैली के अगले ही दिन अम्बाला छावनी से छः बार विधायक रहे राज्य के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुये कहा है कि, "आज तक मैंने अपनी पार्टी से कुछ नहीं मांगा। मैं छह बार का विधायक हूं। और अपनी वरिष्ठता की वजह से मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पेश करता हूं। उन्होंने कहा कि फैसला आलाकमान को करना है। उन्होंने कहा कि यदि मुझे इस बार मुख्यमंत्री बना दिया तो मैं हरियाणा की तकदीर बदल दूंगा, तस्वीर बदल दूंगा।" विज का यह भी दावा है कि उन्होंने अपने छः बार के विधायकी के कार्यकाल में अंबाला छावनी के विकास के लिये जितने काम किये हैं उतने देश के किसी भी विधान सभा क्षेत्र में नहीं किये गये। दरअसल पार्टी का सबसे वरिष्ठ विधायक होने के नाते 2014 में ही राज्य के लोग अनिल विज को मुख्यमंत्री पद के सबसे मजबूत दावेदार के रूप में देख रहे थे। परन्तु उन्हें नजरअंदाज कर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आर एस एस के मित्र व सहयोगी मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बना दिया। जबकि उस समय तक प्रदेश में खट्टर को कोई जानता भी नहीं था। इसके बाद 2019 में भी पार्टी ने मुख्यमंत्री पद हेतु पुनः खट्टर को ही चुना। वर्तमान चुनाव में खट्टर को मोदी-शाह का करीबी होने के नाते केंद्रीय मंत्री तो जरूर बना दिया गया है परन्तु हरियाणा में जिसतरह खट्टर का विरोध हो रहा है उसकी वजह से प्रधानमंत्री की चुनाव सभा सहित कई प्रमुख जनसभाओं से उन्हें दूर भी रखा जा रहा है। क्योंकि किसान आंदोलन के समय खट्टर ने मुख्यमंत्री रहते किसानों के विरुद्ध कई ऐसे हिंसा भड़काने वाले बयान दिये थे जोकि किसी मुख्यमंत्री पर शोभा नहीं देते।

बहरहाल, बाद में 2024 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले मुख्यमंत्री पद से खट्टर का इस्तीफा लेकर उनके लोकसभा चुनाव लड़ने का रास्ता प्रशस्त किया गया। और इसबार भी अनिल विज को मुख्यमंत्री बनाने के बजाये खट्टर के ही करीबी नायब सिंह सैनी को हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी गयी। उस समय भी अनिल विज की नाराजगी सामने आई थी। और मुख्यमंत्री सैनी स्वयं उनकी नाराजगी दूर करने अनिल विज के निवास अंबाला छावनी आये थे। परन्तु वर्तमान चुनाव प्रचार के बीच एक ओर अनिल विज का मुख्यमंत्री पद के लिये दावेदारी ठोकना और साथ ही उसके जवाब में मोदी व अमित शाह जैसे भाजपा के वरिष्ठतम नेताओं द्वारा तीसरी बार सरकार बनने की स्थिति में नायब सिंह सैनी को ही बार बार हरियाणा के मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताना इस बात का सबूत है कि पार्टी के भीतर सब ठीक ठाक नहीं है।

पार्टी के इन्हीं मतभेदों को उस समय और बल मिला जबकि अम्बाला जिले के अंतर्गत मुलाना विधानसभा क्षेत्र के बराड़ा कस्बे में गत 27 सितम्बर को गृह मंत्री अमित शाह की एक रैली हुई। इस रैली में मुलाना की भाजपा प्रत्याशी संतोष सारवान, अंबाला शहर के असीम गोयल तथा नारायणगढ़ के पवन सैनी तो मंच पर मौजूद रहे। उपस्थित लोगों से इन तीनों प्रत्याशियों का परिचय कराकर अमित शाह ने इनके लिये वोट भी मांगे। परन्तु अंबाला छावनी के प्रत्याशी अनिल विज वहाँ भी नदारद रहे। अम्बाला छावनी के करीब ही अमित शाह की सभा में अनिल विज की गैर हाजिरी कोई मामूली बात नहीं।

कहीं बलि की बकरी न बन जाएँ सीतारमण

-राकेश अचल-

लेबनान में नसरल्लाह की मौत और जम्मू-कश्मीर तथा हरियाणा के चुनावी शोरगुल में एक बड़ी खबर दबकर रह गयी। ये खबर बहुचर्चित इलेक्टोरल बांड से जुड़ी है। इस खबर के मुताबिक बेंगलुरु में चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए नामित मैजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ जबरन वसूली और आपराधिक साजिश का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

निर्मला सीतारमण जी इस देश की सबसे सबल और निर्मल वित्तमंत्री हैं। वे रक्षा मंत्री तो अच्छी साबित नहीं हुई किन्तु बतौर वित्तमंत्री उन्होंने भाजपा की नयी और पुरानी सरकार के लिए ऐसे-ऐसे सीताराम बजट बनाये की सरकार की बल्ले-बल्ले हो गयी और जनता आह भी नहीं भर पायी, जबकि उसके हिस्से में सिवाय मंहगाई और करों के बोझ के अलावा कुछ नहीं आया। वे माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी मंत्रिमंडल की पहली महिला सदस्य हैं जिनके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है। दरअसल ये मुकदमा तो बिद्धू के खिलाफ होना चाहिए था। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को देश का आतंकी नंबर वन कहा था। आपको बता दूँ कि कोर्ट ने ये फैसला आदर्श अय्यर की याचिका पर सुनाया था। आदर्श जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने मार्च में स्थानीय पुलिस को एक शिकायत दी थी जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश के अगले ही दिन यानी शनिवार दोपहर करीब तीन बजे एफआईआर दर्ज की गई। जेएसपी एक ऐसी संस्था है जो शिक्षा का अधिकार कानून और बाकी मुद्दों से जुड़ी समस्याओं को उठाती रही है। कोर्ट ने अपना काम कर दिया है, अब आगे का काम पुलिस को करना है।

सब जानते हैं कि निर्मला जी बेहद ईमानदार, वफादार और तेज-तर्रार वित्त मंत्री हैं। ये बात अलग है कि उनके फैसलों और उनके बनाये बजटों से उनके अपने पति भी खुश नहीं होते, देश कि जनता के खुश होने कि बात तो दूर की बात है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था। निर्मला सीतारमण ने कहा था कि चुनाव लड़ने के लिए उनके पास पैसों की कमी है और आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे दक्षिण के राज्यों में जीत के लिए जो मानदंड होते हैं, उन पर वह खरी नहीं उतरती हैं। उनकी बात पर यकीन करना मुश्किल है क्योंकि उनकी ही वजह से पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के इस प्रस्ताव के जरिये सरकार इलेक्टोरल बांड के जरिये 6 हजार करोड़ से ज्यादा का चुनावी चंदा जुटाने में कामयाब हुई थी।

यदि आप अपनी याददाश्त पर जोर डालें तो आपको याद आ जाएगा कि इलेक्टोरल बॉन्ड या चुनावी बॉन्ड 2017 में शुरूआत से लेकर 15 फरवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा असंवैधानिक घोषित किए जाने तक भारत में राजनीतिक दलों के लिए फंडिंग का एक तरीका था। इनकी समाप्ति के बाद, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने भारतीय स्टेट बैंक को दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं की पहचान और अन्य विवरण भारत के चुनाव आयोग को सौंपने का निर्देश दिया, जिसे चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित किया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इलेक्टोरल बंद को असामंवीधनिक तो घोषित कर दिया था लेकिन न बांड से मिले धन को राजसात करने के बारे में कुछ कहा और न किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

जहाँ तक मुझे याद है कि एक अनुमान के अनुसार, मार्च 2018 से अप्रैल 2022 तक की अवधि के दौरान ?9, 857 करोड़ के मौद्रिक मूल्य के बराबर कुल 18, 299 चुनावी बांड का सफलतापूर्वक लेन-देन किया गया। बाद में 7 नवंबर 2022 को चुनावी बॉन्ड योजना में संशोधन किया गया, ताकि किसी भी विधानसभा चुनाव वाले वर्ष में बिक्री के दिनों को 70 से बढ़ाकर 85 किया जा सके। चुनावी बॉन्ड (संशोधन) योजना, 2022 पर निर्णय गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों से कुछ समय पहले लिया गया था, जबकि दोनों राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू की गई थी।

खुशी की बात ये है कि जो काम देश कि सर्वोच्च अदालत करना भूल गयी थी उसे बेंगलूर कि एक अधीनस्थ अदालत ने पूरा कर दिखाया। अब केंद्र के सर्वविदित हथियार ईडी और सबसे ईमानदार मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के खिलाफ पुलिस में बाकायदा एफआईआर दर्ज की गयी है। आप कह सकते हैं कि अब आया है ऊँट पहाड़ के नीचे। अब यदि पुलिस ईमानदारी से फुर्ती के साथ मामले कि जांच कार आरोपियों को अदालत कि दहलीज पर ला खड़े करे तो एक बड़ा काम हो जाये।

कायदे से तो श्रीमती निर्मला सीतारमण जैसी ईमानदार मंत्री को ये एफआईआर दर्ज होते ही नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देते हुए राजनीति से सन्यास कि घोषणा कर देना चाहिए, लेकिन ऐसा होगा नहीं। नैतिकता से सीता जी का और उनकी पार्टी से दूर-दूर का रिश्ता नहीं है। निर्मला जी बलि कि मकरी बन रहीं है। उन्होंने तो जानबूझकर कुछ किया नहीं, जो उनसे पार्टी और सरकार ने कहा वो उन्होंने किया। वे और कर भी क्या सकती थीं। वे अपने खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद इस्तीफा दे सकतीं है लेकिन उनकी पार्टी और उनकी सरकार के नेता ही उन्हें इस्तीफा देने नहीं देंगे। इलेक्टोरल बांड के जरिये धन वसूली के मामले में सीता जी और ईडी के निदेशक ही नहीं बल्कि इस मामले में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजेंद्र को भी आरोपी के तौर पर नामित किया गया है बल्कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजेंद्र को भी आरोपी के तौर पर नामित किया गया है, कर्नाटक में कांग्रेस कि सरकार है।

धर्मनिरपेक्षता: पश्चिमी या आधुनिक?

-राम पुनियानी-

भारत का स्वाधीनता संग्राम बहुवादी था और उसका लक्ष्य था धर्मनिरपेक्ष एवं प्रजातान्त्रिक मूल्यों की स्थापना। यह हमारे संविधान की उद्देशिका से भी जाहिर है, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों को स्थान दिया गया है। संविधान के कई अनुच्छेदों का लक्ष्य सामाजिक न्याय की स्थापना है। समानता से आशय है हर नागरिक-चाहे उसकी जाति, लिंग या धर्म कोई भी हो-को समान दर्जा देना। संविधान के अधिकांश प्रावधान धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों पर आधारित हैं।

द्धधर्मनिरपेक्षताद्ध-यह शब्द उद्देशिका में नहीं है मगर धर्मनिरपेक्षता, संविधान की नींव है, उसका निचोड़ है। संविधान का मसविदा डॉ आंबेडकर ने तैयार किया था, मगर उसके निर्माण में अलग-अलग राजनैतिक ताकतों ने भूमिका निभायी थी। संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था।

हिन्दू राष्ट्रवादियों ने संविधान का इस आधार पर विरोध किया कि वह हमारे पवित्र ग्रंथों में निहित लैंगिक और जातिगत पदक्रम के चिरकालिक मूल्यों को प्रतिबिंबित नहीं करता। आरएसएस के मुखपत्र द आर्गेनाइजर ने 19 नवम्बर 1949 को लिखा, द्धहमारे संविधान में प्राचीन भारत की अद्वितीय सांविधानिक विकास यात्रा के भी कोई निशान नहीं हैं। स्पार्टा के लाइकर्गस या फारस के सोलन से भी काफी पहले मनु का कानून लिखा जा चुका था। आज भी मनुस्मृति की दुनिया तारीफ करती है। भारतीय हिंदुओं के लिए, तो वह सर्वमान्य व सहज स्वीकार्य है, मगर हमारे सांविधानिक पंडितों के लिए इस सब का कोई अर्थ नहीं है। द्ध

हिन्दू राष्ट्रवादी हमारे धर्मनिरपेक्ष, प्रजातान्त्रिक गणतंत्र को हिन्दू राष्ट्र बताते रहे हैं और यह शाखाओं में दिए जाने वाले प्रशिक्षण का हिस्सा था और है। भारत की सरकारें धर्मनिरपेक्ष नीतियों पर चलने का प्रयास करती रहीं हैं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के हितार्थ कई सकारात्मक कदम उठाये गए हैं। शाहबानो मामले में गलत निर्णय लेने के बाद से, दक्षिणपंथियों की ताकत बढ़नी शुरू हुई। वे धर्मनिरपेक्षता का मजाक उड़ाने के लिए उसे द्धछद्मद्ध कहने लगे और द्धसिक्युलरद्ध जैसे शब्द इस्तेमाल करने लगे। उसके बाद संविधान को बदलने की मांग उठी। पहले वाजपेयी सरकार ने भारत के संविधान की समीक्षा के लिए वेंकटाचलैया आयोग बनाया। उसने अपनी सिफारिशें भी प्रस्तुत कर दीं मगर उनका इतना विरोध हुआ कि उन्हें ठन्डे बस्ते में डाल दिया गया।

के. सुदर्शन ने सन 2000 में आरएसएस का सरसंघचालक बनने के बाद कहा कि भारत का संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और उसकी जगह ऐसे संविधान को लेनी चाहिए जो भारतीय पवित्र पुस्तकों पर आधारित हो। भाजपा के कई बड़े नेताओं ने संविधान को बदलने की अपनी मंशा जाहिर की। अनंतकुमार हेगड़े उनमें से एक थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय संविधान को बदले जाने की जरुरत है। हाल में हुए लोकसभा आमचुनाव (2024) में द्धअबकी पार चार सौ पारद्ध का नारा इसी लिए दिया गया था ताकि नई सरकार संविधान बदलने की स्थिति में रहे। और एक कारण जिसके चलते भाजपा को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा वह यह था कि इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संविधान की प्रति अपने हाथ में पकड़कर यह कहना शुरू कर दिया कि उनका प्राथमिक लक्ष्य संविधान की रक्षा करना है। इसी पृष्ठभूमि में हाल में तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि का एक वक्तव्य सामने आया है। उन्होंने कहा, धर्मनिरपेक्षता भारतीय अवधारणा नहीं है। यह यूरोपीय अवधारणा है। उसे वहीं रहने दें। उन्हें उसका आनंद लेने दें। भारत में धर्म से दूर कैसे जा सकता है? राज्यपाल महोदय ने ये वचन कन्याकुमारी के तिरुवत्तर में हिंदू धर्म विद्या पीठम के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुई कहे। उन्होंने नेहरु-पटेल और इंदिरा गाँधी को एक-दूसरे के खिलाफ बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के निमार्ता नेहरु और अम्बेडकर नहीं चाहते थे कि देश का संविधान धर्मनिरपेक्ष हो और इसलिए यह शब्द उद्देशिका का हिस्सा नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि चूँकि इंदिरा गाँधी राजनैतिक रूप से असुरक्षित महसूस कर रही थीं इसलिए, उन्होंने उद्देशिका में यह शब्द जोड़ा। वे यह बताने का प्रयास कर रहे थे कि धर्म, दरअसल, मनुस्मृति और अन्य हिन्दू धार्मिक ग्रंथों में वर्णित धार्मिक कर्तव्यों और वर्ण व जाति पर आधारित सामाजिक संरचना से भिन्न है। हर धर्म का एक नैतिक पक्ष होता है-जैसे इस्लाम में दीन और ईसाईयत में 'एथिक्स'।

पानी और पर्यावरण के लिए सदैव समर्पित रहे अनुपम मिश्र

-कुमार कृष्णन-

हमारे देश में बात जब जल संकट की होती है तो अनुपम मिश्र सहज याद आ जाते हैं। उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है। अनुपम जी अपनी पीढ़ी के आखिरी ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत को पर्यावरण की राजनीति समझाई। वही वो व्यक्ति थे, जो चिपको आंदोलन में गए और जब वापस आए तो एक हकीकत भरी कहानी उनके साथ लौटी।

उन्होंने बताया कि चिपको आंदोलन सिर्फ पेड़ों तक सीमित नहीं था बल्कि लोगों के राजनीतिक पक्षपात से भी जुड़ा हुआ था। लोग पर्यावरण के लिए लड़ रहे थे बल्कि यह उनके अस्तित्व की लड़ाई थी। उन्होंने पर्यावरण की विशुद्ध राजनीति को समझाया, यह भी समझाया कि इस देश में हाशिए पर खड़े गरीबों की राजनीति कौन सी है और आखिर उनका भुलाया हुआ और उपेक्षित किया जाने वाला ज्ञान कैसे विकास का हिस्सा बनेगा। अपने ढंग से उन्होंने लोक को समझने का प्रयास किया।

गांधी शांति प्रतिष्ठान में साथ बिताए वर्षों के दौरान, अनुपम मिश्र चंडी प्रसाद भट्ट के नेतृत्व वाले चिपको आंदोलन से बहुत प्रभावित हुए। सत्येंद्र त्रिपाठी के साथ, उन्होंने चिपको आंदोलन लिखा, जो भारत और दुनिया भर के लोगों का ध्यान 'पेड़ों को गले लगाने' के इस अनूठे आंदोलन की ओर आकर्षित करने में बहुत प्रभावशाली था। सामूहिक अहिंसक प्रतिरोध के इस प्रेरक और प्रभावी रूप में, महिलाओं और पुरुषों ने मांग की कि अगर कोई पेड़ काटा जाना है, तो उन्हें भी उसके साथ काटा जाना चाहिए।

भारत में सदियों से अपनाई जा रही जल संरक्षण तकनीकों की जानकारी में उन्हें महारथ हासिल थी। उन्होंने देश-विदेश में बताया कि किस तरह भारत के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग अपनी भौगोलिक स्थिति, संसाधनों की उपलब्धता और जरूरतों को समझते हुए जल संरक्षण के कारगर तरीके अपनाते थे। उनका कहना था कि आधुनिक जल परियोजनाएं इन पारंपरिक तरीकों के आगे फीकी और कम असरदार हैं।

उनके निधन के बाद धीरे- धीरे लोगों ने उन्हें विस्मृत कर दिया। पर्यावरण के संदर्भ में वे देशज ज्ञान के वाहक थे। गांधी शांति प्रतिष्ठान जो उनकी कर्मभूमि थी, उनकी स्मृतियों को खत्म किया जा रहा है। वहीं झारखंड में गोदावरी फांउडेशन द्वारा अनुपम मिश्र को याद किए जाने के कई मायने हैं। वे ऐसे व्यक्ति थे जो बिना किसी नाम के, बिना आवाज के, बिना गाजे-बाजे के, बस अच्छे काम कर रहे थे। अनुपम जी व्यक्ति खोजते थे, उसे तराशते थे और उसके साथ काम करते थे। इनमें जल पुरूष राजेन्द्र सिंह के साथ साथ कई हस्तियों के नाम हैं।

पर्यावरण संरक्षण आज के युग की बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। भारत में इसका असर विविध रूपों में देखने को मिल रहा है। देश में पर्यावरण का संरक्षण करने के लिए तकरीबन 200 से भी अधिक कानून हैं, लेकिन लगभग सभी कानूनों का खुलेआम उल्लंघन होता है इसलिए, भारत सर्वाधिक प्रदूषित देशों की सूची में आता है और पर्यावरण संरक्षण के लिए कोई कदम अभी तक प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाए हैं। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ रहा है, सूखा और जंगली आग अधिक बार होने लगी है, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं, ग्लेशियर और बर्फ पिघल रहे हैं और वैश्विक औसत समुद्र स्तर बढ़ रहा है।

भारत में हाल ही में आई जानलेवा गर्मी और सूखे के लिए आंशिक रूप से जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन ने ऐसी घटना की संभावना को लगभग 30 गुना बढ़ा दिया है। इसके अलावा, अतिरिक्त वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ इसी तरह की घटनाओं की संभावना बढ़ती रहेगी।

अनुपम मिश्र को साल 1996 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित किया था। जमना लाल बजाज पुरस्कार सहित कई अन्य पुरस्कार भी उनके नाम हैं। अनुपम के पिता भवानी प्रसाद मिश्र हिंदी के प्रख्यात कवि थे। जल संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने काफी योगदान दिया है। भारत के गांवों में घूम-घूमकर वह लोगों को पानी बचाने और जल का संरक्षण करने के पारंपरिक तरीकों के बारे में जागरूक करते थे। भारत के पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों की उनकी समझ को लेकर वह ना केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी काफी मशहूर थे। उनकी पुस्तकें, खासकर 'आज भी खरे हैं तालाब' तथा 'राजस्थान की रजत बूंदें', पानी के विषय पर प्रकाशित पुस्तकों में मील के पत्थर के समान हैं, और आज भी इन पुस्तकों की विषयवस्तु से कई समाजसेवियों, वाटर हार्वेस्टिंग के इच्छुकों और जल तकनीकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को प्रेरणा और सहायता मिलती है। सबसे बड़ी खासियत है कि अनुपम जी ने खुद की लिखी इन पुस्तकों पर किसी प्रकार का 'कॉपीराइट' अपने पास नहीं रखा है। इसी वजह से 'आज भी खरे हैं तालाब' पुस्तक का अब तक विभिन्न शोधार्थियों और युवाओं द्वारा ब्रेल लिपि सहित 19 भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। सामाजिक पुस्तकों में महात्मा गाँधी की पुस्तक 'माय एक्सपेरिमेंट्स विथ ट्रुथ' के बाद सिर्फ़. यही एक पुस्तक ब्रेल लिपि में उपलब्ध है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त खबरें

टाटा संस-PSMC की लीडरशिप टीम से मिले पीएम मोदी, सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजना पर हुई चर्चा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को टाटा संस और ताइवान स्थित पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (पीएसएमसी) की लीडरशिप टीम से मुलाकात की। पीएसएमसी ने भारत में अपने विस्तार के लिए उत्साह व्यक्त किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों कंपनियों से मिलने की खुशी व्यक्त की। उन्होंने दोनों कंपनियों से भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजना के अपडेट पर चर्चा की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, "टाटा संस और पीएसएमसी की लीडरशिप टीम से मिलकर अच्छा लगा। उन्होंने अपने सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजना के अपडेट साझा किए। भारत में अपने विस्तार को लेकर पीएसएमसी काफी ज्यादा उत्साहित हैं।"

इससे पहले भारत सरकार ने पीएसएमसी के साथ साझेदार के तौर पर गुजरात के धोलेरा में मेगा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन सुविधा (फैब) बनाने के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। यह 91,000 करोड़ कुल निवेश के साथ क्षेत्र में 20,000 नौकरियां पैदा करेगा।

इस गोषणा के साथ टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में कदम रखा। पीएसएमसी के साथ साझेदार के तौर पर टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड भारत में पहला एआई-सक्षम अत्याधुनिक फैब बना रही है। बता दें कि नया सेमीकंडक्टर फैब ऑटोमोटिव, कंप्यूटिंग और डेटा स्टोरेज, वायरलेस संचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग को देखते हुए पावर प्रबंधन आईसी, डिस्प्ले ड्राइवर, माइक्रोकंट्रोलर (एमसीयू) और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग लॉजिक जैसे अनुप्रयोगों के लिए चिप्स का निर्माण करेगा।

मकानों की कीमतें 23 फीसदी बढ़ीं, बिक्री 11 फीसदी घटी; त्योहारी तिमाही में बढ़ सकती है मांग

नई दिल्ली। शीर्ष सात शहरों में कीमतों में 23 फीसदी की तेजी से जुलाई-सितंबर में मकानों की बिक्री 11% घट गई है। साथ ही, नए लॉन्च भी कम हो गए हैं। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के मुताबिक, इस दौरान कुल 1.07 लाख घर बिके हैं। एक साल पहले समान तिमाही में 1.20 लाख घर बिके थे। एनारॉक की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी सात शहरों में बिक्री में गिरावट आई है। इस साल जुलाई-सितंबर में 93,750 नए मकान बने हैं जो एक साल पहले समान तिमाही में 1.16 लाख था। त्योहारी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) के दौरान डेवलपर्स के पास कई परियोजनाएं हैं। इससे इस दौरान बाजार में तेज मांग हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर में जुलाई-सितंबर में बिक्री दो फीसदी गिरकर 15,570 इकाई रह गई है। बंगलूरू में 8 फीसदी घटकर 15,025 यूनिट रह गई है। हैदराबाद में 22 फीसदी, कोलकाता में 25 फीसदी, चेन्नई में 9 फीसदी की कमी आई है। हैदराबाद में सबसे अधिक औसत 32 फीसदी दाम बढ़े हैं। मुंबई महानगर में बिक्री छह फीसदी घटी है जबकि पुणे में 17 फीसदी की कमी आई है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की याचिका निपटाई, ऋ्टफ को एयरपोर्ट का संचालन सौंपने के मामले में फैसला

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने निजी कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स को नागपुर के बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का रिनोवेशन र संचालन करने की अनुमति देने के अपने फैसले के खिलाफ केन्द्र और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण की सुधारात्मक याचिका का शुक्रवार को निपटारा कर दिया।

शीर्ष अदालत ने यह निर्णय सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की स्वतंत्र पेशेवर राय पर गौर करने के बाद लिया। सॉलिसिटर जनरल की ओर से कहा गया था कि केंद्र और एएआई की सुधारात्मक याचिकाएं ऐसी याचिकाओं पर विचार करने के लिए निर्धारित कानूनी मापदंडों के अंतर्गत नहीं आतीं।

सुधारात्मक याचिका यानी क्यूरेटिव पिटीशन, वादी के लिए उपलब्ध अंतिम कानूनी सहारा है और इसका विकल्प शीर्ष अदालत की ओर से 2002 में रूपा अशोक हुर्रा मामले में दिए गए फैसले के तहत तैयार किया था। ऐसी याचिका, मुख्य मामले और समीक्षा याचिका के खारिज होने के बाद, कुछ कानूनों का उल्लंघन होने पर दायर की जा सकती है। इस सुविधा के उपयोग के लिए किसी मामले में दिए गए फैसले में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन होना चाहिए, पक्षपात की आशंका होनी चाहिए और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होना चाहिए।

शुक्रवार को शीर्ष विधि अधिकारी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी की चार न्यायाधीशों की विशेष पीठ से कहा कि केंद्र और एएआई की सुधारात्मक याचिकाएं 2002 के फैसले के तहत नहीं आती हैं। वे वे पक्षपात का तर्क देकर नहीं कह सकते कि सरकार का पक्ष नहीं सुना गया।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, "इन कार्यवाहियों को अंतर-न्यायालय अपील में नहीं बदला जा सकता। मुझे अपना निर्णय स्वीकार करना होगा...मैंने केंद्र से भी परामर्श नहीं किया है।" हालांकि, विधि अधिकारी ने एक पहलू प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया था कि केंद्र और एएआई मुकदमे में आवश्यक पक्ष नहीं थे, तथा इस पर पुनर्विचार किया जा सकता है, क्योंकि इसी प्रकार के मामलों में इसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं।

रिकॉर्ड हाई पर पहुंचकर फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए

नई दिल्ली शेयर बाजार में पूरे हफ्ते हरियाली छाई रही, पर हफ्ते का आखिरी कारोबारी दिन इसे रास नहीं आया। शुक्रवार को 30 शेयरों का बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 264.27 (-0.30%) अंकों की गिरावट के साथ 85,571.85 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.10 अंक टूटकर 26,178.95 के स्तर पर पहुंच गया। पावर ग्रिड के शेयरों में तीन प्रतिशत जबकि एयरटेल के शेयरों दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इससे पहले पूरे हफ्ते बाजार में सकारात्मक महौल दिखा। निफ्टी शुक्रवार से पहले पूरे हफ्ते हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स भी केवल केवल मंगलवार को 0.02% की मामूली गिरावट के साथ 84,914.04 के स्तर पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 0.01% कमजोर होकर 83.70 रुपये के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एलएंडटी, पावर ग्रिड और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों का गिरावट में सबसे ज्यादा योगदान रहा।

ताइवानी कंपनी के साथ टाटा लगाएगी चिप इकाई

नई दिल्ली। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ताइवानी कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ धोलेरा में विनिर्माण इकाई लगाने में मदद करेगी। इस पर 91,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा, हम वैश्विक ग्राहकों की सेवा करने के लिए बढ़ते सेमीकंडक्टर बाजार में अहम भूमिका निभा सकेंगे। टाटा समूह की इस इकाई से एक लाख से अधिक नौकरियों का सृजन होगा।

जोहो भी उतरेगी, आवेदन लंबित...जोहो कॉरपोरेशन भी चिप क्षेत्र में उतरेगी। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीधर वेम्बू ने कहा, कंपनी ने सरकार को आवेदन दिया है जो अभी लंबित है। इस परियोजना के संबंध में कई पहलुओं पर गहन मूल्यांकन चल रहा है। वेम्बू ने कहा, प्रौद्योगिकी और विभिन्न भागीदारों को अंतिम रूप देने जैसे कई पहलुओं पर काम चल रहा है।

अगस्त में बैंकों ने 9.2 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किए, लेकिन खर्च घटा...त्योहारी सीजन में अचानक क्रेडिट कार्ड की मांग बढ़ गई है। अगस्त में बैंकों ने 9.2 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किया है। देश में कुल 10.55 करोड़ क्रेडिट कार्ड हो गए हैं। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में 7.55 लाख कार्ड जारी किए गए थे। अगस्त में क्रेडिट कार्ड से कुल खर्च घटकर 1.69 लाख करोड़ हो गया है। जुलाई में यह 1.73 लाख करोड़ था। आंकड़ों के मुताबिक, मासिक आधार पर कार्ड की संख्या में 22.3 फीसदी की वृद्धि हुई है।

फार्मा व मेडिकल उपकरण विनिर्माण के लिए 50 ग्रीनफील्ड संयंत्र लगेंगे...फार्मा एवं मेडिकल उपकरण विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन यानी पीएलआई योजना के तहत दो साल में 50 नए ग्रीनफील्ड संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। औषधि विभाग के सचिव अरुणीश चावला ने एक कार्यक्रम में कहा, मेक इन इंडिया पहल के 10 साल पूरे होने पर दोनों क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत पहले ही 50 संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

15 मार्च को हुई थी दो रुपये की कमी...रिपोर्ट के अनुसार, इस साल 15 मार्च को पेट्रोल तथा डीजल के दाम में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। तब से कीमतें यथावत हैं। ऐसा अनुमान है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहती हैं तो दो से तीन रुपये प्रति लीटर की कमी करने की गुंजाइश बनी रहेगी। नवंबर, 2021 की शुरूआत में तेल के दैनिक मूल्य संशोधन को रोक दिया गया था।

जनरल मोटर्स 18,000 वाहन मंगाएगी वापस...जनरल मोटर्स ब्रेक लाइन में खराबी के कारण अमेरिका में 18,000 वाणिज्यिक वाहनों को वापस मंगाएगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया, इसमें शेवरले एक्सप्रेस, जीएमसी मॉडल सहित अन्य हैं। यह सभी मॉडल साल 2013 से 2019 के बीच बने हैं। कंपनी के डीलर इसकी समीक्षा करेंगे।

ईपैक प्रीफैब को 1,233 करोड़ के ऑर्डर की उम्मीद...ईपैक प्रीफैब को चालू वित्त वर्ष में 1,233 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। एक साल पहले की तुलना में 48 फीसदी अधिक है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक निखिल बोथरा ने बताया, वित्त वर्ष 2023-24 में प्रीफैब्रिकेटेड उद्योग में वृद्धि 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर रही है।

बंगलूरू में जुटेंगी दिग्गज टेक कंपनियां...बंगलूरू में 19 से 21 नवंबर तक होने वाले 27वें टेक समिट में दिग्गज टेक कंपनियां जुटेंगी। इसके लिए दिल्ली में एक खुली चर्चा का आयोजन हुआ। राज्य सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां सभी को अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा।

चीन से स्टील आयात पर दोगुना शुल्क लगाने की मांग...देश के स्टील निमार्ताओं ने सरकार से चीन से सस्ते स्टील आयात वृद्धि को रोकने के लिए आयात पर दोगुना शुल्क लगाने की मांग की है। चीन से तैयार स्टील का आयात अप्रैल-अगस्त में सात साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। इंडियन स्टील एसोसिएशन यानी आईएसए ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस संबंध में पत्र लिखा है।

कच्चे तेल के दाम में गिरावट से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन रुपये तक कटौती की है गुंजाइश

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दामों में दो से तीन रुपये प्रति लीटर कटौती की गुंजाइश है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा, पेट्रोलियम कंपनियों के ईंधन पर मुनाफे में सुधार हुआ है। इससे सरकारी तेल कंपनियां चाहें तो कीमतें घटा सकती हैं। इक्रा ने बृहस्पतिवार को कहा, भारत के आयातित कच्चे तेल की कीमत मार्च में 83-84 डॉलर प्रति बैरल थी। सितंबर में यह औसत 74 डॉलर प्रति बैरल हो गई। यदि कच्चे तेल की कीमतें वर्तमान स्तर पर स्थिर रहीं तो खुदरा ईंधन कीमतों में कमी की गुंजाइश है। इस साल 17 सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय उत्पाद कीमतों की तुलना में तेल मार्केटिंग कंपनियों की शुद्ध प्राप्ति पेट्रोल के लिए 15 रुपये प्रति लीटर और डीजल के लिए 12 रुपये प्रति लीटर अधिक रही।

सात फीसदी तक की विकास दर हासिल करने के लिए भारत तैयार

वित्त मंत्रालय का मानना है कि भारत चालू वित्त वर्ष में 6.5-7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि हासिल करने के लिए तैयार है। अगस्त तक तमाम मजबूत संकेतकों से यह रुझान दिख रहा है। वित्त वर्ष के शेष भाग के लिए उम्मीद यह है कि सरकारी खर्च बढ़ेगा। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के घटनाक्रमों का विश्लेषण किया गया है। इसमें स्थिर विकास, निवेश, रोजगार और महंगाई के रुझान से पता चला है कि मजबूत व स्थिर वित्तीय क्षेत्र और बेहतर विदेशी मुद्रा भंडार के साथ आर्थिक स्थिरता मजबूत नींव का संकेत देती है। केंद्र ने चालू वित्त वर्ष में उधार लक्ष्य को बरकरार रखा है। 2024-25 की अक्तूबर-मार्च के दौरान दिनांकित प्रतिभूतियों की नीलामी के माध्यम से 6.61 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। बजट से पहले की बैठकें 10 से

वित्त मंत्रालय 10 अक्तूबर से नई व नवीकरणीय ऊर्जा और कौशल विकास, उद्यमिता सहित छह मंत्रालयों और विभागों की समीक्षा के साथ बजट पूर्व बैठकें शुरू करेगा। बैठकें 11 नवंबर तक चलेंगी। इसमें 2025-26 के लिए बजटीय आवंटन को मजबूत करने और चालू वित्त वर्ष के लिए संशोधित अनुमानों को अंतिम रूप दिया जाएगा। विकास को और तेज करने के लिए सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। रोजगार सृजन व आर्थिक मांग को बढ़ावा देने के उपाय लागू होंगे।

स्पाइसजेट ने अपना सभी जीएसटी बकाया चुकाया

वित्तीय अनुशासन और विनियामक अनुपालन को बनाए रखते हुए, घरेलू एयरलाइन स्पाइसजेट ने अपने सभी माल और सेवा कर (जीएसटी) बकाया का भुगतान कर दिया है। एयरलाइन ने शुक्रवार को एक बयान इसकी जानकारी दी। स्पाइसजेट ने कहा, जीएसटी बकाया का भुगतान स्पाइसजेट के हाल ही में सफल क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के बाद हुआ है, जिसमें 3000 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। क्यूआईपी ने शीर्ष-स्तरीय संस्थागत निवेशकों और फंडों की एक विविध श्रेणी को आकर्षित किया, जिसमें गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर), मॉर्गन स्टेनली एशिया, टाटा म्यूचुअल फंड और डिस्कवरी ग्लोबल ऑपर्चुनिटी लिमिटेड जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

दवाई-मोटरसाइकिल सहित 100 वस्तुएं होंगी सस्ती, घट सकती है जीएसटी दर

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में दवाइयों, बाइक सहित जरूरी वस्तुएं सस्ती हो सकती हैं। बोतलबंद पानी, पेय पदार्थ के साथ कुछ सामान महंगे हो सकते हैं। केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह यानी जीओएम जीएसटी दरों में सुधार की योजना बना रहा है। इसमें 100 वस्तुओं को शामिल किया गया है।

जीओम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में बदलाव पर 20 अक्तूबर को बैठक करेगा। इसमें जीएसटी की 12 फीसदी दर घटाकर 5 फीसदी करने पर चर्चा होगी। जीओएम सिफारिशें जीएसटी परिषद के समक्ष रखेगा। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बृहस्पतिवार को बताया, चर्चा में मोटर साइकिल और बोतलबंद पानी जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

बुधवार को जीओएम की बैठक में चिकित्सा और दवा से संबंधित वस्तुओं पर कर दरों में कमी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह सभी 12 फीसदी के स्लैब में हैं। भट्टाचार्य ने कहा, इन कटौतियों से होने वाले संभावित राजस्व हानि को जीओएम कुछ वस्तुओं जैसे एयरटेड पानी और पेय पदार्थों पर जीएसटी बढ़ाने के विकल्प के रूप में देख रहा है। इन पर 28 फीसदी कर लगाए जाते हैं। साथ ही उपकर भी बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में चार जीएसटी स्लैब हैं। इनकी दरें 5 फीसदी, 12%, 18%, और 28% हैं। 2024 में औसत जीएसटी दर 11.56% हो गई है जो रेवेन्यू न्यूट्रल रेट 15.3 फीसदी से कम है।

बीमा प्रीमियम पर फैसला नवंबर में...स्वास्थ्य व जीवन बीमा प्रीमियम पर दर कम करने का निर्णय लेने के लिए मंत्रिस्तरीय समिति की पहली बैठक 19 अक्तूबर को होगी। बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। इस कर को हटाने या कम करने की मांग की जा रही है। जीएसटी परिषद ने इस पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। मंत्री समूह को अक्तूबर अंत तक परिषद को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। बीमा प्रीमियम पर परिषद द्वारा अंतिम निर्णय नवंबर में होने वाली बैठक में लिया जाएगा।

साइकिल के भी घट सकते हैं दाम...मंत्री ने कहा, आम लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली साइकिल पर दर कम करने पर मंत्री समूह विचार-विमर्श करेगा। साइकिल और उसके कलपुर्जों पर 12 प्रतिशत कर है। ई-साइकिल पर पांच फीसदी है।

कानूनन 40 प्रतिशत तक लग सकता है कर...जीएसटी कानून के तहत वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40% तक का कर लगाया जा सकता है। हालांकि, 18 प्रतिशत कर वाली कुछ वस्तुएं जैसे बाल, ड्रायर, हेयर कलर तथा मेकअप उत्पाद फिर से 28 प्रतिशत स्लैब में आ सकते हैं। पश्चिम बंगाल ने सुझाव दिया कि जीएसटी परिषद की 23वीं बैठक में लिए गए निर्णय पर फिर से विचार किया जाना चाहिए, जिसमें 28 प्रतिशत के स्लैब को हटाकर 178 वस्तुओं पर कर की दरें घटाई गई थीं।

चालू वित्त वर्ष में विकास दर पर सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जताया अनुमान

नई दिल्ली चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर आधार पर 6.5 से 7 प्रतिशत की दर से वृद्धि हासिल कर सकती है। केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वर ने शुक्रवार को यह अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक स्थिति को देखते हुए यह विकास दर सराहनीय है।

बंगाल चेंबर ऑफ कॉमर्स व इंडस्ट्रीज (इउउक) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में सीईए नागरेश्वरन ने कहा कि जहां वास्तविक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है वहीं, महंगाई समायोजित वृद्धि दर यानी नॉमिनल ग्रोथ रेट 11 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि दुनिया मध्यम अवधि की अनिश्चितताओं का सामना कर रही है। वैश्विक व्यापार धीमा हो रहा है। लेकिन, भारत के मामले में स्थिति सकारात्मक है।

सरकार की ओर से अपनाई गई संतुलित राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों के कारण कोरोना काल के बाद देश की अर्थव्यवस्था की रिकवरी में मजबूती आई है। नागेश्वरन ने कहा, "कोविड के बाद अर्थव्यवस्था की रिकवरी विवेकपूर्ण मैक्रोइकोनॉमिक प्रबंधन के कारण मजबूत हुई है। इसने स्थिरता के साथ आर्थिक विकास की नींव रही है।" नागेश्वरन ने कहा कि घरेलू वित्तीय बाजारों और बैंकिंग प्रणाली के सुदृढ़ रहने से देश के चालू खाते के संतुलन में कोई कमी नहीं हैं।

नागेश्वर ने कहा, " मैक्रो संकेतक स्थिरता का संकेत देते हैं। पूंजीगत व्यय में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है। जीडीपी के अनुपात में बाहरी ऋण में कमी आई है और खुदरा महंगाई दर में भी गिरावट दर्ज की गई है।" उन्होंने कहा कि ये सभी संकेतक देश की साख प्रणाली के बेहतर होने की गारंटी देते हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार के अनुसार, अर्थव्यवस्था की आपूर्ति क्षमता में इजाफा हुआ है, जिससे महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिली है।

उन्होंने कहा कि सभी सकारात्मक संकेत आने वाले कई वर्षों में स्थिर विकास दर को बनाए रखने में मददगार साबित होंगे। हालांकि, सीईए ने यह भी कहा कि भारत को विकास के घरेलू स्त्रोत खोजने की जरूरत है। केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के अनुसार, देश को उत्पादक रोजगार पैदा करने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, एमएसएमई (छोटे और मझोले उद्योगों) के लिए नियामकीय बाधाओं को कम करने और वित्तीय संसाधनों का कुशल आवंटन सुनिश्चित करने की जरूरत है।

नागेश्वरन ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र गैर कृषि रोजगार सृजन की कूंजी है। छोटे और मझोले उद्योगों को अधिक श्रम को अवशोषित करने में सक्षम बनाने के लिए उन्हें बड़े उद्यमों में बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी की जरूरत है। इसके लिए कार्यस्थलों पर बचाव और सुरक्षा के उपाए किए जाने जरूरी है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक-उपभोक्ता देश बना भारत

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि नीतिगत बदलावों के कारण भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक और उपभोक्ता देश बन गया है। वे भारत शर्करा एवं जैव ऊर्जा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम चलाया है। इसमें इथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले 10 साल में इथेनॉल की बिक्री से सबसे अधिक राजस्व चीनी मिलों को प्राप्त हुआ है। जोशी ने कहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) का उत्सर्जन कम हो रहा है, इससे निवेश के अधिक अवसर सामने आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नई डिस्टलरी की स्थापना की गई है। इससे देश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन में भी बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार एक मजबूत, टिकाऊ चीनी उद्योग के लिए प्रतिबद्ध है। यह देश के लिए मजबूत आर्थिक स्तंभ भी है, इससे देश में अक्षय ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

किया जा चुका 99 फीसदी गन्ना मूल्य का भुगतान...जोशी ने कहा कि पिछले 10 सालों में गन्ना खेती का क्षेत्रफल लगभग 18 फीसदी बढ़ा है, जबकि गन्ना उत्पादन में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। किसानों और चीनी उद्योग के हितों की रक्षा के लिए केंद्र सरकार ने 2018 में चीनी के लिए एमएसपी लागू किया था। उन्होंने कहा कि उद्योग के सहयोग से किसानों को 1.14 लाख करोड़ रुपये में से करीब 99 फीसदी गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा चुका है।

सरकार जारी करेगी 'सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड', चालू वित्त वर्ष में 20000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में 'सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड ' के माध्यम से 20,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार सरकार 21 साप्ताहिक नीलामियों के जरिए वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही के लिए उधारी पूरी करने की योजना बना रही है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक ग्रीन बॉन्ड 5,000 करोड़ रुपये के चार किस्तों में जारी किए जाएंगे। 5000 करोड़ रुपये के 10 साल के सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड का पहला इश्यू 25 से 29 नवंबर को आएगा। दूसरा इश्यू, 5,000 करोड़ रुपये का 30 साल का बॉन्ड, 9 से 13 दिसंबर के बीच आएगा। 10 साल की अवधि के लिए तीसरा ग्रीन बॉन्ड 27 से 31 जनवरी के बीच जारी किया जाएगा और 30 साल के ग्रीन बॉन्ड की अंतिम किस्त 17 से 21 फरवरी के बीच आएगी।

सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड एक प्रकार का सरकारी ऋण है जो भारत को कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन में मदद करने से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तपोषित करने पर खर्च होगा। इसके अलावा, सरकार ने ग्रीन शू विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार भी बरकरार रखा है। जिससे उसे नीलामी अधिसूचनाओं में उल्लिखित प्रत्येक सिक्यूरिटी के एवज में 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता स्वीकार करने की अनुमति मिलेगी। यह लचीलापन सरकार को निवेशकों की अतिरिक्त मांग को पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान ट्रेजरी बिलों के माध्यम से केंद्र सरकार की साप्ताहिक उधारी 13 सप्ताह के लिए 19,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसके अलावा, सरकारी खातों में अस्थायी विसंगतियों को दूर करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (फ्इक) ने ल्2 ऋ25 के लिए वेज एंड मीन्स एडवांस (हटअ) की सीमा भी 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित की है। इससे अल्पकालिक वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता सुनिश्चित हो सकेगी।

वित्त मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से 2024-25 की दूसरी छमाही के लिए अपने उधार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया है।

35 साल आयु के धनकुबेरों में दिल्ली-UP को तीसरा-चौथा स्थान, बंगलूरू में मुंबई से अधिक अमीर

नई दिल्ली। हुरुन इंडिया ने अमीर युवा भारतीयों की सूची जारी की है। इन लोगों में कई चर्चित युवा कारोबारियों को शामिल किया गया है। 35 साल से कम उम्र के इन धनकुबेरों की सूची में मुकेश अंबानी के दो बच्चों- मुकेश और ईशा अंबानी को भी जगह मिली है। इन दोनों के अलावा हुरुन ने थर्ड वेव कॉफी के दो संस्थापकों- सुशांत गोयल और आयुष बथवाल को भी शामिल किया है। ऑनलाइन भुगतान करने की प्रणाली- रेजरपे के फाउंडर शशांक कुमार और मीशो के संस्थापक विदित आत्र और संजीव बर्नवाल को भी हुरुन रिच लिस्ट अंडर 35 में जगह दी गई है। बता दें कि इस सूची में ऐसी 150 हस्तियों को स्थान दिया गया है जिन्होंने उद्यमी के रूप में 35 साल से कम आयु में ही अपनी अलग पहचान बनाने में सफलता पाई है।

हुरुन की सूची में शीर्ष तीन राज्यों के नाम जानिए सूची में पहले पायदान पर महाराष्ट्र के 33, दूसरे पर कर्नाटक के 30 और तीसरे पर दिल्ली के 21 उद्यमी सूची में हैं। तेलंगाना 9 उद्यमियों के साथ पांचवें और गुजरात 7 उद्यमियों के साथ छठे स्थान पर है। इस बार सूची में यूपी के सबसे ज्यादा उद्यमी नोएडा के बजाय आगरा और गाजियाबाद के हैं। दोनों शहरों से तीन-तीन युवा उद्यमियों ने प्रदेश का मान बढ़ाया है।

कितनी संपत्ति होने पर सूची में जगह मिली...हुरुन इंडिया के मुताबिक कम से कम 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का कारोबार खड़ा करने वाले युवाओं को इस सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में एक तरफ जहां वर्तमान पीढ़ी के युवा बिजनेस टायकून शामिल हैं, तो दूसरी तरफ अगली पीढ़ी के ऐसे कारोबारी दिग्गज जिन्होंने 100 मिलियन डॉलर का कारोबार खड़ा किया है, उन्हें भी हुरुन इंडिया अंडर 35 की लिस्ट में शामिल किया गया है।

खास बात ये भी है कि बंगलूरू में 35 साल से कम उम्र के अमीर भारतीयों की संख्या मुंबई की तुलना में अधिक है। ताजा सूची के मुताबिक भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में मशहूर बंगलूरू में 29 अमीर हस्तियां रहती हैं, जबकि 26

अस्पताल ने कहा कि मुशीर खान की हालत फिलहाल स्थिर

मुशीर खान को कार दुर्घटना में गर्दन और हाथ-पैरों में चोटें आईं

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई के बल्लेबाज मुशीर खान की एसयूवी कार शुक्रवार रात आजमगढ़ से लखनऊ जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे उनकी गर्दन और हाथ-पैरों में चोटें आईं। 19 वर्षीय मुशीर का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनके शेष सत्र से बाहर रहने की संभावना है।

भारत के बल्लेबाज सरफराज खान के भाई मुशीर के साथ कार में उनके पिता और कोच नौशान खान भी थे और दुर्घटना में नौशान खान को भी मामूली चोटें आईं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक सूत्र ने कहा कि कार तेज गति से अनियंत्रित हो गई और सड़क पर कई बार पलट गई।

डॉक्टर स्कैन रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, ताकि यह पुष्टि हो सके कि उनकी गर्दन में फ्रैक्चर हुआ है या नहीं और यह कितना गंभीर है।

एमसीए सूत्र ने आईएएनएस को बताया, 'मुशीर संभवतः इस सत्र से बाहर रहेंगे। लखनऊ से आजमगढ़ जाते समय हुई तेज रफ्तार दुर्घटना में उनकी फॉर्च्यूनर कार कई बार पलट गई थी, जिससे उनकी गर्दन और अंगों में चोट आई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती होने के बाद तीन महीने आराम करना होगा। उसके बाद उन्हें पुनर्वास से गुजरना होगा, जिसका मतलब है कि वे छह से सात महीने बाद ही खेल पाएंगे। मुशीर का फिलहाल लखनऊ के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है।'

मुशीर, जो अपने पिता के साथ आजमगढ़ में प्रशिक्षण ले रहे थे, 1 अक्टूबर से अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में शेष भारत के खिलाफ होने वाले ईरानी कप मैच के लिए लखनऊ में अपने साथियों के साथ शामिल होने वाले थे।

एमसीए के अधिकारी मुशीर के दलीप ट्रॉफी मैचों के समापन के बाद आजमगढ़ में प्रशिक्षण लेने और मुंबई में अपनी घरेलू टीम के साथ नहीं जुड़ने के फैसले से भी नाखुश हैं।

मुशीर ने आखिरी बार दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी के लिए खेला था, इस महीने की शुरूआत में बेंगलुरु में इंडिया ए के खिलाफ टूर्नामेंट में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 181 रन बनाए, लेकिन टूर्नामेंट के बाकी मैचों में वे ऐसा कमाल नहीं कर पाए।

2024 अंडर-19 विश्व कप में भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक मुशीर ने फरवरी में रणजी ट्रॉफी में दमदार वापसी की। करीब दो साल बाद मुंबई के लिए अपने पहले मैच में उन्होंने अपना पहला प्रथम श्रेणी दोहरा शतक लगाया और बाद में विदर्भ के खिलाफ रणजी फाइनल में दूसरी पारी में शतक जड़कर मुंबई को रिकॉर्ड 42वां रणजी खिताब दिलाने में मदद की।

मुशीर ने नौ प्रथम श्रेणी मैचों में 50 से अधिक की औसत से 716 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

इस बीच, एमसीए ने अभी तक बल्लेबाज के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है। एमसीए को उम्मीद है कि सरफराज खान, जो अभी भी भारतीय टीम के साथ कानपुर में हैं, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में नहीं हैं, टीम में शामिल होंगे।

मुशीर खान की हालत फिलहाल स्थिर

लखनऊ, एजेंसी। मुंबई के बल्लेबाज मुशीर खान की हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। उन्हें एक बड़ी कार दुर्घटना में गर्दन और अंगों पर चोटें आई हैं। लखनऊ के मेदांता अस्पताल ने इसकी पुष्टि की है।
शुक्रवार को आजमगढ़ से लखनऊ जाते समय मुशीर की एसयूवी कार पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उन्हें गर्दन में दर्द के साथ रात 8 बजे मेदांता अस्पताल के आपातकालीन विभाग में लाया गया और ऑर्थोपेडिक्स विभाग के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र सिंह की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है।
अस्पताल ने शनिवार को एक बयान में कहा, '27 सितंबर को रात 8 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटना में घायल क्रिकेटर मुशीर खान को गर्दन में दर्द के साथ मेदांता अस्पताल के आपातकालीन विभाग में लाया गया। ऑर्थोपेडिक्स विभाग के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र सिंह की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं।' भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान के भाई मुशीर के साथ कार में उनके पिता एवं कोच नौशान खान भी थे और दुर्घटना में नौशान खान को भी मामूली चोटें आईं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक सूत्र ने बताया कि कार तेज गति से नियंत्रण खो बैठी और सड़क पर कई बार पलट गई। एमसीए ने एक बयान में कहा, 'भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) की मेडिकल टीमें उनकी प्रगति पर बारीकी से नजर रख रही हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें सर्वोत्तम संभव देखभाल मिले।' इसमें कहा गया है, 'एक बार जब मुशीर को यात्रा के लिए चिकित्सकीय रूप से फिट माना जाता है, तो उन्हें आगे के मूल्यांकन और अतिरिक्त चिकित्सा उपचार के लिए मुंबई ले जाया जाएगा। इन आकलनों के बाद उनके ठीक होने की समयसीमा निर्धारित की जाएगी।'

फीफा ने अर्जेंटीना के मार्टिनेज को दो मैचों के लिए निलंबित किया

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो 'डिबू' मार्टिनेज को 'निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों का उल्लंघन' करने पर फीफा की अनुशासन समिति ने दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया है।

मार्टिनेज अगले महीने वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल पाएंगे।

मार्टिनेज ने इस महीने की शुरूआत में चिली और कोलंबिया के खिलाफ कोपा अमेरिका मैचों के दौरान फीफा की आचार संहिता का उल्लंघन किया था। चिली के खिलाफ जीत के बाद, गोलकीपर को कोपा अमेरिका ट्रॉफी की प्रतिकृति को अपने ग्रोइन क्षेत्र में पकड़े हुए देखा गया, जो 2022 फीफा विश्व कप जीत के बाद उनके द्वारा किए गए जश्न की याद दिलाता है।

एस्टन विला स्टार को 10 सितंबर को कोलंबिया से अर्जेंटीना की 2-1 की हार के बाद अपने कार्यों के लिए भी परिणाम भुगतने पड़े, जब उन्होंने अंतिम सीटी के बाद एक कैमरा ऑपरेटर के उपकरण को धक्का दिया था।

अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ (एएफए) ने कहा कि फीफा द्वारा प्रतिबंधों की पुष्टि करने से पहले खिलाड़ी और संघ द्वारा बचाव प्रस्तुत किया गया था। एएफए ने एक बयान में कहा, 'डेमियन एमिलियानो मार्टिनेज को उनके आक्रामक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।' इसमें कहा गया, 'यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अर्जेंटीना फुटबॉल संघ फीफा अनुशासन समिति द्वारा लिए गए निर्णय से पूरी तरह असहमत है।' ला एल्बिसेलेस्टे वर्तमान में आठ मैचों में 18 अंकों के साथ कॉनमेबोल विश्व कप क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद कोलंबिया से दो अंकों की बढ़त बनाए हुए है।

संतोष की हैट्रिक हिंदुस्तान एफसी जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। डीएसए प्रीमियर लीग में शुक्रवार को अंबेडकर स्टेडियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में सीआईएसएफ ने तरुण सांघा फुटबाल क्लब को 5-0 से हराकर बड़ी जीत के साथ खाता खोला और पूरे अंक अर्जित किए।

सीआईएसएफ की जीत का आकर्षण संतोष की हैट्रिक रही। दिन के दूसरे मुकाबले में पहली लीग की विजेता वाटिका एफसी को हिंदुस्तान एफसी के हाथों एक गोल से हार का सामना करना पड़ा। विजयी गोल थांगमिन लेन मिसाव ने लंबी सीटी से पहले मिली पेनल्टी पर किया। भले ही थांगमिन को मैन ऑफ द मैच आंका गया लेकिन मैच का हीरो वाटिका का गोली यश कुलकर्णी रहा जिसने कई मौकों पर सुंदर बचाव किए।

सीआईएसएफ की जीत का आकर्षण उसके स्टार स्ट्राइकर संतोष कुमार की शानदार हैट्रिक रही। संतोष ने छठे मिनट में टीम का खाता खोला और अंतिम मिनट में टीम का पांचवां गोल जमाने के साथ हैट्रिक पूरी की। पुरस्कार स्वरूप उसे मैन ऑफ द मैच आंका गया। हैट्रिक करने वाला संतोष तीसरी प्रीमियर लीग का पहला खिलाड़ी है।

भोला सिंह और आदित्य ने एक-एक गोल किए। नॉर्थ ईस्ट के खिलाड़ियों से सजे तरुण सांघा ने छिटपुट मूव जरूर बनाए लेकिन सीआईएसएफ की मजबूत रक्षापंक्ति को भेद नहीं सके और गोल कीपर महतो ने बेहतर बचाव किए।

पहले प्रीमियर लीग की विजेता वाटिका और हिंदुस्तान एफसी के बीच खेला गया मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा।

अल्काराज दूसरे दौर में, मेदवेदेव ने गाएल मोंफिल्स को हराया

बीजिंग, एजेंसी। चार बार के प्रमुख चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने साथी 21 वर्षीय जियोवानी एमपेटशी पेरीकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जबकि तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने शुक्रवार को यहां चाइना ओपन के पुरुष वर्ग के पहले दौर में अनुभवी गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-4 से हराया।

इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीतने वाले अल्काराज के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण मैच था, क्योंकि उन्हें एटीपी टूर पर सबसे बड़ी सर्विस करने वाले खिलाड़ियों में से एक एमपेटशी पेरीकार्ड का सामना करना पड़ा क्योंकि उनके पास अपने नवीनतम अभियान से अभ्यस्त होने के लिए बहुत कम समय था।

हालांकि, शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने एमपेटशी पेरीकार्ड की मारक क्षमता के साथ जल्दी से तालमेल बिठाया और पहले दौर की जीत में शानदार प्रदर्शन किया। अल्काराज ने प्रत्येक सेट के शुरूआती गेम में फ्रांसीसी खिलाड़ी की सर्विस को तोड़कर 81 मिनट में अपने 21 वर्षीय साथी खिलाड़ी को हराया।

अल्काराज को शिन्हुआ ने यह कहते हुए उद्धृत किया, ह्लईमानदारी से कहूं तो यह आसान नहीं था। वह वास्तव में एक शक्तिशाली खिलाड़ी है। बड़ी सर्विस, बेसलाइन से बड़े शॉट।

आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई प्रतिनिधि चुनना एजीएम का मुख्य एजेंडा

बेंगलुरू, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की रविवार को यहां होने वाली 93वीं सालाना बैठक का मुख्य एजेंडा आईसीसी की बैठकों में भारत के दो प्रतिनिधियों का चुनाव होगा और निवर्तमान सचिव जय शाह के बाद नये सचिव की तलाश एजेंडे में नहीं है । बैठक इसलिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूएई में महिला टी20 विश्व कप के बाद दुबई में आईसीसी कांक्लेव होने वाली है ।

महिला टी20 विश्व कप का फाइनल 20 अक्टूबर को दुबई में है और तब तक शाह बीसीसीआई सचिव पद पर रहेंगे ।वह एक

दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालेंगे ।

बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में सौरव गांगुली का कार्यकाल खत्म होने के बाद से शाह आईसीसी बैठकों में भारत की नुमाइंदगी करते आये हैं ।

बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी वैकल्पिक निदेशक हैं जो बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व आईसीसी बैठकों में कर सकते हैं लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं है । उनके कार्यकाल का एक ही साल बचा है लिहाजा देखना होगा कि वह वैकल्पिक निदेशक बने रहेंगे या किसी और को नामित किया जायेगा।

सचिव का चयन एजेंडे में नहीं हैं । यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के नये परिसर के उद्घाटन के लिये एकत्र हुए सदस्य इस पर आपस में बात कर सकते हैं ।

फिलहाल दो नामों गुजरात क्रिकेट संघ के सचिव अनिल पटेल और रोहन जेटली पर विचार हो रहा है जो दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष भी हैं । समझा जाता है कि पटेल दौड़ में आगे चल रहे हैं। एजीएम में भारतीय क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि और आमसभा में से दो को शामिल करना , उप समितियों की नियुक्ति और 2024 , 25 के सालाना बजट को मंजूरी देना भी शामिल है ।

आईपीएल संचालन परिषद की बैठक भी यहां शनिवार को बुलाई गई है और इसमें रिटेंशन के नियम पर बात होगी ।

बारिश के कारण दूसरे दिन के पहले सत्र का खेल धुला

कानपुर, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट में वर्षा का कहर जारी है और शनिवार को दूसरे दिन के पहले सत्र का खेल पूरी तरह धुल गया। बांग्लादेश कल के 3 विकेट खोकर 107 रन से अपनी पारी आगे शुरू नहीं कर पाया है।

दूसरे टेस्ट में पहले तीनों दिन बारिश होने की भविष्यवाणी की गयी थी। शुक्रवार को पहले दिन का खेल भी बारिश से प्रभावित रहा था। पहले दिन सिर्फ 35 ओवर ही फेंके गए थे जिसमें बांग्लादेश ने तीन विकेट खोकर 107 रन बनाये थे।

गुरुवार रात हुई बारिश के कारण मैदान गीला होने से पहले दिन सुबह के सत्र का खेल कुछ देरी के साथ शुरू हुआ। हालांकि, पहले सत्र में बारिश तो नहीं हुई लेकिन बांग्लादेश की टीम ने इस सत्र में दो विकेट गंवाए। दूसरा सत्र भी थोड़ी देरी से शुरू हुआ, इस बीच ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को आउट कर तीसरा विकेट निकाला। लेकिन इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई और पूरे मैदान को कवर से ढक दिया गया।

मैच अधिकारियों ने बारिश न रूकने के संभावना को देखते हुए दिन का खेल समाप्त करने का फैसला किया। मैच के दूसरे दिन शनिवार को खेल आधा घंटा पहले शुरू करने का फैसला किया गया।

सुबह भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पिछले मैच में दो विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारत को पहली सफलता 9वें ओवर में दिलाई, जब उन्होंने जाकिर हसन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच करा दिया। जाकिर हसन ने 24 गेंदों का सामना किया लेकिन खाता नहीं खोल पाए। आकाश दीप ने शादमान इस्लाम को एलबीडब्ल्यू कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। शादमान ने 36 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 24 रन बनाए। दो विकेट 29 रन पर गिर जाने के बाद मोमिनुल हक और कप्तान शांतो ने तीसरे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की और लंच तक टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया। लंच के बाद अश्विन ने नजमुल शांतो को एलबीडब्ल्यू कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। शांतो ने 57 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 31 रन बनाए। बारिश के कारण जब पहले दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब मोमिनुल हक 81 गेंदों में 7 चौके के सहारे 40 रन और मुशफिकुर रहीम 13 गेंदों में 6 रन बनाकर क्रीज पर थे।

बारिश की भेंट चढ़ा दूसरे दिन का खेल

कानपुर, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट में वर्षा का कहर जारी है और शनिवार को दूसरे दिन का खेल पूरी तरह बारिश की भेंट चढ़ गया। बांग्लादेश ने पहले दिन 3 विकेट खोकर 107 रन बनाये थे लेकिन वह उसके बाद अपनी पारी आगे शुरू नहीं कर पाया है। तीनों अंपायर क्यूरेटर से बात करने आए थे और फिर दिन के खेल को रद्द घोषित कर दिया गया। तीसरे दिन भी बारिश का पूवार्नुमान है, हालांकि दिन के दूसरे हिस्से में मौसम के साफ रहने की उम्मीद है। लगातार बारिश और नमी वाले आउटफील्ड के कारण कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन कोई भी क्रिकेट गतिविधि संभव नहीं थी। खराब मौसम और आउटफील्ड की स्थिति इतनी खराब थी कि स्थानीय समयानुसार दोपहर 14:00 बजे ही खेल को रद्द कर दिया गया। 2015 में बेंगलुरु में हुए टेस्ट के बाद से भारत में एक दिन का खेल पहली बार बारिश की भेंट चढ़ गया। पहले तीन दिनों के लिए खेल से पहले के पूवार्नुमान को देखते हुए कानपुर में आज की घटनाएं आश्चर्यजनक नहीं थीं। मौसम ने पहले दिन केवल 35 ओवर की अनुमति दी, जिसमें बांग्लादेश ने अप्रत्याशित पिच पर मुश्किल परिस्थितियों में संघर्ष किया।
भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बादल छाए रहने और सतह में संभावित नमी के कारण गेंदबाजी करने का विकल्प चुना था, जो शुरूआती मूवमेंट से सही साबित हुआ। हालांकि, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे, और मेजबान टीम को राहत देने के लिए आकाश दीप के दोहरे स्ट्राइक की जरूरत पड़ी।

एक नजर

त्रीशा-गायत्री की जोड़ी मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में हारी

मकाऊ, एजेंसी। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को शनिवार को यहां सेमीफाइनल में सीह पेई शैन और हुंग एन-जू की चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। तीसरी वरीय भारतीय जोड़ी को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद चीनी ताइपे की दुनिया की 54वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ तीन गेम में 17-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

दुनिया की 23वें नंबर की जोड़ी त्रीशा और गायत्री की चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ इस साल यह तीसरी हार है। सीह और हुंग ने अच्छी शुरूआत करते हुए 8-5 की बढ़त बनाई और फिर लगातार पांच अंक के साथ 13-8 से आगे हो गई।

भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 15-15 किया लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने इसके बाद बेहतर खेलते दिखाते हुए पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। त्रीशा और गायत्री ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बनाए हुए थे।

भारतीय जोड़ी ने इसके बाद बढ़त 17-12 की और फिर गेम जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींच दिया।

सीह और हुंग ने तीसरे और अंतिम गेम में शानदार शुरूआत करते हुए 14-2 की बड़ी बढ़त बनाई और फिर आसानी से गेम और मैच जीत लिया।

एआईटीए ने नये पदाधिकारियों का चुनाव किया, अदालत के निर्देश पर परिणाम रोका गया

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने शनिवार को नये पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन कर लिया, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार परिणाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई। अदालत में महासंघ द्वारा खेल संहिता के उल्लंघन की याचिका पर सुनवाई जारी है।

एआईटीए को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में चुनाव करवाना था, लेकिन मतदान की जरूरत नहीं हुई क्योंकि निर्वाचन अधिकारी को प्रत्येक पद के लिए केवल एक नामांकन प्राप्त हुआ था। इस चुनाव में नये अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के अलावा आठ उपाध्यक्ष, चार संयुक्त सचिव और कार्यकारी परिषद के 10 सदस्य चुने गये हैं। यह पता चला था कि रोहित राजपाल और एक अन्य उम्मीदवार ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था लेकिन भारतीय डेविस कप के गैर-खिलाड़ी कप्तान रहे राजपाल ने बाद में अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली।

पूर्व भारतीय खिलाड़ियों सोमदेव देववर्मन और पूरव राजा ने एआईटीए चुनावों पर रोक लगाने की मांग की थी। उनका दावा था कि महासंघ खेल संहिता का पालन नहीं कर रहा है और चुनाव लड़ने वाले कई उम्मीदवार इसके लिए योग्य नहीं है।

अदालत ने इस याचिका पर चुनावों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन एआईटीए और खेल मंत्रालय से अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा, चुनाव तत्काल रिट याचिका के परिणाम के अधीन रहेगा। चुनाव के परिणाम को चुनाव अधिकारी द्वारा सीलबंद लिफाफे में रखा जाएगा, जिसका अर्थ है कि चुनाव के परिणाम को प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

न्यूजीलैंड 88 रन पर ढेर, श्रीलंका के खिलाफ फॉलोआन को मजबूर

गॉल (श्रीलंका), एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट में फॉलोआन के लिए मजबूर न्यूजीलैंड पर टेस्ट क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी हार का खतरा मंडरा रहा है।

न्यूजीलैंड ने दिन की शुरूआत दो विकेट पर 22 रन से की और सुबह के सत्र में पहली पारी के बाकी बचे आठों विकेट गंवा दिए जिससे टीम 88 रन पर सिमट गई।

मेहमान टीम पहली पारी के आधार पर 514 रन से पिछड़ी। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम (00) का विकेट गंवाकर लंच तक एक विकेट पर तीन रन बनाए। न्यूजीलैंड को स्पिन की अनुकूल गॉल की पिच पर पारी की हार से बचने के लिए 511 रन और बनाने हैं।

इससे पहले न्यूजीलैंड को सबसे बड़ी हार का सामना 2002 में पाकिस्तान के खिलाफ करना पड़ा था जब टीम पारी और 324 रन से हार गई थी। श्रीलंका के लिए पहली पारी में प्रबाथ जयसूर्या ने 42 रन देकर छह विकेट लिए जबकि पदार्पण कर रहे ऑफ स्पिनर निशान पेइरिस ने 33 रन पर तीन विकेट चटकाने के बाद दूसरी पारी में लैथम को भी पवेलियन भेजा।

जयसूर्या को सबसे तेज 100 टेस्ट विकेट की उपलब्धि अपने नाम करने के लिए छह विकेट की दरकार है। यह रिकॉर्ड 1896 से इंग्लैंड के जॉर्ज लोहमैन के नाम है।

रिकेलटन और हेंडरिक्स के प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को हराया

अबुधाबी, एजेंसी। रियान रिकेलटन और रीजा हेंडरिक्स के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को टी20 मैच में आठ विकेट से हराया। रिकेलटन ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 75 रन की पारी खेली और हेंडरिक्स ने 16वां अर्धशतक जमाया। आयरलैंड के आठ विकेट पर 171 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 18वें ओवर में दो विकेट पर 178 रन बनाये।

एक समय पर लग रहा था कि आयरलैंड 180 रन के पार जायेगा लेकिन आखिरी ओवर में उसने तीन विकेट गंवा दिये। मध्यम तेज गेंदबाज पैट्रिक क्रगर ने 27 रन देकर चार विकेट लिये।

दक्षिण अफ्रीका के लिये रिकेलटन ने बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने टी20 क्रिकेट में पहला अर्धशतक 30 गेंद में पूरा किया। हेंडरिक्स ने 31 गेंद में पचासा जड़ा लेकिन अगले ओवर में आउट हो गए। रिकेलटन 48 गेंद में 76 रन बनाकर पवेलियन लौटे। दोनों टीमें रविवार को दूसरा टी20 खेलेंगी।

बोपन्ना-डोडिग की जोड़ी चीन ओपन के पहले दौर में हारी

बीजिंग, एजेंसी। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और क्रोएशिया के उनके जोड़ीदार इवान डोडिग शनिवार को यहां चीन ओपन एटीपी 500 टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और निकोलस जैरी की जोड़ी के खिलाफ हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

भारत और क्रोएशिया की दूसरी वरीय जोड़ी को अर्जेन्टीना के सेरुंडोलो और चिली के जैरी की गैरवरीय जोड़ी के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एक घंटे और 31 मिनट में 5-7 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। बोपन्ना के नियमित जोड़ीदार ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन ने इस एटीपी 500 प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया था।

बोपन्ना इससे पहले 2017 और 2021 में भी डोडिग के साथ जोड़ी बनाकर खेल चुके हैं। इस जोड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2017 में एटीपी मांट्रियल मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचना रहा।

बोपन्ना ने इस साल ऑस्ट्रेलिया ओपन ग्रैंडस्लैम और मियामी ओपन का खिताब जीता है।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है।उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं।ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।

रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है।यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।

फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।

यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।

रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं।यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है।

सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।

रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है।इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।

रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है।जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।

रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है।इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।

आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।

इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है।ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं।यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है।आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं।ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।

पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।

शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है।साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है।इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।

डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है।जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।

पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है।इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है।इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।

जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं।इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है।इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है।इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।

दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके।इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।

सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी।गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।

अगर आपको अक्सर टॉसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।

गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है।पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें।यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है।भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।

पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है।वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं।कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।

पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है।घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है।इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।

पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है।वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है।पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।

पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं।ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है।आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।

चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।

तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें।इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है।इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें।इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।

अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है।यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं।लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें।इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें।यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं।ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें।यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है।ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है।बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।

सूर्यास्त के बाद न खाएं।

इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं।इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।

कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।

आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है।

अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

तीन साल बाद फिर रोडीज को होस्ट करेंगे रणविजय सिंह

अभिनेता रणविजय सिंह रियलिटी शो रोडीज को साल 2003 से होस्ट कर रहे हैं। इस शो को करने के बाद रणविजय ने अपना शो बनाया। वे साल 2021 तक अपने इसी शो पर काम कर रहे थे। अपने शो को अलविदा कहने के तीन साल बाद अब रणविजय ने रोडीज के 20वें सीजन डबल क्रॉस में वापसी की है। वे अब फिर से रोडीज को होस्ट करने वाले हैं। एमटीवी के जारी प्रोमो में रणविजय लेदर जैकेट पहने और बाइक चलाते हुए नजर आ रहे हैं। प्रोमो में रणविजय कह रहे हैं, रोडीज बनेगा तू? रोडीज को अपना घर मानते हैं रणविजय शो में वापसी को लेकर रणविजय ने कहा, रोडीज केवल एक शो नहीं है। ये एक भावना और मेरा कंफर्ट जोन है। मेरा घर है। पिछले 20 सालों से ये लोगों के धैर्य, सपने और जुनून से जुड़ा हुआ है। ये एक प्लेटफार्म नहीं, बल्कि उससे ज्यादा है। इस देश के युवाओं के धैर्य, लक्ष्य को दर्शाता है। मैं इस शो का हिस्सा बनकर काफी खुश हूं। हमने रोडीज डबल क्रॉस में कुछ नया करने की कोशिश की है। मैं इस शो में काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

रणविजय की जगह ये लोग कर चुके हैं होस्ट

रोडीज का नया सीजन को धोखे के आधार बनाकर बनाया गया है। इस शो में अब न केवल कंटेस्टेंट को दूसरी टीम के साथ अपनी टीम के लोगों से भी धोखे का सामना करना पड़ेगा। रोडीज के ऑडिशन इस साल अक्तूबर में शुरू होंगे। साल 2021 में जब रणविजय सिंह ने रोडीज छोड़ा तो हरभजन सिंह और विजेंद्र कुमार ने उनकी जगह ले ली थी। पिछले दो सीजन सोनू सूद ने रणविजय की जगह शो को होस्ट किया था। इन शोज में दिख चुके हैं रणविजय इसके अलावा रणविजय एमटीवी के स्प्लिटविला और स्टंटमानिया जैसे शो को भी होस्ट किया है। रणविजय फिल्मों में भी अपना हाथ आजमा चुके हैं। वे साल 2009 में सलमान खान और अजय देवगन के साथ फिल्म लंदन ड्रीम्स से नजर आ चुके हैं। इसके अलावा वे अक्षय कुमार और ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ फिल्म एक्शन रिप्ले में भी दिखाई दिए थे। उन्होंने मोड़ और उएम जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

ऐश्वर्या से लेकर आलिया तक, जान्हवी से पहले दक्षिण में जलवा बिखेर चुकी हैं ये बॉलीवुड अभिनेत्रियां

जान्हवी कपूर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती हुई अदाकारा है। बेहद कम समय में उन्होंने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। फिल्म दर फिल्म उनके अभिनय में भी गजब का सुधार देखने को मिल रहा है। वह जल्द ही तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में देवरा नाम की फिल्म से अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। फैंस को उनकी इस फिल्म से काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। जान्हवी से पहले कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम कर चुकी हैं और उन्होंने सफलता के झंडे भी गाड़े हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय की गिनती भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में होती है। सुंदरता के साथ वह अपने अभिनय से भी दर्शकों के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय हैं। वह कई साउथ की सुपरहिट फिल्मों में अपने अभिनय क्षमता का प्रदर्शित कर चुकी हैं। कुछ समय पहले रिलीज हुई पीएस-1 और पीएस-2 में ऐश्वर्या ने दमदार अदाकारी दिखाई थी। वहीं, वह रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर फिल्म रोबोट में भी दिख चुकी हैं।

पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री में से एक हैं। दक्षिण भारत में भी उनकी अदाकारी को खूब पसंद किया जाता है। राम चरण के साथ रंगस्थलम, एनटीआर जूनियर के साथ अरविंद समेथा वीरा राघव, महेश बाबू के साथ महर्षि, अल्लू अर्जुन के साथ अला वैकुंठपुरमुलु और विजय के साथ बीस्ट में वह नजर आ चुकी हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट मौजूदा समय की सबसे शानदार अभिनेत्रियों में से एक हैं। बॉलीवुड में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। उनका साउथ डेब्यू भी शानदार रहा था। एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर में वह एक छोटी सी, लेकिन अहम भूमिका में दिखी थीं। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने कामयाबी के झंडे गाड़ दिए थे।

तमन्ना भाटिया

इस सूची में तमन्ना भाटिया का नाम भी शामिल है। तमन्ना यूं तो बहुत सी दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम कर चुकी हैं, लेकिन उनकी सबसे ज्यादा सफल फिल्म बाहुबली रही थी। एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म को हिंदी पट्टी में खूब प्यार मिला था।

सूटकेस जैसी जिंदगी हो गई है, कोई ठिकाना नहीं...

टीवी अभिनेत्री दलजीत कौर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। निखिल पटेल से अलग होने के बाद एक बार फिर अभिनेत्री विवादों में घिर गई हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने एक व्लॉग शेयर कर के अपना दुख जाहिर किया है और बताया है कि उनकी जिंदगी सूटकेस जैसी हो गई है। दलजीत ने कहा कि पति से अलग होने के बाद वह एक बार फिर से अपनी जिंदगी को वापस ट्रैक पर लाने की कोशिश कर रही हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया है कि वह महीनों से एक सूटकेस जैसी जिंदगी जी रही हैं, जिसका कोई ठिकाना नहीं है। दलजीत ने यह भी कहा है वह अब बेटे के साथ ट्रैवल करेंगी और इन सब से बाहर निकलेंगी।

ये रिश्ता क्या कहलाता है से रातोंरात बाहर किए जाने पर बोलीं प्रतीक्षा

प्रतीक्षा होनमुखे इस समय श्रीति झा और अर्जित तनेजा स्टारर कैसे मुझे तुम मिल गए का हिस्सा हैं। अपने डेब्यू शो ये रिश्ता क्या कहलाता है से अचानक बाहर होने के बाद सुर्खियों में आई थीं। हालांकि प्रतीक्षा ने कभी इस बारे में बात नहीं की कि शो से सेट पर सच में क्या हुआ था, लेकिन ये रिश्ता क्या कहलाता है के निर्माता राजन शाही ने कई इंटरव्यू में इस बारे में बात की और कहा कि प्रतीक्षा उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। आइए जानते हैं कि अब अभिनेत्री ने क्या कहा है। ये रिश्ता क्या कहलाता है से बाहर होने के दो महीने बाद प्रतीक्षा को शो में नेगेटिव लीड के तौर पर कैसे मुझे तुम मिल गए का मौका मिला। हालांकि अभिनेत्री अब शो में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रतीक्षा ने बताया कि कैसे उन्होंने इस घटना के बाद खुद को संभाला और कैसे उनके माता-पिता ने उन्हें ठीक होने में मदद की। इस पूरी घटना के बारे में बात करते हुए प्रतीक्षा कहती हैं, यह मेरे लिए मुश्किल था क्योंकि ऐसी कई चीजें थीं, जिनके बारे में मैं बहुत ज्यादा सोच रही थी। मैंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपना करियर शुरू ही किया था। मैंने अपने सात साल के फ्लाइंग करियर को छोड़ दिया और जोखिम उठाया और फिर अचानक से यह सब हुआ, तो जाहिर तौर पर यह मुश्किल था। लेकिन फिर, जब आप अच्छे हो तो आपके साथ सब अच्छा होता है। प्रतीक्षा ने आगे कहा, ये रिश्ता के बाद भी जो कुछ भी हुआ, उस समय भी मुझे शो मिल रहे थे। मुझे दो शो ऑफर हुए लेकिन मैं उन शो को करने के लिए तैयार नहीं थी क्योंकि मानसिक रूप से मैं उस स्थिति में नहीं थी। इसलिए, जब यह शो आया, तो मैंने सोचा कि ठीक है, मतलब रोल भी लीड है तो क्यों नहीं? मैं बहुत खुश हूं कि मैंने यह फैसला लिया क्योंकि मैं यहां काम करके बहुत खुश हूं। यही नहीं, प्रतीक्षा ने शो से निकाले जाने के बाद के अनुभव को साझा करते हुए कहा, बात यह है कि मैंने लोगों को डिप्रेशन में जाते भी देखा है, क्योंकि मेरे साथ जो कुछ भी हुआ वह कोई छोटी बात नहीं थी, मेरा मतलब है कि हर कोई इसके बारे में बात कर रहा था। लेकिन मेरा परिवार मेरा साथ देने और मुझे प्रोत्साहित करने के लिए मौजूद था। वे मुझे बताते रहे कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

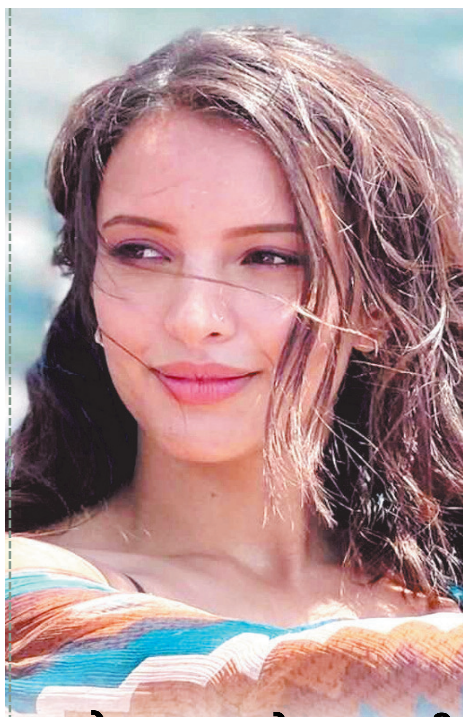

बैड न्यूज के बाद भी नहीं कम हो रहा तृप्ति डिमरी का धमाका, इस साल रिलीज होंगी ये तीन फिल्में

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों काफी चर्चा में हैं। जुलाई में फिल्म बैड न्यूज की रिलीज के बाद उनकी कई फिल्में रिलीज होने की गिनती में हैं। तृप्ति डिमरी ने फिल्म कला, एनिमल में अपनी भूमिकाओं को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद से लगातार अपनी फिल्मों को लेकर तृप्ति चर्चा में हैं। इस साल ही तृप्ति डिमरी तीन फिल्मों धड़क 2, भूल भुलैया 3, विकी विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आने वाली हैं।

विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो

विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में तृप्ति को लीड रोल में रखा गया है। इस कॉमेडी-ड्रामा मूवी में तृप्ति डिमरी, राजकुमार राव, विजय राज, मल्लिका शेरावत और अर्चना पूरन सिंह हैं। मूवी 11 अक्तूबर को रिलीज हो रही है।

धड़क 2

जान्हवी कपूर की धड़क का सीक्वल रिलीज होने वाला है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर की जगह तृप्ति डिमरी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में तृप्ति के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म सिनेमा घरों में 22 नवंबर 2024 को रिलीज होगी।

भूल भुलैया 3

तृप्ति डिमरी इसी साल 1 नवंबर को अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ उनको देखा जा सकता है। इस फिल्म के साथ ही सिंघम अगेन भी रिलीज होने वाली है।

शाहिद कपूर के साथ काम करेंगी

तृप्ति डिमरी अभिनेता शाहिद कपूर के साथ एक और फिल्म साइन कर चुकी हैं। इस फिल्म की घोषणा 13 सितंबर को की थी। फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज होंगे।

एनिमल पार्क

एनिमल की ही सीक्वल फिल्म में तृप्ति डिमरी को फिर से कास्ट किया गया है। इस फिल्म का नाम है एनिमल पार्क। फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने अभी तक फिल्म को लेकर कुछ खास डिटेल्स साझा नहीं की है। फिल्म के रिलीज डेट और कलाकारों को लेकर खास खुलासे नहीं हुए हैं।

जूनियर एनटीआर के बाद प्रभास के साथ हाथ मिलाएंगे कोरताला शिवा?

साउथ निर्देशक कोरताला शिवा इन दिनों देवरा के निर्माण में व्यस्त हैं। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। आज फिल्म का प्री रिलीज इवेंट है, जिसके लिए प्रशंसक काफी उत्साहित हैं। कोरताला शिवा और जूनियर एनटीआर फिल्म के प्रचार में जोर शोर से लगे हुए हैं। ऐसे में कोरताला शिवा पर देवरा का अगला भाग बनाने की भी जिम्मेदारियां हैं। इस बीच अब उनकी नई फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है, जो पैन इंडिया स्टार के साथ होने की उम्मीद है। दरअसल, कोरताला शिवा की देवरा दो भागों में रिलीज होने वाली है। पहली फिल्म पुरी हो चुके हैं और अगले हफ्ते रिलीज के लिए तैयार है। वहीं, इसकी रिलीज के साथ ही देवरा पार्ट 2 पर भी काम शुरू हो जाएगा। वहीं, अब खबर है कि कोरताला शिवा अब देवरा के सीक्वल के बाद एक और कहानी लिख रहे हैं, जो उन्होंने साउथ सुपरस्टार प्रभास को सुनाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, कोरताला शिवा अब प्रभास के लिए एक स्क्रिप्ट तैयार कर रहे हैं। दोनों ने पहले ही मिर्ची फिल्म के लिए काम किया था, जो एक बड़ी हिट थी। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी भी प्रभास के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। वहीं, अब अगर ये खबरें सच साबित होती हैं तो यह दूसरी बार होगा, जब कोरताला शिवा और प्रभास दूसरी बार साथ काम करेंगे। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं और प्रभास की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। खबर है कि कोरताला शिवा देवरा 2 पर काम खत्म करने के बाद प्रभास को अपनी नई फिल्म में निर्देशित करेंगे। वहीं, दूसरी ओर चर्चा यह है कि प्रभास के पास भी कई फिल्में कतार में हैं, अब देखना यह होगा कि वे फिल्म पर कब काम करेंगे। वहीं, बात करें देवरा की तो यह जूनियर एनटीआर की 30वीं फिल्म भी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता इस फिल्म में पिता और पुत्र दोनों का किरदार पर्दे पर निभाएंगे। फिल्म में जान्हवी कपूर, सैफ अली खान के साथ राम्या कृष्णा, प्रकाश राज, श्रीकांत, श्रुति मराटे, नारायण, शाइन टॉम चाको, कलैयारासन, अभिमायु सिंह जैसे अन्य कलाकार भी होंगे। देवरा का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है। संगीत रचना अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा की गई है। यह फिल्म 27 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

युद्रा में अपने किरदार से मानसिक रूप से प्रभावित हुए थे राघव

सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन और राघव जुयाल की युद्रा बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो चुकी है। रवि उध्यावर की फिल्म में राघव को नकारात्मक रोल में देखा गया। राघव अपने किरदार से प्रशंसकों के दिलों में राज करते हैं, लेकिन अपने इस रोल से राघव खुद भी काफी प्रभावित हो गए थे। इस फिल्म को लेकर राघव ने हाल ही में बातचीत के दौरान बताया कि नकारात्मक रोल निभाना किस तरह से मनोवैज्ञानिक तरीके से प्रभाव डालता है। उनके इस बदलाव से उनका परिवार चिंतित हो गया।

किरदार के लिए कंफर्ट जोन से आए बाहर

राघव ने कहा, वे अपने इस किरदार के लिए कंफर्ट जोन के बाहर आए और अपनी सीमाओं से बढ़कर रोल निभाया है। वे एक ऐसा किरदार निभा रहे थे, जो उनके व्यक्तित्व से बहुत अलग था। राघव ने कहा, मैंने महसूस किया कि कई बार पैकअप के बाद मैं बेचैन हो जाता था। शूटिंग पूरी होने के बाद मुझे एहसास हुआ कि इस किरदार ने मुझे मानसिक रूप से प्रभावित किया है मुझे महसूस हुआ कि मुझे खुद को समय देकर आराम करना चाहिए।

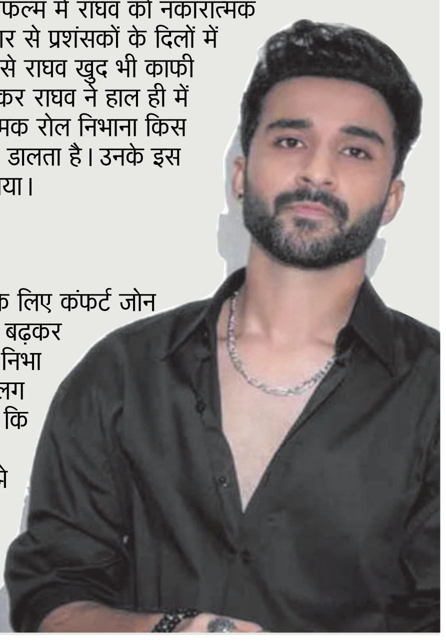

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009